गांव की गलियों से सरहद पार तक

dainikworldwisenews@gmail.com

# वर्ल्ड वाइड न्यूज

डब्ल्यू डब्ल्यू एन

RNI.NO: JHAHIN/2023/85732

हजारीबाग ■ बुधवार, 05 मार्च, 2025 ■ विक्रम सम्वत् 2081 ■ पृष्ठ 12 ■ मूल्य :5 रू ■ वर्ष :02 ■ अंकः 228 ■ झारखंड संस्करण

स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता

वर्ल्ड टूरिज्म स्कॉटलैंड।

## दुनिया का हर देश आज भारत के साथ आर्थिक साझेदारी को मजबूत करना चाहता है : पीएम

एजेंसी। नई दिल्ली

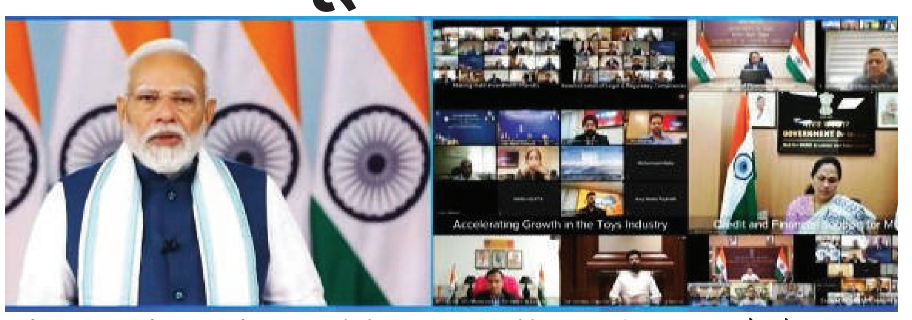


प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए विकास इंजन बताते हुए मंगलवार को कहा कि आज दुनिया का हर देश भारत के साथ अपनी आर्थिक साझेदारी को मजबूत करना चाहता है। उन्होंने कहा कि हमारे विनिर्माण क्षेत्र को इन साझेदारियों का लाभ उठाने के लिए अधिक से अधिक पहल करनी चाहिए। प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र पर बजट के बाद वेबिनार को संबोधित करते कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विनिर्माण और निर्यात पर ये बजट वेबिनार हर दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। ये बजट हमारी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला पूर्ण बजट था। इस बजट की सबसे खास बात रही, अपेक्षाओं से अधिक डिलीवरी। कई क्षेत्र ऐसे हैं जहां विशेषज्ञों ने भी जितनी अपेक्षाएं की थीं, सरकार ने उससे अधिक कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी देश में विकास के लिए स्थिर नीति और अच्छा कारोबारी माहौल बहुत जरूरी है। कुछ साल पहले हम जन विश्वास अधिनियम लेकर आए। हमने अनुपालन को कम करने की कोशिश की। केंद्र और राज्य स्तर पर 40 हजार से अधिक अनुपालन समाप्त किए गए। इससे व्यापार करने में आसानी हुई। हमने सरलीकृत आयकर की अवधारणा पेश की। हम जनविश्वास 2.0 विधेयक पर काम कर रहे हैं। गैर-वित्तीय क्षेत्र के नियमों की समीक्षा के लिए, हमने एक समिति बनाने का फैसला किया है। हम उन्हें आधुनिक, लोगों के अनुकूल और कार्य-आधारित बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हमने आत्मनिर्भर भारत के विजन को आगे बढ़ाया और सुधारों की अपनी गति को और तेज किया। हमारे प्रयासों से अर्थव्यवस्था पर कोविड का प्रभाव कम हुआ। इससे भारत को तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनाने में मदद मिली। उन्होंने कहा, "जब कोविड-19 महामारी के दौरान वैश्विक अर्थव्यवस्था धीमी हो गई तो भारत ने वैश्विक विकास को गति दी। यह आसानी से नहीं हुआ। हमने अपने सुधारों की गति को तेज किया और आत्मनिर्भर भारत के विजन की दिशा में काम किया। हमारे प्रयासों से कोविड-19 का हमारी अर्थव्यवस्था पर न्यूनतम प्रभाव पड़ा। आज भी भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए विकास का इंजन है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज 14 क्षेत्रों को पीएलआई योजना का फायदा मिल रहा है। इस योजना के तहत 7.5 करोड़ यूनिट को मंजूरी दी गई है। इससे 1.5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश आया है, 13 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का प्रोडक्शन हुआ है और पांच लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का एक्सपोर्ट हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत की मैन्युफैक्चरिंग यात्रा में आरएडंडी का अहम योगदान है। इसे और आगे बढ़ाने और गति देने की आवश्यकता है। आरएडंडी के द्वारा हम इनोवेटिव प्रोडक्ट्स पर फोकस कर सकते हैं, साथ ही प्रोडक्ट्स में वैल्यू एडिशन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज देश में एमएसएमई की संख्या बढ़कर 6 करोड़ से ज्यादा हो गई है। इससे करोड़ों लोगों को रोजगार के अवसर मिले हैं। इस बजट में एमएसएमई की परिभाषा को फिर विस्तार किया है, ताकि हमारे एमएसएमई को निरंतर आगे बढ़ते रहने का विश्वास मिले। इससे युवाओं के लिए और ज्यादा रोजगार के अवसर तैयार होंगे।

### प्रधानमंत्री बुधवार को रोजगार पर पोस्ट-बजट वेबिनार में लेंगे भाग

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को दोपहर करीब 1:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रोजगार पर पोस्ट-बजट (बजट के बाद) वेबिनार में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि वेबिनार के मुख्य विषयों में लोगों में निवेश, अर्थव्यवस्था और नवाचार शामिल हैं। रोजगार सृजन सरकार के प्रमुख फोकस क्षेत्रों में से एक रहा है। प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर सरकार ने रोजगार वृद्धि को बढ़ावा देने और रोजगार के अधिक अवसर पैदा करने के लिए कई कदम उठाए हैं। वेबिनार सरकार, उद्योग, शिक्षाविदों और नागरिकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देगा और परिवर्तनकारी बजट घोषणाओं को प्रभावी परिणामों में बदलने में मदद करने के लिए चर्चाओं को प्रोत्साहित करेगा।

## पीएम मोदी ने वनतारा में बिताए 7 घंटे, शावकों को खिलाया खाना

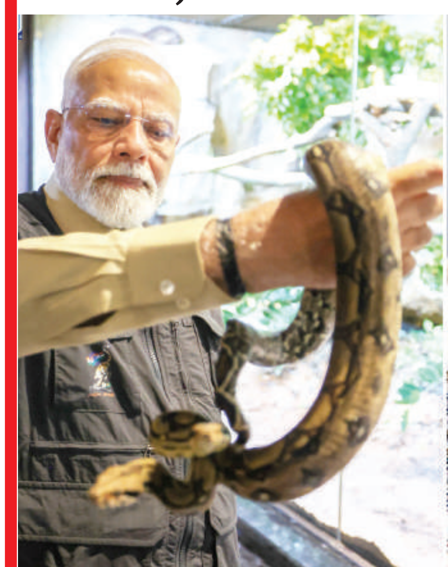

एजेंसी। जामनगर

पीएम नरेंद्र मोदी तीन दिन तक गुजरात दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने रविवार को जामनगर में रिलायंस द्वारा संचालित पशु बचाव एवं पुनर्वास केंद्र वनतारा का उद्घाटन किया। इसके फोटो-वीडियो मंगलवार को सामने आए हैं। वनतारा के उद्घाटन अवसर पर रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी, नीता अंबानी, अनंत अंबानी और बहू राधिका मर्चेंट भी मौजूद थे। पीएम ने यहां 7 घंटे बिताए थे। अनंत अंबानी का यह ड्रीम प्रोजेक्ट वन्यजीव बचाव, पुनर्वास और संरक्षण केंद्र है। यह 2000 से ज्यादा प्रजातियों और 1.5 लाख से ज्यादा बचाए गए लुप्तप्राय और संकटग्रस्त जानवरों का ठिकाना है। पीएम मोदी ने वनतारा में वन्यजीव अस्पताल का दौरा किया और वहां की सुविधाएं देखीं। उन्होंने एशियाई शेर और सफेद शेर के शावकों को अपने हाथों से खाना भी खिलाया और चिम्पांजी, हाथी, जिराफ, डॉल्फिन के साथ भी कुछ पल बिताए। मोदी ने वनतारा की सफारी की और इसके बाद कई वन्यजीवों के साथ समय बिताया।

## संक्षिप्त समाचार

### आईआईएमसी के दीक्षांत समारोह में बोले अश्विनी वैष्णव- यह असीमित अवसरों का युग है

**नई दिल्ली।** केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी) के दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए युवाओं को राष्ट्र प्रथम की भावना से ओतप्रोत होकर जीवन में आगे बढ़ने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यह असीमित अवसरों का युग है। ऐसे में यह हम पर निर्भर करता है कि हम इस बदलते समय का किस तरह से लाभ उठाते हैं। आईआईएससी के कुलाधिपति, केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने संस्थान के महात्मा गांधी सभागार में 56वें दीक्षांत समारोह में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के बैच के 9 पाठ्यक्रमों के 478 विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रदान किए गए। इसके अलावा 36 विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता के सम्मान में पदक और नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। वैष्णव ने दीक्षांत समारोह में डिप्लोमा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए आज के दिन को उनके जीवन का प्रमुख मील का पत्थर करार दिया। उन्होंने कहा कि अब आप जीवन के अगले चरण में प्रवेश करेंगे। उन्होंने इसे रोमांचक समय बताया और कहा कि बड़े पैमाने पर परिवर्तन आ रहा है। पहले काम करने के लिए सीमित दायरा होता था लेकिन अब नए अवसर आ रहे हैं।

### रक्षा मंत्री ने देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा की चुनौतियों के खतरों पर चेताया

**नई दिल्ली।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश की आंतरिक सुरक्षा के मुद्दे पर मंगलवार को कहा कि

हमें आतंकवाद, अलगाववादी आंदोलन, वामपंथी उग्रवाद, सांप्रदायिक तनाव, सीमा पार से घुसपैठ और संगठित अपराध देखने को मिल रहे हैं। इसी तरह बाहरी सुरक्षा में अलग-अलग चुनौतियां हैं। पहले ये चुनौतियां सिर्फ पारंपरिक थीं, लेकिन अब हाइब्रिड युद्ध, साइबर और अंतरिक्ष आधारित चुनौतियों के खतरे हमारे सामने आ रहे हैं। राजनाथ सिंह ने आज नई दिल्ली में आंतरिक सुरक्षा के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों पर एक सेमिनार में कहा कि आंतरिक और बाहरी सुरक्षा दोनों अलग-अलग चीजें नहीं हैं, इसलिए इन्हें अलग-अलग करके नहीं देखा जा सकता। यह एक ही सिक्के के दो सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा को लेकर कई सारी एजेंसियां अलग-अलग हिस्सों में काम कर रही हैं। अलग-अलग दायित्व होने के बावजूद सबका साथ और आदर्श वाक्य एक ही है। उनका आदर्श वाक्य है, देश की सुरक्षा। उनका आदर्श वाक्य है, देश में शांति और उनका आदर्श वाक्य है, देश की प्रगति। इसलिए इस सम्मेलन का आयोजन न केवल प्रासंगिक है, बल्कि समय की आवश्यकता के अनुसार भी है। रक्षा मंत्री ने विश्वास जताया कि आंतरिक सुरक्षा और आपदा राहत कार्यों के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियां' जैसे महत्वपूर्ण विषय के साथ दो दिवसीय सम्मेलन के सार्थक परिणाम हमारे सामने आएंगे। जब मैं गृह मंत्री था, तो उस दौरान मुझे भारत की आंतरिक सुरक्षा को करीब से देखने और समझने का अवसर मिला।

## मियां-तियां या पाकिस्तानी कहने से धार्मिक भावनाएं आहत नहीं होतीं

### केस खारिज कर सुप्रीम कोर्ट ने की अहम टिप्पणी

एजेंसी। नई दिल्ली

किसी को भी मियां-तियां या पाकिस्तानी कहना गलत और आपत्तिजनक हो सकता है, लेकिन यह अपराध की श्रेणी में नहीं आता है। ऐसा कहे जाने पर धार्मिक भावनाएं आहत होने का केस दर्ज नहीं हो सकता। सुप्रीम कोर्ट ने यह मंगलवार को अहम फैसला दिया है। शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी 80 साल के एक शख्स के खिलाफ दर्ज केस को खारिज करते हुए की। बुजुर्ग पर आरोप था कि उन्होंने एक व्यक्ति को मियां-तियां और पाकिस्तानी कह दिया था। इससे उसकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई थीं और उनके खिलाफ केस दर्ज हुआ था। लेकिन उस केस को जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने खारिज किया। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा, बुजुर्ग पर आरोप है कि उन्होंने मियां-तियां और पाकिस्तानी कहकर धार्मिक भावनाओं को आहत किया है। निसंदेह उनकी टिप्पणी खराब है और गलत तरीके से की गई। लेकिन इससे उस व्यक्ति की धार्मिक भावनाएं आहत नहीं होतीं। यह मामला झारखंड के बोकारो का है, जहां के एक उर्दू अनुवादक मोहम्मद शमीमुद्दीन ने आरोप लगाया था कि बुजुर्ग ने उन पर आपत्तिजनक टिप्पणी की। शमीमुद्दीन ने 80 साल के हरि नारायण सिंह पर यह आरोप लगाकर कहा था कि उनकी बातों से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। बुजुर्ग के खिलाफ जांच के बाद पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की। जुलाई 2021 में मजिस्ट्रेट ने मामले का संज्ञान लेकर बुजुर्ग को समन जारी किया। इसके बाद बुजुर्ग ने एडिशनल सेशन जज का रुख किया, लेकिन राहत नहीं मिली।

### अब रिश्वत लेने व देने के ठोस सबूत होने पर ही माना जाएगा भ्रष्टाचार

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि भ्रष्टाचार तभी माना जाएगा, जब रिश्वत की मांग या लेनदेन के ठोस सबूत मौजूद होंगे। महज शक्ति के दुरुपयोग का आरोप लगाकर किसी अधिकारी को भ्रष्टाचार का दोषी नहीं ठहराया जा सकता। मामला एक फिशिंग ठेकेदार से जुड़ा था, जिसमें एक सरकारी अधिकारी पर बिना टेंडर जारी किए करोड़ों का नुकसान करने का आरोप लगाया था। इसके तहत प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह मामला 27 फरवरी को खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अगर कोई अधिकारी सरकारी नीति से भटककर कार्य करता है, तो केवल इस आधार पर यह नहीं माना जा सकता कि उसने रिश्वत ली है। जब तक यह साबित नहीं हो जाता कि रिश्वत की मांग और उसे स्वीकार किया गया था, तब तक भ्रष्टाचार का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है। प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट की धारा 20 के मुताबिक यदि कोई पब्लिक सर्वेंट अनुचित लाभ स्वीकार करता है, तो यह माना जाएगा कि उसने किसी कार्य को प्रभावित करने के लिए ऐसा किया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब तक यह साबित न हो कि रिश्वत की मांग की गई और उसे स्वीकार किया गया, तब तक केवल अनुमान के आधार पर उसे दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

## डेटा-संचालित प्रणालियां दक्षता बढ़ा सकती हैं, लेकिन सहानुभूति और अखंडता की जगह नहीं ले सकतीं : राष्ट्रपति

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के अधिकारियों को यह याद रखने की सलाह दी कि तकनीक सिर्फ एक उपकरण है और यह मानवीय मूल्यों का विकल्प नहीं है। डेटा-संचालित प्रणालियां दक्षता बढ़ा सकती हैं, लेकिन वे कभी भी सहानुभूति और अखंडता की जगह नहीं ले सकतीं। आईआरएस के 78वें बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भेंट की। इनमें रॉयल भूटान सेवा के दो अधिकारी प्रशिक्षु भी शामिल हैं, वे राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी (एनएडीटी), नागपुर में प्रारंभिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि बदलते समय, बढ़ती अपेक्षाओं और सरकारी पहलों ने अधिक दक्षता, पारदर्शिता और सुविधा के एक नए युग की शुरुआत की है। डिजिटल तकनीक इस बदलाव के मूल में है। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि आयकर विभाग उल्लेखनीय सटीकता के साथ विसंगतियों का पता लगाने के लिए उन्नत डेटा एनालिटिक्स का उपयोग करता है और यह सुनिश्चित करता है कि ईमानदार करदाताओं को असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उनकी नीतियों और कार्यों का उद्देश्य सभी का विकास होना चाहिए, खासकर वंचितों और कमजोर वर्गों का। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारियों का काम शासन और कल्याण के लिए सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है। उन्होंने जीवंत अर्थव्यवस्था के लिए करों के महत्व पर प्रकाश डाला। भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारियों के रूप में वे यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे कि इस आवश्यक संसाधन को निष्पक्ष, प्रभावी और पारदर्शी तरीके से एकत्र किया जाए। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा बुनियादी ढांचा बढ़ रहा है, डिजिटल कनेक्टिविटी अंतर को पाट रही है और आर्थिक अवसर पहले से कहीं अधिक सुलभ हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकास को टिकाऊ और समावेशी बनाने के लिए संसाधनों का प्रबंधन दक्षता और निष्पक्षता के साथ किया जाना चाहिए और नागरिकों को सिस्टम पर भरोसा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है क्योंकि वे इस प्रक्रिया की देखरेख करेंगे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हर कोई अपनी वैध क्षमता के अनुसार योगदान दे और उसके साथ सम्मान और गरिमा के साथ व्यवहार किया जाए।

### मोहम्मद यूनुस का बड़ा बयानः बांग्लादेश की मजबूरी है भारत से अच्छे संबंध रखना

**ढाका।** बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने भारत को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के पास भारत से अच्छे संबंध बनाए रखने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है, क्योंकि दोनों देश एक-दूसरे पर काफी निर्भर हैं। यूनुस, जो पहले भारत को लेकर आक्रामक बयानबाजी करते रहे हैं, अब सुर बदलते नजर आ रहे हैं। एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ दुष्प्रचार के कारण भारत-बांग्लादेश के संबंधों में तनाव पैदा हुआ है, लेकिन बांग्लादेश अब इन गलतफहमियों को दूर करने की कोशिश कर रहा है। यूनुस का यह बयान 3-4 अप्रैल को थाईलैंड में होने वाले बिम्सटेक शिखर सम्मेलन से पहले आया है।

Classified

अधिक जानकारी के लिए आप आयुष्मान डेंटल क्लिनिक के दिए गए नंबर पर संपर्क करे :

7061815259, 7906590688

Classified

## रक्षा समिति ने वायु सेना को आधुनिक और ताकतवर बनाने की सिफारिशें सरकार को सौंपी

एजेंसी। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के निर्देश पर गठित एक उच्चस्तरीय समिति ने भारतीय वायु सेना को आधुनिक बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों को पहचाना है। इसी आधार पर वायु सेना को और ताकतवर बनाने के उपाय सुझाते हुए रक्षा सचिव की अध्यक्षता वाली समिति ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने वायु सेना में लड़ाकू विमानों की कमी और हर साल भारत में कम से कम 35-40 सैन्य विमानों के निर्माण की जरूरत बताई थी। रक्षा मंत्री के निर्देश पर रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति को सभी मुद्दों की समग्र जांच करने और एक स्पष्ट कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए थे। समिति में वायु सेना के उप प्रमुख, सचिव (रक्षा उत्पादन), रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव तथा डीआरडीओ के अध्यक्ष, महानिदेशक अधिग्रहण सदस्य व वायु सेना के सदस्य सचिव शामिल थे। इस समिति ने भारतीय वायु सेना की युद्ध प्रभावशीलता को बेहतर बनाने के लिए प्रौद्योगिकी और हथियारों सहित क्षमता विकास के हर पहलू की समीक्षा करने के बाद एक रिपोर्ट तैयार की है, जो रक्षा मंत्री को सौंप दी गई है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार रिपोर्ट में वायु सेना को आधुनिक बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान की गई है। समिति ने अपनी सिफारिशों में वायु सेना को और ताकतवर बनाने के उपाय सुझाए हैं। उच्चस्तरीय समिति की यह रिपोर्ट तब सामने आई है, जब हाल ही में वायु सेना प्रमुख ने लड़ाकू विमानों की कमी और हर साल भारत में कम से कम 35-40 सैन्य विमानों के निर्माण की जरूरत बताई थी। उन्होंने कहा था कि भारत के हवाई बेड़े को यह जरूरत अगले 5-10 वर्षों में मौजूदा बेड़े को चरणबद्ध तरीके से हटाए जाने के बाद पैदा होने वाली कमियों को भी पूरा करने के लिए है।

### वर्ल्ड फेमस

अमेरिका कुछ हिस्सों में लोगों को कठोर मौसम का सामना करना पड़ सकता है। मिशिगन ऊपरी प्रायद्वीप में बर्फीले तूफान की चेतावनी जारी की गई है। यहां भारी बर्फबारी के अलावा कुछ हिस्सों में बाढ़ भी आ सकती है। वहीं, टेक्सास के डलास-फोर्ट वर्थ मेट्रोप्लेक्स के लिए टॉरनेडो वॉच जारी की गई है।

# कोलकाता में है दुनिया का सबसे बड़ा बरगद का पेड़

**भारत में इंसान नहीं बल्कि एक पेड़ भी अपनी उम्र की वजह से वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। जी हां, कोलकाता द आचार्य जगदीश चंद्र बोस बॉटनिकल गार्डेन में बरगद का पेड़ है, जो 250 साल पुराना है। इस पेड़ को दुनिया का सबसे विशालकाय बरगद के पेड़ के रूप में जाना जाता है।**

आपने आजतक वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाते हुए इंसान को ही देखा होगा, या तो वो अपनी फिटनेस पर वर्ल्ड रिकॉर्ड बना रहे हैं या फिर अपनी कला की वजह से उन्हें वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाते हुए देखा जा रहा है, कुछ ऐसे भी हैं, जिनकी उम्र को लेकर भी वर्ल्ड रिकॉर्ड बने हैं। लेकिन भारत में इंसान नहीं बल्कि एक पेड़ भी अपनी उम्र की वजह से वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। जी हां, कोलकाता द आचार्य जगदीश चंद्र बोस बॉटनिकल गार्डेन में बरगद का पेड़ है, जो 250 साल पुराना है। इस पेड़ को दुनिया का सबसे विशालकाय बरगद के पेड़ के रूप में जाना जाता है।

कब लगाया गया था ये पेड़

ये विशाल बरगद का पेड़ कोलकाता के आचार्य जगदीश चंद्र बोस बॉटनिकल गार्डेन में स्थित है। 1787 में इस पेड़ को यही स्थापित किया गया था। उस दौरान इसकी उम्र करीबन 20 साल थी। पेड़ की इतनी जड़ें और बड़ी-बड़ी शाखाएं हैं, जिसकी वजह से ये हर किसी को देखने में ऐसा लगता है, जैसे कोई जंगल में आ गया हो। इस देखकर आप अंदाजा नहीं लगा सकते कि ये सिर्फ पेड़ है।

### इस एक पेड़ पर पक्षियों की 80 से ज्यादा प्रजातियां

14,500 वर्ग मीटर में फैला ये पेड़ करीबन 24 मीटर ऊंचा है। इसकी 3 हजार से अधिक जटाएं हैं, जो अब जड़ों में बदल चुकी हैं। इस वजह से भी इसे दुनिया का सबसे चौड़ा पेड़ या वॉकिंग ट्री भी कहते हैं। आपको जानकार शायद हैरानी हो इस पेड़ पर पक्षियों की 80 से अधिक प्रजातियां निवास करती हैं।

### तूफान की वजह से जड़ें हो गई थी बीमार

साल 1884 और 1925 में कोलकाता में आए चक्रवाती तूफानों ने बरगद के पेड़ को काफी नुकसान पहुंचाया था। इस वजह से शाखाओं में फंफूदी लग गई थी, जिस वजह से उन्हें काटना पड़ गया था। आज बॉटनिकल गार्डन में यही एक बड़ा पेड़ है, हालांकि दुनियाभर से लाए गए सैकड़ों अन्य विदेशी पौधों की प्रजातियां आपको इस पार्क में दिख जाएंगी।

### पेड़ की देखरेख के लिए बनाई गई है एक टीम

वर्ष 1987 में भारत सरकार ने इस बड़े से बरगद के सम्मान में डाक टिकट भी जारी किया था। इसे बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया का प्रतीक चिन्ह भी मानते हैं। पेड़ की देखरेख 13 लोगों की एक टीम द्वारा की जाती है, जिसमें आपको बॉटनिस्ट से लेकर माली तक हर कोई मिल जाएगा। समय-समय पर इस पेड़ की जांच भी की जाती है, ये देखने के लिए इसे किसी भी तरह का नुकसान तो नहीं पहुंच रहा।

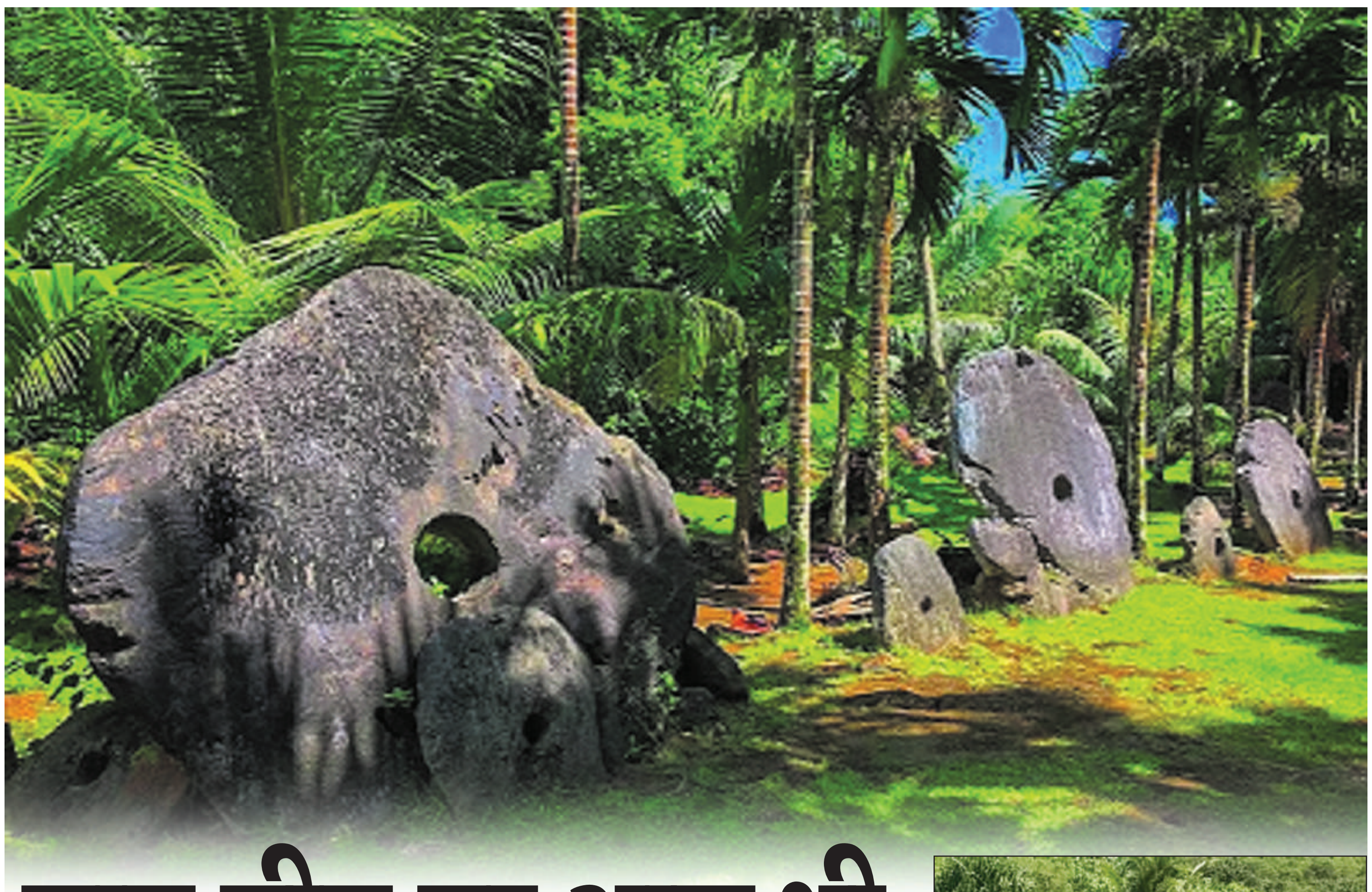

# याप द्वीप पर आज भी इस्तेमाल होते हैं पत्थर के सिक्के

**इंसान सदियों से करेंसी यानी मुद्रा का इस्तेमाल खरीद-फरोख्त और कारोबार के लिए करता आया है। एक दौर था जब महंगे रत्नों में कारोबार हुआ करता था। लोग मोती, कौड़ियां और दूसरे रत्न देकर चीजें खरीदा करते थे। फिर सिक्कों का चलन शुरू हुआ। सोने-चांदी, तांबे, कांसे और अल्यूमिनियम के सिक्के तमाम साम्राज्यों और सभ्यताओं में ढाले गए। सिक्कों के साथ ही नोटों का चलन भी शुरू हुआ। पर, क्या कभी आपने करेंसी के रूप में बड़े-बड़े पत्थरों के इस्तेमाल की बात सुनी है? नहीं न! तो, चलिए आज आप को ऐसी जगह की सैर पर ले चलते हैं, जहां की करेंसी पत्थर है और सदियों से ऐसा होता आ रहा है।**

इसके लिए आप को प्रशांत महासागर के माइक्रोनेशिया इलाके में जाना पड़ेगा। यहां पर बहुत छोटे-छोटे जजीरे आबाद हैं। इन्हीं में से एक द्वीप है याप। ये छोटी सी जगह है, जहां कुल मिलाकर 11 हजार लोग रहते हैं। मगर इसकी शोहरत ऐसी है कि 11वीं सदी में मिस्र के एक राजा के हवाले से याप का जिक्र मिलता है। इसी तरह मशहूर यूरोपीय यात्री मार्को पोलो ने तेरहवीं सदी में लिखी अपनी एक किताब में इसका जिक्र किया है। इन दोनों ही मिसालों में कहीं भी याप का नाम नही लिखा है। मगर दोनों साहित्यों में एक ऐसी जगह का जिक्र है, जहां की करेंसी पत्थर हुआ करती थी।

जब आप याप पहुंचेंगे, तो आपका सामना घने जंगलों, दलदले बागों और बेहद पुराने दौर के हालात से होगा। दिन भर में सिर्फ एक फ्लाइट है, जो याप के छोटे से हवाई अड्डे पर उतरती है। हवाई अड्डे से बाहर निकलते ही आप को कतार से लगे छोटे-बड़े ढले हुए पत्थर दिखेंगे। इनके बीच मे छेद होता है, ताकि इन्हें कहीं लाने-ले जाने में सहूलियत हो। पूरे यप द्वीप पर ऐसे छोटे-बड़े पत्थर जहां-तहां पड़े दिख जाते हैं।

याप द्वीप की मिट्टी दलदली है। यहां चट्टानें नहीं हैं। फिर भी पत्थर की इस करेंसी का चलन यहां सदियों से है। किसी को नहीं पता कि इसकी शुरुआत कब हुई थी। लेकिन, स्थानीय लोग बताते हैं कि आज से सैकड़ों साल पहले याप के बाशिंदे डोंगियों में बैठकर चार सौ किलोमीटर दूर स्थित पलाऊ द्वीप जाया करते थे। वहां से वो चट्टानें काटकर ये पत्थर तराशा करते थे। फिर

इन्हें नावों में लाद कर यहां याप लाया जाता था। इन्हें राई कहा जाता है। पिछली कई सदियों से इन पत्थरों को करेंसी के तौर पर इस्तेमाल किया जाता रहा है। पहले याप के आदिवासी इन पत्थरों को बड़े बेढंगे तरीके से काटकर यहां लाते थे। फिर हथियारों के विकास से पत्थरों को सुघड़ तरीके से ढालकर यहां लाया जाने लगा।

उन्नीसवीं सदी में जब याप पर स्पेन का कब्जा हो गया, तब भी यहां पर पत्थरों से कारोबार थमा नहीं। जब पलाऊ जाने वाले नाविक अपने साथ ढले हुए पत्थर लाते थे, तो वो इन्हें याप के बड़े सरदारों को सौंप देते थे। फिर वो सरदार इन पत्थरों को अपना या अपने परिवार के किसी सदस्य का नाम देकर लाने वाले को सौंप देते थे। पांच में से दो पत्थर ये सरदार खुद शुरुआत में पत्थरों की कीमत सीपियों की संख्या से तय होती थी क्योंकि पत्थरों से पहले सीपी को करेंसी के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था। जैसे एक पत्थर के बदले पचास सीपी दी जाती थीं। आज फुटकर करेंसी के तौर पर याप में अमेरिकी डॉलर का इस्तेमाल होता है। लेकिन, इन पत्थरों की याप समाज में अपनी अहमियत बरकरार है। आज हर पत्थर का इतिहास है। उससे जुड़ा कोई न कोई किस्सा है। किसी भी परिवार के पास ये करेंसी होना बहुत सम्मान की बात मानी जाती

है। आज इन पत्थरों की करेंसी का इस्तेमाल रोजाना के लेन-देन में नहीं होता। बल्कि समाज में इसे कभी माफीनामे और कभी शादी-संबंध को मजबूत करने के लिए दिया जाता है। पत्थर के इन सिक्कों का आकार सात सेंटीमीटर से लेकर 3.6 मीटर तक होता है। इन सिक्कों का मोल इस बात पर निर्भर करता है कि वो किस काम में इस्तेमाल होता है और किसको दिया जाता है। कबीले के सरदार, आने वाली नस्लों को पत्थर के हर सिक्के का इतिहास बताते हैं।

यहां पिछले 200 सालों से पत्थर की इन करेंसी का इतिहास आने वाली नस्लों को जबानी याद कराया जा रहा है। अब पत्थर के इन सिक्कों को एक म्यूजियम में रखा गया है। जहां टूटे-फूटे पत्थर की इन करेंसी का भी इतिहास दर्ज किया गया है। ये किस गांव के हैं, इनका किस परिवार से नाता है।

अब भी कुछ नए पत्थर के सिक्के ढाले जा रहे हैं। मगर अब इनकी तादाद बहुत कम हो गई है। दिलचस्प बात ये है कि इन बहुमूल्य सिक्कों को चुराए जाने का डर नहीं है। जैसा कि नोटों या सिक्कों के साथ हो सकता है। ये इतने बड़े हैं और सब को इनके बारे में मालूम है, तो कोई इन्हें चुराकर ले भी कहां जा सकता है। आज पत्थर की ये करेंसी पीढ़ी दर पीढ़ी विरासत के तौर पर नई नस्ल को सौंपी जा रही है।

# पर्यावरण प्रेमी चिड़िया मोरगला पतेना

**पर्यावरण प्रेमी मोरगला पतेना या वर्डिटर फ्लाईकैचर उन पंछियों में से एक हैं जो पूरे भारत-वर्ष में पाई जाती हैं। ये पंछी हर साल सर्दियों में हिमालय की गोद से निकल कर दक्षिण भारत चले जाते हैं और फिर गर्मियां आते ही लौट आते हैं। आइए जानते हैं इसके बारे में कुछ खास बातें।**

### ऊंची डाली पर ही बैठती है

गहरे नीले रंग के पंखों से लदी यह चिड़िया अक्सर हवा में उड़ती हुई नीली गेंद की तरह प्रतीत होती है। आंख के पास काले भाग और स्लेटी-वेंट को छोड़कर, वयस्क नर पक्षी का शरीर गहरे नीले रंग का होता है। अक्सर यह पंछी ऊंची डाली और पेड़ की शीर्ष शाखाओं पर बैठे हुए दिख जाते हैं।

### भारत में बसना है पसंद

शीत ऋतु के शुरू होते ही यह पंछी भारत के उत्तरी इलाकों से निकल कर दक्षिण की ओर रवाना हो जाते हैं। उत्तर में दिल्ली, पंजाब से लेकर, दक्षिण में केरल, तमिलनाडु, गुजरात से बंगाल तक सब जगह इस पछी को देखा जा चुका है। इनके खूबसूरत नीले रंगों का हर एक प्रकृति प्रेमी दीवाना है। यह कप के आकार का घोंसला बनाते हैं और इनके अंडों का रंग सफेद होता है, जिनके कुंद-अंत पर भूरे रंग के धब्बे होते हैं। मादा पंछी एक बार में 3 से 5 अंडे तक दे सकती है।

### खुराक में खाते हैं कीड़े-मकोड़े

पक्षी की कीड़े-मकोडे इनकी खुराक का मुख्य हिस्सा होते हैं। ये पंछी अक्सर उड़ते हुए कीड़े-इत्यादि को हवा में ही पकड़ कर खाते हैं। इस प्रजाति की संख्या काफी ज्यादा हैं. जिसकी वजह से इस प्रजाति को अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) लाल सूची के अनुसार खतरे से बाहर वाली श्रेणी में रखा गया है। इनकी औसत उम्र 9 साल तक हो सकती हैं।

# भारत के इस रहस्यमय किले में छुपा है गहरा राज

भारत में ऐसे कई रहस्यमय किले मौजूद हैं, जो बाहर से देखने पर तो काफी खूबसूरत लगते हैं, लेकिन वो अपने अंदर कुछ राज समेटे हुए हैं। एक ऐसा ही रहस्यमय किला है बुंदेलखंड प्रांत में, जिसे कालिंजर के किले के नाम से जाना जाता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि बुदेंलखंड प्रांत उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश दोनों राज्यों में बंटा हुआ है। इस प्रांत के अंदर आने वाले कुछ जिले उत्तर प्रदेश में पड़ते हैं तो कुछ मध्य प्रदेश में पड़ते हैं। वैसे कालिंजर यूपी के बांदा जिले में स्थित है।

कालिंजर का किला भारत के सबसे विशाल और अपराजेय दुर्गों में गिना जाता रहा है। प्राचीन काल में यह दुर्ग जेजाकभुक्ति (जयशक्ति चन्देल) साम्राज्य के आधीन था। बाद में यह 10वीं शताब्दी तक चन्देल राजपूतों के आधीन और फिर रीवा के सोलंकियों के आधीन रहा। इन राजाओं के शासनकाल में कालिंजर पर महमूद गजनवी, कुतुबुद्दीन ऐबक, शेर शाह सूरी और हुमांयू जैसे योद्धाओं ने आक्रमण किए, लेकिन इस पर विजय पाने में असफल रहे। कालिंजर विजय अभियान में ही तोप का गोला लगने से शेरशाह की मृत्यु हो गई थी। बाद में मुगल बादशाह अकबर ने इस पर अधिकार कर लिया और किले बीरबल को तोहफे में दे दिया। इस किले में कई प्राचीन मंदिर भी हैं। इनमें से कई मंदिर तीसरी से पांचवीं सदी यानी गुप्तकाल के हैं। यहां के शिव मंदिर के बारे में मान्यता है कि सागर-मंथन से निकले विष को पीने के बाद भगवान शिव ने यहीं तपस्या कर उसकी ज्वाला शांत की थी। यहां स्थित नीलकंठ मंदिर को कालिंजर के प्रांगण में सबसे ज्यादा महत्त्वपूर्ण और पूज्यनीय माना गया है। कहते हैं कि इसका निर्माण नागों ने कराया था। इस मंदिर का जिक्र पुराणों में भी है। इस मंदिर में एक शिवलिंग स्थापित है, जिसे बेहद प्राचीनतम माना गया है। नीलकंठ मंदिर के ऊपर ही जल का एक प्राकृतिक स्रोत है, जो कभी सूखता नहीं है। इसी जल से मंदिर में मौजूद शिवलिंग का अभिषेक निरंतर प्राकृतिक तरीके से होता रहता है। वैसे बुंदेलखंड का यह इलाका सूखे के कारण जाना जाता है, लेकिन यहां कितना भी सूखा पड़े, जल का यह स्रोत कभी नहीं सूखता है। कहते हैं कि कालिंजर के किले में कई रहस्यमयी छोटी-बड़ी गुफाएं भी मौजूद हैं। इन गुफाओं के रास्तों की शुरुआत तो किले से ही

जमीन से 800 फीट की ऊंची पहाड़ी पर बना कालिंजर का यह किला जितना शांत है, उतना ही खौफनाक भी। कहते हैं कि रात होते ही यहां एक अजीब सी हलचल पैदा हो जाती है। लोगों का मानना है कि यहां मौजूद रानी महल से रात को अक्सर घुंघरुओं की आवाज सुनाई देती है। यही वजह है कि यहां दिन के समय तो लोग घूमने के लिए आते हैं, लेकिन रात होने से पहले ही वो यहां से निकल जाते हैं। इस किले में प्रवेश के लिए सात दरवाजे बने हुए हैं और ये सभी दरवाजे एक दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। यहां के स्तंभों और दीवारों में कई प्रतिलिपियां बनी हुई हैं। मान्यता है कि प्रतिलिपियों में यहां मौजूद खजाने का रहस्य छुपा हुआ है, जिसे अब तक कोई भी ढूंढ नहीं पाया है। इस किले में सीता सेज नामक एक छोटी सी गुफा है, जहां एक पत्थर का पलंग और तकिया रखा हुआ है। माना जाता है कि यह जगह माता सीता की विश्रामस्थली थी। यहीं एक कुंड भी है, जो सीताकुंड कहलाता है। किले में बुड्ढा और बुड्ढी नामक दो ताल हैं, जिसके जल को औषधीय गुणों से भरपूर माना जाता है। मान्यता है कि इनका जल चर्म रोगों के लिए लाभदायक है और इसमें स्नान करने से कुष्ठ रोग भी ठीक हो जाता है।

# गोदना के रूप में टैटूज भारत की अतिप्राचीन परंपरा : डॉ अमरदीप

- एसबीजेड टैटूज के दूसरे ब्रांच का उद्घाटन
- पिछले नौ वर्षों से भटवारी में सफलतापूर्वक संचालित है पहली शाखा

वर्ल्ड वाइज न्यूज

**हजारीबाग।** मार्खम कालेज के निकट बतौर मुख्य अतिथि भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष डॉ अमरदीप यादव ने एसबीजेड टैटूज के दूसरे ब्रांच का उद्घाटन फीता काटकर किया। उद्घाटन के दौरान उन्होंने कहा कि टैटू बनाने का इतिहास नवपाषाण काल से चला आ रहा है, जिसे दुनिया भर में कई संस्कृतियों द्वारा अपनाया जाता है। भारत में गोदना (टैटू) बनाने की कला कई स्थानों पर पारंपरिक रूप से सांस्कृतिक, सामाजिक, धार्मिक और आध्यात्मिक मान्यताओं से जुड़ी है। प्राचीन काल में टैटू सुरक्षा, संस्कार और आध्यात्मिक पहचान का प्रतीक थे, आधुनिक समय में यह कलात्मक पहचान, फैशन और शौक बन गया है। खासकर शहरी क्षेत्रों में, जहां कई टैटू कलाकारों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। एसबीजेड टैटू प्रतिष्ठान के संचालक सोनू वर्णवाल ने उपस्थित मीडियाकर्मियों और अन्य लोगों को बताया कि टैटू एक तरह का शरीर के अंगों में विशेष चिह्न लगाने की क्रिया है, जिसमें टैटू की स्याही, रंग और/या पिगमेंट को त्वचा की डर्मिस परत में डालकर डिज़ाइन बनाया जाता है। टैटू पहले स्थाई होता था अब नई तकनीक से यह स्थाई और अस्थाई दोनों तरह के बनाए जाते हैं। यहां पुराने अस्थाई टैटू हटाए भी जाते हैं। टैटू कलाकार कई टैटू तकनीकों का उपयोग करके अलग अलग डिज़ाइनों को बनाते हैं , जिसमें हाथ से टैप किए गए पारंपरिक टैटू और आधुनिक टैटू मशीनें शामिल हैं। पहला स्टूडियो मटवारी में पिछले नौ वर्षों से सफलतापूर्वक चल रहा है। बढ़ती मांग के कारण यह दूसरा ब्रांच खोला गया है। पूजन करने के बाद ब्रांच का उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि डॉ अमरदीप को संचालक सोनू वर्णवाल ने माला पहनाकर और श्रीमद्भागवत गीता देकर स्वागत किया। उद्घाटन के दौरान पंकज मेहता, चंदन कुमार यादव, उदय पासवान, कृष्ण गुप्ता, कमलेश कुमार राय, दीपक यादव, राजा गुप्ता, विनीत मोदी, वीरेंद्र पासवान, प्रदीप

पासवान, संतोष कुमार यादव, दीपक वर्णवाल, नितेश कुमार, भास्कर दुबे सहित युवा लोग उपस्थित थे।

# उपायुक्त का लगा जनता दरबार, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे फरियादी

## आमजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान के दिये गये निर्देश

वर्ल्ड वाइज न्यूज

**हजारीबाग।** समाहरणालय सभागार में मंगलवार को साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। उपायुक्त नैंसी सहाय ने आमजनों की समस्याओं को सुना तथा इसके त्वरित समाधान के निदेश संबंधित अधिकारियों को दिया। इस अवसर पर लगभग एक दर्जन फरियादियों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन समर्पित किये। इस अवसर पर शहरी सहित विभिन्न प्रखंड से आये आवेदकों ने एलपीसी निर्गत, भूमि विवाद, पीडीएस दुकान, दाखिल खारिज, अनुकम्पा पर नौकरी, दिव्यांग लाभ, जबरन गुमटी हटाने आदि से संबंधित आवेदन देकर समाधान की मांग की।

गाली-गलौज एवं धमकी से राहत दिलाने की मांग बरही धाबी टोला के सिकन्दर साव ने कुछ लोगों की ओर से जबरन गुमटी हटाने गाली-गलौज एवं धमकी देने के संबंध में आवेदन देकर राहत की मांग की। इस पर उपायुक्त ने तत्काल संबंधित पदाधिकारी को प्रेषित करते हुए जांच एवं कार्रवाई का निर्देश दिया। वहीं दारू प्रखंड की जरीना खातून ने एलपीसी निर्गत करने, चेतलाल यादव विष्णुगढ़ ने भूमि अतिक्रमण, मार्खम कॉलेज हनुमान नगर के सीता राम गुप्ता ने पीडीएस दुकान पुत्र के नाम करने, नेहा कुमारी ने अनुकम्पा के आधार पर नौकरी, चौपारण के कैलाश प्रसाद दाखिल खारिज, सरैया पदमा की रिंकी देवी ने कस्तूरबा गांधी स्कूल पदमा में रसाईया के पद में योगदान देने, परसी इचाक के सुनील बैध ने बंदोबस्त कार्यालय से भूमि संबंधी दस्तावेज दिखाने आदि से संबंधित आवेदन देकर इसके समाधान का अनुरोध किया। मौके पर आये सभी आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को भेजते हुए जांचोपरांत त्वरित करने का निर्देश दिया गया।

# सद्भाव का संदेश देता है हर धर्म : खतियानी परिवार

## जंगलों को उजाड़ने का विरोध, वन समितियों को अधिकार सौंपने की मांग

**वर्ल्ड वाइज न्यूज हजारीबाग।** खतियानी परिवार की साप्ताहिक बैठक शनिवार को पुराने धरना स्थल के नजदीक अशोक राम की अध्यक्षता में की गई। बैठक में दुःख के साथ यह बात करनी पड़ी कि धार्मिक उन्माद पैदा करने वाले कभी भी धार्मिक नहीं हो सकते हैं, क्योंकि पैगंबर, श्री राम, श्रीकृष्ण और भगवान शंकर सब ने दुनिया को एक संदेश दिया है कि आदमी और आदमी के बीच भेदभाव नहीं होना चाहिए। सदभाव और प्रेम को सभी धर्मों ने एक स्वर में स्वीकार किया है। खतियानी परिवार ऐसे लोगों के प्रति जो धार्मिक उन्माद पैदा करना चाहते हैं, उनका भरपूर विरोध करता है। वहीं जंगलों को ले डूबने वाले वन विभाग ने माफियाओं के साथ मिलकर कटाई-छटाई धड़ल्ले से कर रहा है। वन विभाग के पदाधिकारी साधु बनकर बैठे हुए हैं कि मैं कुछ नहीं जानता। यहां तक कि जंगलों की साफ-सफाई करके नशीली खेती किया जाना आम बात है। जैसे अफीम की खेती, पोस्ता की खेती, गांजा की खेती, साग-सब्जी को लगवाना यह काम वन विभाग द्वारा ही किया जा रहा है। इसका दोषी कौन है, वन विभाग या जनप्रतिनिधि। जंगलों में रहने वाले जंगली जानवर का आशियाना छीना जा रहा है। बेचारे जंगली जानवर, पक्षी आदि विलुप्त होते जा रहे हैं। हाथी सीधे देहात और शहर की ओर कुछ कर रहे हैं। कहीं आदमियों को जान से मार रहे हैं, तो कहीं घर-द्वार को धंसा दे रहे हैं. यह इतना क्रोधित हो चुके हैं कि इसके सामने सरकार बेबस है। खतियानी परिवार यह मांग करता है कि वन विभाग को बंद कर दिया जाए और गांव में बनी वन समितियां को सीधे यह अधिकार सौंप दिया जाना चाहिए।

बैठक में मो. हकीम, किस्टु प्रसाद, बोधी साव, मो. फखरुद्दीन, महेश विश्वकर्मा, मोहम्मद आशिक, प्रदीप कुमार मेहता, विजय मिश्रा, सुरेश महतो, शंभू ठाकुर, अमर कुमार व अन्य लोग उपस्थित थे।

# घोर निराशाजनक बजट, चुनावी वादे पर नहीं किया कोई अमल : मनीष जायसवाल

**वर्ल्ड वाइज न्यूज हजारीबाग।** सोमवार को झारखण्ड सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 का एक लाख 45 हजार 400 करोड़ रुपए का बजट हुआ पेश। बजट झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने पेश किया। इस बजट को घोर निराशाजनक बजट बताते हुए हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि यह बजट अबुआ सरकार का राग अलापने वाली गठबंधन सरकार का झारखंड की जनता को बबुआ बनाने वाला बजट है और इस बजट से झारखंडियों का कोई भला नहीं होना वाला है। उन्होंने कहा कि गठबंधन की हेमंत सरकार जिस चुनावी वादे के साथ सरकार में आई थी उससे झारखंड की जनता में इस बजट को लेकर एक आस जगी थी और लोगों को उम्मीद था कि बजट में चुनावी घोषणा पर सरकार अमल करेगी लेकिन इस बजट में बेरोजगार युवाओं के सपने को चकनाचूर कर दिया। इस सरकार ने 10 लाख युवाओं को रोज़गार देने का वादा किया था। मईया सम्मान की बात कहकर सरकार ने जो बजट का प्रावधान इस योजना के लिए किया है उसमें राज्य की आधी महिलाओं को भी यह लाभ नहीं मिल पाएगा। ऐसे ही विकलांग पेंशन, विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन की राशि ढाई हजार करने की बात कहकर उनका भी बजट में कोई बढ़ाने का प्रावधान न करके उन्हें भी छला गया है। इस बजट से न तो झारखंड का कोई हित होगा और न ही झारखंडियों का ही कोई भला होगा। यह पूरी तरह दिशाहीन और झारखंड के हर वर्ग को ठगने वाला बजट है

# विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति ने किया औचक निरीक्षण

## अनुपस्थित कर्मचारियों को दी गई सख्त हिदायत

वर्ल्ड वाइज न्यूज

**हजारीबाग।** विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के कुलपति प्रोफेसर पवन कुमार पोद्दार ने मंगलवार की पूर्वाह्न प्रशासनिक भवन में अवस्थित विभिन्न विभागों एवं अनुभागों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कुछ जगह पर कर्मचारियों को अनुपस्थित पाया। अनुपस्थित कर्मचारियों के छुट्टी संबंधी आवेदन की उन्होंने खबर ली। कुलपति ने इस पर संज्ञान लेते हुए नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने ऐसे लोगों को हिदायत दी कि भविष्य में वह यदि समय का पालन नहीं करेंगे तो उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। ज्यादातर जगहों पर लोग कार्य करते हुए पाए गए। कुलपति ने ऐसे कर्मचारियों का उत्साह वर्धन किया। बाद में कुलपति ने एक पत्र जारी करते हुए सभी को समय का पालन करने के सख्त निर्देश दिए। कुलपति ने कहा कि निरीक्षण का दौर जारी रहेगा एवं अन्य भवनों एवं विभागों का भी निरीक्षण किया जाएगा।

# कुलपति ने की संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों के साथ बैठक

## नई शिक्षा नीति 2020 के तहत लागू चार वर्षी अंडरग्रैजुएट प्रोग्राम के पांचवें समसत्र में प्रोजेक्ट या डिसर्टेशन के विषय पर चर्चा

वर्ल्ड वाइज न्यूज

**हजारीबाग।** नई शिक्षा नीति 2020 के तहत लागू चार वर्षी अंडरग्रैजुएट प्रोग्राम के पांचवें समसत्र में प्रोजेक्ट या डिसर्टेशन के विषय पर चर्चा के लिए मंगलवार को कुलपति ने संकायअध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों के साथ बैठक की। इस बैठक में एक समिति बनाई गई, जो इस पर विस्तृत प्रतिवेदन तैयार करेगा।। उस समिति में नोडल पदाधिकारी डॉ इंद्रजीत कुमार, विज्ञान के संकायअध्यक्ष डॉ एच एन सिन्हा, समाज विज्ञान संकाय के अध्यक्ष डॉ सादिक रज्जाक, मानविकी के संकायअध्यक्ष प्रोफेसर मिथिलेश कुमार सिंह एवं वाणिज्य के संकायअध्यक्ष डॉ सुनील कुमार अग्रवाल के साथ डॉ सुकल्याण मोइत्रा एवं वनस्पति विभाग के अध्यक्ष डॉ अविनाश कुमार को शामिल किया गया। उप समिति को जल्द से जल्द प्रतिवेदन तैयार करके प्रस्तुत करने को कहा गया।

# एसीबी ने रिश्वत लेते कंप्यूटर ऑपरेटर को किया गिरफ्तार

वर्ल्ड वाइज न्यूज

**चतरा ।** चतरा जिले के सिमरिया अनुमंडल कार्यालय से एसीबी की टीम ने घूस लेते कंप्यूटर ऑपरेटर को गिरफ्तार किया है। सिमरिया एसडीओ के गोपनीय कार्यालय में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर आफताब अंसारी की गिरफ्तारी हुई है। उसे दस हजार रूपये रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया है। अनुमंडल कार्यालय परिसर से भ्रष्टाचार निरोधक दस्ते ने अभियान चलाकर ऑपरेटर को घूस की रकम के साथ गिरफ्तार किया है। सिमरिया प्रखंड के शिला गांव निवासी अनिल कुमार से लंबित भूमि वाद के मामले में उसके पक्ष में फैसला दिलाने के नाम पर 40 हजार रुपये की मांग की थी। पीड़ित ने इसकी जानकारी एसीबी को दी थी। एसीबी ने जांच पड़ताल के बाद मामले को सही पाया। इसके बाद एसीबी टीम ने पहली किस्त के रूप में 10 हजार लेने के क्रम में कंप्यूटर ऑपरेटर को गिरफ्तार कर लिया । आफताब सिमरिया ब्लॉक के पुंडरा गांव निवासी बताया जा रहा है। गिरफ्तारी के बाद आफताब को एसीबी हजारीबाग ले गई है। एसीबी एसपी आरिफ इकराम ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

# डीवीसी को तीन भागों में बांट कर बेचना चाहती है केंद्र सरकार : अभिजीत

- डीवीसी श्रमिक यूनियन (सीआईटीयू की हजारीबाग यूनिट का 12 वां सम्मेलन
- हरेंद्र सरकार को अध्यक्ष और
- विजय कुमार चौधरी को चुना गया सचिव

वर्ल्ड वाइज न्यूज

**हजारीबाग।** डीवीसी श्रमिक यूनियन (सी आईटीयू ) की हजारीबाग यूनिट का 12 वां सम्मेलन संपन्न हो गया। सम्मेलन की अध्यक्षता हरेंद्र सरकार ने की। सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए यूनियन के अखिल भारतीय महासचिव अभिजीत राय ने कहा कि डीवीसी को ट्रांसमिशन, डिस्ट्रीब्यूशन और जनरेशन के नाम पर तीन भागों में बांट कर केंद्र सरकार इसे नीजि हाथों में देना चाहती है ताकि डीवीसी अपने लक्ष्य से भटक जाए। डीवीसी की स्थापना के पीछे यह उद्देश्य था कि इस इलाके में बाढ़ को नियंत्रित करना, सिंचाई व्यवस्था किसानों को देना और दामोदर नदी के इलाके के आसपास रहने वाले लोगों का आर्थिक, शैक्षणिक और सामाजिक स्थिति में सूधार करना था। इसके ललिए डीवीसी ने " सोशल इंटीग्रेशन प्रोग्राम " बनाया था लेकिन यह सब भूलकर डीवीसी अब सिर्फ बिजली बेचकर व्यापार कर रही है। डीवीसी में काम करने वाले मजदूर को अपने क्वार्टर में स्मार्ट मीटर लगाना अनिवार्य कर दिया है जिससे डीवीसी मजदूरों को काफी नुकसान होगा। 2013 के बाद से लेकर आज तक एक भी कर्मचारियों की बहाली नहीं हुई है, लेकिन समय-समय पर अधिकारियों की बहाली होते रही है। सीआईटीयू हजारीबाग के जिला उपाध्यक्ष गणेश कुमार सीटू ने कहा कि केंद्र सरकार न सिर्फ डीबीसी बल्कि केंद्र के तमाम सार्वजनिक कंपनियों को एक-एक कर बेचना चाहती है जिससे देश की अर्थव्यवस्था कमजोर हो जाएगी। केंद्र सरकार द्वारा बनाया गया चार श्रम संहिता देश के मजदूरों के लिए खतरनाक है इसलिए इसके खिलाफ चल रहा संघर्ष को और तेज करना होगा। सम्मेलन में यूनिट सेक्रेटरी विजय कुमार चौधरी ने 3 वर्ष का रिपोर्ट और आय-व्यय को पेश किया जिस पर गोला, कोनार, रामगढ़, बरही और हजारीबाग के प्रतिनिधियों ने बहस कर सेक्रेटरी रिपोर्ट और आय व्यय को सर्वसम्मति से पास किया। सम्मेलन के समापन वक्तव्य देते हुए डीवीसी श्रमिक यूनियन की पुराने नेत्री कविता सरकार ने कहा कि अभी डीबीसी को बचाना मुख्य कार्य है डीवीसी बचेगा तभी डीवीसी में काम करने वाले श्रमिकों के मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए आंदोलन किया जाएगा। सम्मेलन में मुख्य रूप से लाल बहादुर शास्त्री, राम सिंह डोंगू, दिगंबर प्रसाद, संतोष रजवार, सुधीर कुमार, जयराम खालको, प्रदीप मंडल धीरज कुमार और चांद दीदी उपस्थित थीं। सम्मेलन में हजारीबाग यूनिट के लिए सर्वसम्मति से विजय कुमार चौधरी को सचिव और हरेंद्र सरकार को अध्यक्ष चुना गया।

# बजट की राशि शत प्रतिशत योजना मद में खर्च करना ही विकास का पैमाना : नायक

वर्ल्ड वाइज न्यूज

**रांची।** राज्य में सिर्फ बजट का आकार बढ़ाना राज्य के विकास का पैमाना नहीं, बल्कि सम्पूर्ण बजट की राशि शत प्रतिशत योजना मद में खर्च करना ही विकास का पैमाना है। यह बात आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने वितिय वर्ष 2025-2026 के बजट पेश करने पर अपनी प्रतिक्रिया में कही। उन्होंने यह भी कहा कि बजट की राशि का आकार बढ़ाना अच्छी बात है, मगर बजट की राशि शत प्रतिशत खास कर योजनामद की राशि खर्च नहीं होना राज्य के लिए शुभ नहीं है। इसलिए सरकार इस पर विशेष फोकस करे और शत प्रतिशत

बजटीय राशि खर्च हो, इसके लिए विशेष कार्य योजना तैयार करे। श्री नायक ने आगे कहा कि राज्य सरकार के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर द्वारा वार्षिक बजट 1,45,400 करोड़ रुपए पेश करने का स्वागत किया है। यह बजट राज्यहित में ऐतिहासिक क्रांति लायेगी जब सम्पूर्ण योजनामद की राशि खर्च होगी। उन्होनें यह भी कहा कि कहा कि वित्त मंत्री ने विकास दर में बढ़ावा हो, इसके लिए सभी विभागों को प्राथमिकता दिया है। सामान्य क्षेत्र, सामाजिक क्षेत्र एवं आर्थिक क्षेत्र के साथ-साथ मईया सम्मान योजना, ग्रामीण विकास, खेलकूद में काफी फोकस किया गया है, जो निश्चित रूप से भविष्य मे यह बजट लोगों के लिए जनकल्याणकरी साबित होगा और भविष्य में राज्य का विकास दर तेजी से बढ़ेगा। ऐतिहासिक बजट के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विजन और वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर की ओर से जनहित का बजट पेश किए जाने पर दोनों बधाई के पात्र हैं।

# अबुआ सरकार का बबुआ बजट, ठगा महसूस कर रहे हैं बेरोजगार युवा : रंजन चौधरी

वर्ल्ड वाइज न्यूज

**हजारीबाग।** झारखंड के हेमंत सरकार के लगातार दूसरे कार्यकाल के पहले बजट से झारखंडवासियों को काफी आशाएं थीं। लेकिन सोमवार को झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने झारखंड विधानसभा में झारखंड सरकार के साल 2025-26 के लिए जब बजट पेश किया तो झारखंडियों को खुद पर ठगा महसूस होने लगा। झारखंड के बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने बताया कि यह अबुआ सरकार का बबुआ बजट है जो दिशाहीन एवं आधारहीन है। इसमें सिर्फ़ और सिर्फ़ जुमलेबाजी करके झारखंडियों को ठगा गया है। रंजन चौधरी ने बताया कि चुनाव के पूर्व झारखंड की गठबंधन की सरकार ने जो वादे राज्य के बेरोजगार युवाओं से किए थे, उस दिशा में पहल नहीं करके युवाओं को ठगा गया है। 10 लाख बेरोजगार युवाओं को नौकरी देने का इनका वादा अब वादा ही रह जाएगा ऐसा इस बजट से प्रतीत हो रहा है। महिला, किसानो, युवा और निम्न वर्ग से लेकर मध्यम वर्ग और उच्च किसी को भी इस बजट से राहत मिलता प्रतीत नहीं हो रहा है। रंजन चौधरी ने बताया कि झारखंड में गठबंधन की हेमंत सरकार की अपने पहले कार्यकाल में घोषणाओं पर अमल नहीं करके राज्य वासियों को ठगने के बाद दोबारा मुंगेरी लाल के हसीन सपने दिखाकर सत्ता में तो आई लेकिन दूसरे कार्यकाल के अपने पहले बजट में भी झारखंड वासियों को निराश करके अपने मंसूबे को जता दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि इस बजट से सबसे अधिक ठगा हुआ झारखंड के बेरोजगार युवा महसूस कर रहे हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### झारखंड में दो-तीन डिग्री और गिरेगा तापमान

**रांची** । झारखंड के विभिन्न जिलों में अगले दो से तीन दिनों में तापमान में दो से तीन डिग्री की और गिरावट होगी। यह जानकारी मौसम वैज्ञानिक डॉ अभिषेक आनंद ने मंगलवार को दी है। उन्होंने बताया कि पिछले एक दिन में राज्य भर में तापमान में तीन से चार डिग्री की गिरावट हुई है। इसलिए अभी इसमें अभी और कमी होगी। डॉ आनंद ने बताया कि यह गिरावट उत्तर-पश्चिम दिशा में हुई बर्फबारी के चलते आनेवाली ठंडी हवाओं के कारण हो रही है। उन्होंने बताया कि तापमान में गिरावट सात-आठ मार्च तक रूकेगी। इसके बाद तापमान में वृद्धि होगी।

### जैन महिला जागृति का होली मिलन समारोह छह को

**रांची** । जैन महिला जागृति की ओर से छह मार्च को होली मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। मीडिया प्रभारी रोमा जैन मंगलवार को बताया कि कांटाटोली लालपुर स्थित ओएमजी टिंबर कैंपस में होली की ठिठौली नामक कार्यक्रम होगा। इसमें संस्था की सभी महिलाएं शामिल होंगी। कार्यक्रम में होली से संबंधित खेल का आयोजन किया जाएगा। साथ ही व्यंजन की व्यवस्था रहेगी। कार्यक्रम में ड्रेस कोड सफेद या गुलाबी रखा गया है।

### झारखंड विधानसभा : सरयू राय ने प्रदूषण का मामला उठाया

**रांची** । झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के छठे दिन मंगलवार को अल्पसूचित, तारांकिंक प्रश्न काल चला। शून्यकाल की भी सूचनाएं ली गयीं। जदयू विधायक सरयू राय ने बीपीएससीएल फ्लाई ऐश एवं प्रदूषण का मामला उठाया। इस पर प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने तीन सदस्यीय कमेटी से जांच कराने की घोषणा की। इससे पहले मंगलवार को 11 बजकर पांच मिनट पर सदन की कार्यवाही शुरू हुई।

### कई गांव मोबाइल सुविधा से वंचितः विधायक

**रांची चतरा**। दुनिया आज चांद और तारे पर आ जा रही है। जमाना मोबाइल टेक्नोलॉजी का है। लेकिन आज भी चतरा जिले के कई गांव मोबाइल कनेक्टिविटी से दूर हैं। 2G या 5G क्या होता है। कई गांव के लोग नहीं जानते हैं। मोबाइल चलाने के लिए उन्हें आज भी दूसरे गांवों के इर्द-गिर्द मंडराना पड़ता है। इसी दर्द को मंगलवार को सिमरिया विधायक उज्जवल कुमार दास ने सदन में साझा किया है। शून्य काल में उन्होंने झारखंड विधानसभा में यह मामला उठाया और कहा कि चतरा जिले के सिमरिया विधानसभा क्षेत्र के गिद्धौर और इटखोरी प्रखंड प्रखंड के पिंडारकोन, लोहड़ी, जमुआ, गड़के, सरहेता और चक्रवार जैसे गांव में आज भी मोबाइल नेटवर्क की सुविधा नहीं है। इस कारण हजारों ग्राम वासी किसी प्रकार का ऑनलाइन कार्य नहीं कर पा रहे हैं तथा सभी तरह के डिजिटल सेवाओं से भी वंचित हैं। उन्होंने सरकार का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया है और कहा है कि यहां मोबाइल कनेक्टिविटी शुरू होने से एक बड़ी आबादी को फायदा होगा।

### भाजपा ने सभी प्रखंडों में दिया धरना

**रांची चतरा**। चतरा जिले में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ भाजपा ने जिले के सभी प्रखंडों में एक दिवसीय धरना दिया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत मंगलवार को चतरा सदर प्रखंड कार्यालय परिसर में भाजपा के जिला अध्यक्ष रामदेव सिंह भोक्ता के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने एक दिवसीय धरना दिया और जिला प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। भाजपा जिला अध्यक्ष ने कहा कि चतरा जिले में भ्रष्टाचार चरम पर है। यहां सभी विभागों में लूट मची हुई है। ऐसे में अधिकारी सांसद पर अनर्गल बयान बाजी करने का आरोप लगाते हैं। उन्होंने कहा कि चतरा में कमीशन खोरी और लूट की आवाज उठाने पर सांसद कालीचरण सिंह के खिलाफ झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ के पदाधिकारी बयान बाजी करने लगे हैं और काला बिल्ला लगाकर सांसद का विरोध किया। ऐसे में भाजपा जिला प्रशासन के खिलाफ निरंतर आवाज उठा रही है। आज चतरा जिले के सभी प्रखंड कार्यालय परिसर में भाजपा के कार्यकर्ताओं ने एक दिवसीय धरना के माध्यम से चतरा जिले में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए आवाज उठाया है। उन्होंने कहा कि अधिकारी और सरकार भ्रष्टाचार को कम करने की दिशा में कार्य करें नहीं तो भाजपा आगे भी जोरदार आंदोलन करेगी।

### चौकीदार के रिक्त पदों पर सीधी नियुक्ति के लिए 182 अभ्यर्थी चयनित

**सात मार्च को चयनित अभ्यर्थियों को सौंपा जाएगा नियुक्ति पत्र**

**वर्ल्ड वाइज न्यूज हजारीबाग**। उपायुक्त नैंसी सहाय के अध्यक्षता में मंगलवार को चौकीदारी नियुक्ति समिति की बैठक आयोजित की गई। हजारीबाग जिला अंतर्गत चौकीदार के रिक्त पदों पर सीधी नियुक्ति के लिए नियुक्ति समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में कुल 182 अभ्यर्थियों का चयन चौकीदार के पद पर किया गया। उपायुक्त के निर्देशानुसार चयनित अभ्यर्थियों को सात मार्च की पूर्वाह्न 11:00 तक स्थानीय टाउन हॉल, हजारीबाग में उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे। चयनित अभ्यर्थियों को स्थानीय टाउन हॉल हजारीबाग में नियुक्ति पत्र प्रदान की जाएगी। बैठक में उपायुक्त नैंसी सहाय के अलावा सदर एसडीओ लोकेश बारंगे, डीएसपी अमित कुमार, बरही एसडीओ जोहन टुडू, सामान्य शाखा प्रभारी शमां उस्मानी, डीपीआरओ रोहित कुमार उपस्थित थे।

### ईडी के जवाब पर निलंबित आईएएस छवि रंजन को अपना प्रतिउत्तर देने का हाई कोर्ट का निर्देश

**रांची** । सेना की कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन की अवैध खरीद-बिक्री मामले में जेल में बंद निलंबित आईएएस अधिकारी छवि रंजन की ओर से अभियोजन स्वीकृति नहीं मिलने का हवाला देते हुए उनके खिलाफ दर्ज केस को निरस्त करने को लेकर दायर याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। मंगलवार को मामले में ईडी की जवाब के संदर्भ में प्रार्थी को प्रति उत्तर (रिप्लाई) देने के लिए दो सप्ताह का समय दिया गया है। साथ ही कोर्ट ने अंतिम बहस के लिए 19 मार्च की तिथि निर्धारित की है। इससे पूर्व छवि रंजन की ओर से कोर्ट को बताया गया कि किसी सरकारी अधिकारी के खिलाफ आपराधिक केस चलाने के लिए सीआरपीसी की धारा 197 के तहत अभियोजन स्वीकृति आदेश लेना जरूरी है, लेकिन ईडी की ओर से इस केस में ऐसा नहीं किया गया है, इसलिए उनके खिलाफ दर्ज केस को निरस्त किया जाए। बरियातू में सेना की जमीन के कागजात की हेराफेरी मामले में रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन को ईडी टीम ने 4 मई 2023 को गिरफ्तार किया था, उसी समय से वे जेल में है। उल्लेखनीय है कि मामले में ईडी ने छवि रंजन के खिलाफ ईसीआईआर 1/2023 दर्ज किया है। इसमें छवि रंजन, अमित कुमार अग्रवाल सहित 10 आरोपितों के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है। मामले में छवि रंजन एवं अन्य के खिलाफ आरोप भी गठित हो चुका है, लेकिन अभी ट्रायल शुरू नहीं हुआ है। जमीन खरीद बिक्री मामले को लेकर बरियातू थाना में अमित अग्रवाल, छवि रंजन आदि के खिलाफ कांड संख्या 141/2022 दर्ज किया गया था।इसके आधार पर ईडी ने मामला दर्ज किया।

# हजारीबाग सदर विधायक ने राज्य सरकार के बजट को बताया दिशाहीन

**यह बजट दिशाहीन और विफल है। सरकार ने युवा, महिलाओं और सुरक्षा जैसे अहम मुद्दों की अनदेखी कर जनता को फिर से छलने का काम किया है : प्रदीप प्रसाद**

वर्ल्ड वाइज न्यूज

**हजारीबाग**। भारतीय जनता पार्टी से हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने राज्य सरकार द्वारा पेश किए गए वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट को पूरी तरह विफल और दिशाहीन करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह बजट राज्य की जनता को भ्रमित करने और खोखले वादों से गुमराह करने वाला है। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा की यह बजट पूरी तरह से जमीनी सच्चाई से कटा हुआ है। इसमें ना तो राज्य के युवाओं के लिए कोई ठोस योजना है, न महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण पर ध्यान दिया गया है और न ही राज्य की कानून-व्यवस्था को सुधारने के लिए कोई ठोस नीति बनाई गई है। सरकार केवल आंकड़ों की बाजीगरी कर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर नहीं विधायक ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार ने बेरोजगारी दूर करने के लिए कोई ठोस नीति नहीं बनाई। राज्य के हजारों शिक्षित युवा रोजगार की तलाश में दर-दर भटक रहे हैं, लेकिन सरकार के बजट में उनके लिए कोई ठोस योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार की रोजगार सृजन योजनाएं केवल कागजों तक सीमित हैं और धरातल पर कुछ भी लागू नहीं किया जा रहा है। सरकार बार-बार नई योजनाओं की घोषणा करती है, लेकिन रोजगार सृजन के मामले में इसकी मंशा साफ नहीं दिखती। आज हजारों युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन सरकारी नौकरियों के दरवाजे उनके लिए बंद हैं। निजी क्षेत्रों में भी सरकार की उदासीनता के कारण निवेश नहीं हो रहा, जिससे बेरोजगारी की समस्या और गहराती जा रही है। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि राज्य में महिला सुरक्षा की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं, लेकिन सरकार का इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के नाम पर केवल योजनाओं की घोषणाएं की जाती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर उनका कोई असर नहीं दिखता। महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार को ठोस नीति बनानी चाहिए थी, लेकिन बजट में इस दिशा में कोई ठोस प्रावधान नहीं किया गया है। महिलाओं को रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए जिस प्रकार की योजनाओं की जरूरत है, वह इस बजट में नहीं दिखती। विधायक ने कहा कि राज्य में अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन बजट में कानून-व्यवस्था सुधारने के लिए कोई ठोस पहल नहीं की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में लूट, हत्या, बलात्कार और भ्रष्टाचार की घटनाएं चरम पर हैं, लेकिन सरकार इससे आंख मूंदे बैठी है। जनता को फिर से पहनाई गई टोपी विधायक ने कहा कि सरकार ने इस बजट में सिर्फ घोषणाओं और दावों की झड़ी लगाई है, लेकिन हकीकत में जनता के लिए इसमें कुछ भी नहीं है। पिछले वर्षों में भी सरकार ने कई लोकलुभावन योजनाओं की घोषणा की थी, लेकिन उन योजनाओं का लाभ किसी को नहीं मिला। अब फिर से नए वादों के साथ जनता को गुमराह किया जा रहा है। यह बजट सिर्फ दिखावे और प्रचार के लिए बनाया गया है, जो जनता के हितों को पूरी तरह नजरअंदाज करता है। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि भाजपा इस जनविरोधी बजट का पुरजोर विरोध करेगी और सरकार की नाकामियों को जनता के सामने लाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा जनता के हक की लड़ाई लड़ती रहेगी और सरकार की विफलताओं को सदन से लेकर सड़क तक उठाएगी। हम इस जनविरोधी बजट को स्वीकार नहीं करेंगे। भाजपा जनता के हक के लिए लड़ाई जारी रखेगी और सरकार से जवाब मांगेगी। अगर सरकार ने अपनी नीतियों में सुधार नहीं किया, तो भाजपा बड़े आंदोलन के लिए तैयार है।

## झारखंड के 35,000 वकीलों को बुनियादी सुविधाएं और सामाजिक सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए सरकार : प्रदीप प्रसाद

**हजारीबाग सदर विधायक ने सदन में वकीलों की समस्याओं को लेकर सरकार से की ठोस कदम उठाने की मांग**

वर्ल्ड वाइज न्यूज

**रांची**। हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने झारखंड विधानसभा के सत्र के दौरान राज्यभर के वकीलों की समस्याओं को गंभीरता से उठाया। उन्होंने कहा कि झारखंड में 36 बार एसोसिएशन कार्यरत हैं, जिनमें लगभग 35,000 से अधिक वकील न्यायिक प्रक्रिया में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इन वकीलों का योगदान प्रशासनिक व न्यायिक तंत्र को सुचारू रूप से चलाने में अतुलनीय है, लेकिन इनके कार्यस्थलों पर मूलभूत सुविधाओं का भारी अभाव है। विधायक प्रदीप प्रसाद ने सदन में इस ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि झारखंड राज्य के अधिकांश बार एसोसिएशन परिसरों में आधारभूत संरचना और आधुनिक सुविधाओं की भारी कमी है। उन्होंने कहा कि न्याय प्रक्रिया में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले वकीलों को अपने कार्यस्थल पर बुनियादी सुविधाएँ तक उपलब्ध नहीं हैं, जिससे उनके कार्य में बाधा उत्पन्न होती है। उन्होंने बताया कि कई बार एसोसिएशन परिसरों में पेयजल, शौचालय, वाई-फाई, पुस्तकालय, वातानुकूलित सुविधाएं बैठने की उचित व्यवस्था, सुरक्षा एवं पार्किंग जैसी जरूरी सुविधाएं नहीं हैं। इसके अलावा, कई बार एसोसिएशनों में वकीलों के लिए चैंबर तक की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है, जिससे उन्हें असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। प्रदीप प्रसाद ने सदन में यह भी माँग की वकीलों के सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएं उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट को राज्य में शीघ्र लागू किया जाए ताकि वकीलों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही, उन्होंने सरकार से माँग की झारखंड के वकीलों को भी जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा और आकस्मिक दुर्घटना बीमा जैसी योजनाओं का लाभ दिया जाए। उन्होंने कहा कि वकील पूरे जीवन जनता को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष करते हैं, लेकिन उनके स्वयं के हितों की रक्षा के लिए कोई ठोस योजना नहीं है। विधायक प्रदीप प्रसाद ने सरकार से आग्रह किया कि राज्य के सभी बार एसोसिएशन परिसरों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाए और इसके लिए एक निश्चित बजट आवंटित किया जाए। उन्होंने कहा कि जब तक वकीलों को बेहतर कार्य वातावरण नहीं मिलेगा, तब तक वे न्यायिक प्रक्रिया में प्रभावी योगदान नहीं दे पाएँगे। उन्होंने सरकार से माँग की बार एसोसिएशनों के विकास के लिए एक विशेष अनुदान योजना बनाई जाए, जिससे वकीलों को आधारभूत संरचना और आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा सकें। प्रदीप प्रसाद ने सरकार से अपील की वह इस विषय को गंभीरता से लेते हुए तत्काल आवश्यक कदम उठाए। उन्होंने कहा कि यदि सरकार इस दिशा में शीघ्र निर्णय लेती है तो इससे राज्य के 35,000 से अधिक वकीलों को न केवल सुविधा मिलेगी, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया भी अधिक प्रभावी होगी।

## रामगढ़ में 2625 किलोग्राम बारूद से ब्लास्टिंग कर 143 अवैध मुहाने और 11 सुरंगें हुईं बंद

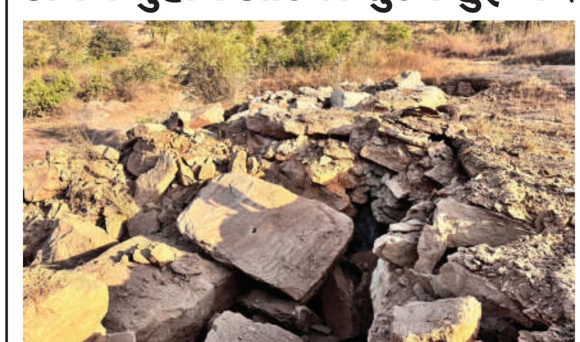

वर्ल्ड वाइज न्यूज

**रामगढ़**। रामगढ़ जिले में कोयले के अवैध खनन पर रोक को लेकर उपायुक्त चंदन कुमार ने जिले के अलग-अलग क्षेत्र में अवैध मुहानों को चिन्हित कर उन्हें बंद करने का निर्देश दिया गया है। डीसी चंदन कुमार, एसपी अजय कुमार, एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी, डीएमओ निशांत अभिषेक सहित अन्य अधिकारियों ने मांडू प्रखंड अंतर्गत बसंतपुर क्षेत्र के कोतरे में विभिन्न अवैध मुहानों को चिन्हित किया था। शनिवार से ही चिन्हित अवैध मुहानों को बंद करने का कार्य प्रारंभ किया गया था जो सोमवार की रात खत्म हुआ। 2625 किलोग्राम ब्लास्टिंग सामग्री के उपयोग से ब्लास्टिंग कर कुल 143 अवैध मुहानों एवं 11 सुरंगों को बंद किया गया। रविवार को 21 अवैध मुहानों और दो सुरंगों को बंद करने का कार्य किया गया था। जिले के अन्य क्षेत्रों में भी अवैध मुहानों को बंद करने के लिए पदाधिकारियों की ओर से सर्च अभियान चलाकर स्थल चिन्हित किया जा रहा है।

# झारखंड विधानसभा पहुंचे सांसद मनीष जायसवाल, पक्ष- विपक्ष के पुराने साथियों ने किया स्वागत

**राज्यपाल से मिलकर विनोबा भावे विश्वविद्यालय में स्थायी कुलपति नियुक्ति की उठाई मांग**

वर्ल्ड वाइज न्यूज

**रांची**। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल मंगलवार को झारखंड की राजधानी रांची में रहें। उन्होंने सबसे पहले झारखंड के सर्वोच्च सदन झारखंड विधानसभा में चल रहे बजट सत्र के दौरान अपने पुराने साथियों से मुलाकात कर विधानसभा की यादें ताजा की। इस दौरान सांसद मनीष जायसवाल ने विशेष रूप से झारखंड प्रदेश के बीजेपी अध्यक्ष सह झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी से मिलकर झारखंड के मौजूदा राजनीतिक हालात पर भी चर्चा- परिचर्चा की। इस दौरान यहां सांसद मनीष जायसवाल का विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो, झारखंड के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर सहित पक्ष विपक्ष के विधायकों ने पुरजोर स्वागत किया। तत्पश्चात सांसद मनीष जायसवाल ने झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार से औपचारिक मुलाकात की और हजारीबाग स्थित विनोबा भावे विश्विद्यालय में जल्द से जल्द स्थायी कुलपति की नियुक्ति मांग की।

## ईडी के अधिकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर मामला : राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए मिला समय

वर्ल्ड वाइज न्यूज

**रांची**। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से दायर शिकायत पर ईडी के अधिकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर को चुनौती देने वाली ईडी के अधिकारियों कपिल राज एवं अन्य की याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई। मंगलवार को मामले में कोर्ट ने ईडी अधिकारी को दी गई अंतरिम राहत बरकरार रखी है। राज्य सरकार को प्रतिशपथ पत्र दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय कोर्ट ने दिया है। पूर्व में कोर्ट ने ईडी के अधिकारियों को अंतरिम राहत देते हुए गोंदा पुलिस द्वारा 41 ए के तहत दिए गए नोटिस पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने कहा था कि अगले आदेश तक पुलिस ईडी अधिकारियों को 41 ए का नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए नहीं बुला सकती है। ईडी की ओर से अधिवक्ता एके दास एवं सौरव कुमार ने पैरवी की। उल्लेखनीय है कि यह एफआईआर झारखंड पुलिस ने एससी-एसटी एक्ट के तहत रांची के एससी-एसटी थाना में दर्ज की है। यह एफआईआर हेमंत सोरेन सोरेन की दिल्ली आवास पर ईडी की ओर से की गई तलाशी के संबंध में एक शिकायत को लेकर की गई है। ईडी की ओर से इस केस को निरस्त करने का आग्रह कोर्ट से किया गया है। एफआईआर में ईडी के सीनियर अधिकारियों पर दिल्ली में हेमंत सोरेन के आवास पर की गई तलाशी का आरोप लगाया गया है। इस एफआईआर में ईडी के तत्कालीन अतिरिक्त निदेशक कपिल राज, सहायक निदेशक देवव्रत झा और अनुमान कुमार और अमन पटेल के साथ-साथ अज्ञात अधिकारियों का नाम शामिल है। इसमें हेमंत सोरेन ने आरोप लगाया कि उनके दिल्ली आवास पर ईडी का तलाशी अभियान उन्हें और उनके समुदाय को परेशान करने और बदनाम करने के इरादे से चलाया गया। ईडी के अधिकारियों ने मीडिया को इसकी जानकारी लीक की, जिससे जनता की नजर में उनकी प्रतिष्ठा धूमिल हो जाए।

## कर्मचारी अमित और नाजिर मंजीत पर होगी कानूनी कार्रवाई

वर्ल्ड वाइज न्यूज

**रामगढ़** । रामगढ़ अंचल के हल्का तीन के कर्मचारी अमित लोहरा और मांडू अंचल के नाजिर मंजीत कुमार पर कानूनी कार्रवाई शुरू होगी। एंटी करप्शन ब्यूरो के लिखे गए पत्र के आलोक में डीसी चंदन कुमार ने अभियोजन की स्वीकृति प्रदान कर दी है। डीसी चंदन कुमार ने मंगलवार को बताया कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो हजारीबाग के एसपी ने उन्हें चिट्ठी भेजी थी। इस चिट्ठी में कांड संख्या 6/ 24, धारा 7 ए के तहत कार्रवाई करने की स्वीकृति मांगी गई थी। राजस्व उप निरीक्षक हल्का तीन अंचल रामगढ़ के कुमार लोहरा एवं मांडू प्रखंड में वित्तीय अनियमितता मामले में निम्न वर्गीय लिपिक सह नाजिर मांडू प्रखंड मंजीत कुमार के विरुद्ध अभियोजन की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

# एकता का महायज्ञ संपन्न

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रयागराज में सपन्न हुए महाकुंभ को युग परिवर्तन की आहट बताया और विकसित भारत का संदेश बताया। उन्होंने महाकुंभ समागम की तुलना गुलामी की मानसिकता की बेडियों को तोड़कर आजादी से संस ले रहे राष्ट्र की नवजागृत चेतना से की। समापन के एक दिन बाद मोदी ने ब्लाग में लिखा, महाकुंभ संपन्न हो गया। एकता का महायज्ञ संपन्न हो गया। भारत अब नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। यह युग परिवर्तन का संकेत है। जो भारत के लिए नया भविष्य लिखेगा। उप्र सरकार के अनुसार 13 जनवरी को शुरू हुए महाकुंभ में 65 करोड़ लोगों ने संगम में डुबकी लगाई। उधर राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर निशाना लगाते हुए कहा, दुनिया में कहीं भी इतना विशाल समागम नहीं हुआ। स्वच्छता व स्वास्थ्य कर्मियों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा लूटपाट, अपहरण, छेड़छाड़ व दुष्कर्म की ऐसी कोई घटना नहीं हुई, जो विरोधियों को दूरबीन या माइक्रोस्कोप से देखने को मिलती। इसमें कोई संदेह नहीं कि सरकार के अनुमान से कहीं अधिक संख्या में लोग प्रयागराज पहुंचे। जितना जन सैलाब था, उसके अनुपात में असुविधाओं या समस्याओं का खड़ा न होना, अपने आपमें बड़ा आश्चर्य है। हालांकि भगदड़ की मौतों के आंकड़े छिपाने और अपनों की तलाश में भटकने वालों की जानते-बूझते अनदेखी की गई। सीमित साधनों के चलते स्थानीय नागरिकों को रोजाना की चीजों व नियमित कार्य/पढ़ाई व नौकरीपेशा लोगों को हुई दिक्कतों की किसी ने फिक्र ही नहीं की। हालांकि इस विशाल आयोजन में उत्साहपूर्वक शामिल होने वाले श्रद्धालुओं ने कई-कई किलोमीटर पैदल चलने, ट्रैफिक जाम में फंसे रहने और पीने के पानी व भोजन को लेकर हुई अव्यवस्था पर भरपूर सहयोगात्मक भाव बनाये रखा। मोदी ने उसे समझा और उस पर माफी मांग कर अपना बड़प्पन भी दिखाया, जबकि योगी की बातों से ऐसा नजर नहीं आता, परंतु सफाईकर्मियों को प्रात्साहन राशि देने व उनकी तारीफ करके उन्होंने परंपरा से हटकर अपना अंदाज दिखाया। आस्था, विश्वास व उत्साह भरे इस आयोजन के लिए सभी की सराहना की जानी चाहिए।

# पाकिस्तान की भांति बर्बादी की ओर बढ़ता बांग्लादेश

ललित गर्ग

कहते है कि 'जब गीदड़ की मौत आती है तो वह शहर की तरफ़ भागता है' भले ही यह एक मुहावरा है लेकिन बांग्लादेश पर खरा उतर रहा है, इसका मतलब है कि बांग्लादेश मुसीबत रूपी पाकिस्तान से दोस्ती बढ़ारहा है। 30 लाख बांग्लादेशी लोगों कीहत्या करने वाला पाकिस्तान अब दोस्त बन गया है और हर तरह से मदद करने वाला भारत दुश्मन। बांग्लादेश और पाकिस्तान की बढती नजदीकियां, बांग्लादेश का भारत विरोध और पाकिस्तान प्रेम इस मुल्क पर भारी पड़ सकता है और भारी पड़ रहा है। भले ही 54 सालों में पहली बार बांग्लादेश और पाकिस्तान सीधा कारोबार शुरू हुआ है। देखने वाली बात यह भी है कि पाकिस्तान और भारत के बीच संबंध सामान्य नहीं हैं और व्यापार ठप्प है। ऐसे में इसका असर भारत पर नहीं पाकिस्तान पर जरूर पड़ा है और वहां की जनता त्राहि- त्राहि कर रही है। बांग्लादेश के लिए भारत जो मायने रखता है, उसकी भरपाई पाकिस्तान तो कतई नहीं कर सकता है। जिस बांग्लादेश को पाकिस्तानी क्रूरता से मुक्त कराकर एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत ने तमाम कुर्बानियों के बाद जन्म दिया, उसका भारत-विरोधी रवैया दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि विडम्बनापूर्ण कहा जाएगा। भारत से पंगा बांग्लादेश को महंगा पड़ेगा। अब अगर बांग्लादेश ने तय ही कर लिया है कि भारत से संबंध खराब करने की हर कीमत चुकाने के लिए तैयार है तो कुछ भी कहना बेमानी है। जब बांग्लादेश ने पाकिस्तान की राह पर चलने की ठान ही ली है, तो उनके दुष्परिणाम भी उसे ही भुगतने होंगे। बांग्लादेश के हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं, आम जनता पर दुःखों, परेशानियों एवं समस्याओं के पहाड़ टूटने लगे हैं। वहां जैसी आंतरिक गुटबाजी, प्रशासनिक शिथिलताएं, अराजकताएं और अव्यवस्थाएं बढ़ रही हैं, उसे देखते हुए सेना प्रमुख जनरल वकार उज-जमां ने सेना की भूमिका बढ़ाने की बात कही है। उनका संकेत साफ है, यदि अंतरिम सरकार हालात को संभाल पाने में नाकाम रहती है, तो सेना मोर्चा संभालने को तैयार है। दरअसल, शेख हसीना की विदाई के साथ वहां जिस तरह से राजनीतिक अस्थिरता एवं अराजकता बढ़ी है, उसका नुकसान पूरे देश को हो रहा है। न सिर्फ निवेश पर प्रभाव पड़ा है, विदेशी संबंध भी चरमरा रहे हैं, आर्थिक गिरावट तेजी से बढ़ रही है। भारत जैसे देश के साथ सामान्य व्यापार और ढांचागत विकास संबंधी योजनाओं में भी रुकावटें पैदा हुई हैं। बांग्लादेश भारत की सदाशयता एवं उदारता के बावजूद टकराव के मूड में नजर आ रहा है, उसका अल्पसंख्यक हिन्दुओं की सुरक्षा को लेकर भी ऐसा ही रवैया है, जिस बारे में वह भले ही अब दलील दे रहा है कि हालिया बांग्लादेश में हिन्दुओं से जुड़ी हिंसक घटनाएं सांप्रदायिक नहीं बल्कि राजनीतिक कारणों से हुई हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि दोनों देशों के संबंध बिगाड़ने में पर्दे के पीछे पाकिस्तान की भूमिका साफ है। बांग्लादेश से हाल ही में आई रिपोर्ट चिंताजनक हैं। चल रहे राजनीतिक संकट और राज्य पुलिस की गिरावट ने अल्पसंख्यक समुदायों, खासकर हिंदुओं पर लक्षित हमलों के लिए अनुकूल स्थिति पैदा कर दी है। 1947 से, हिंदू आबादी 30 प्रतिशत से घटकर 9 प्रतिशत से भी कम हो गई है। शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद से स्थिति और खराब हो गई है, जो 2009 से सत्ता में थी। यह संकट पूर्वी पाकिस्तान और आधुनिक बांग्लादेश में हिंदुओं के प्रत्यक्ष और गुप्त नरसंहार के लंबे इतिहास को दर्शाता है। मंदिरों और पवित्र स्थलों पर 200 से अधिक कथित हमलों सहित वर्तमान हिंसा एक बड़े, निरंतर कट्टरतावादी अभियान का हिस्सा है। हालिया संकट, जो जुलाई 2024 में कथित छात्रों के विरोध प्रदर्शन से शुरू हुआ था, उसकी गहरी ऐतिहासिक जड़ें हैं और यह दशकों से बढ़ते मुस्लिम कट्टता से जुड़े तनावों को दर्शाता है। भारत प्रारंभ से बांग्लादेश का सहयोगी एवं हितैषी रहा है, इसी कारण उसने पिछले डेढ़ दशकों में जो आर्थिक तरक्की हासिल की, छह फीसदी से अधिक दर से जीडीपी को बढ़ाया और 2026 तक विकासशील देशों के समूह में शामिल होने का सपना देखा, उन सब पर मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार संकीर्णतावादी एवं दुराग्रही सोच के कारण काली छाया मंडराने लगी है। आज कानून-व्यवस्था के सामने समस्या पैदा हो गई है, बांग्ला राष्ट्रवाद की वकालत करने वालों पर खतरा मंडरा रहा है, प्रगतिशील मुस्लिमों एवं अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं और बंगबंधु व मुक्ति संग्राम के इतिहास को मिटाने का प्रयास हो रहा है। बांग्लादेश की यह गति इसलिए हुई है, क्योंकि मोहम्मद यूनुस सरकार आम जन की अपेक्षाओं के अनुरूप चुनौतियों से लड़ पाने में नाकाम हो रही है और भारत से टकराव मोल लेने को तैयार बैठे बांग्लादेश के ऐसे हुक्मरान विवाद के नये-नये मुद्दे तलाश रहे हैं एवं दोनों देशों के आपसी संबंधों को नेस्तनाबूंद कर रहे हैं। आज वहां सांविधानिक, राजनीतिक वैधता का संकट तो गहराया ही है लेकिन लोकतांत्रिक मूल्य भी धुंधला रहे हैं। मोहम्मद यूनुस को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और अवामी लीग जैसी पार्टियों ने कभी पसंद नहीं किया और अब आमजनता का भी पूरा साथ उनको नहीं मिल रहा है। स्टूडेंट अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन के बैनर तले छात्रों ने अपना आंदोलन शुरू किया और शेख हसीना के तख्तापलट की वजह भी बना, तब उनकी मुख्य मांगों में रोजगार प्रमुख रहा, मगर यूनुस सरकार अब इस मोर्चे पर भी फिसड्डी साबित हुई है। उनकी कट्टरपंथी सोच और जिन्ना को राष्ट्रपिता बनाने जैसी पहल को देख उदारवादी छात्र खुद को छला हुआ महसूस करने लगे हैं, इस कारण विश्वविद्यालयों में हिंसा रूकने का नाम नहीं ले रही है। मोहम्मद यूनुस की अपरिपक्व राजनीतिक सोच एवं कट्टरवादी सोच के कारण ही बांग्लादेश ने भारत से दूरियां बढ़ाई है। रस्सी जल गयी पर ऐंठन नहीं गयी की स्थिति में यूनुस भूल गये कि अभी भारत में नरेन्द्र मोदी जैसे कद्दावर एवं सूझबूझ वाले विश्वनेता का शासन है, भारत से दुश्मनी कितनी भारी पड़ सकती है, पाकिस्तान की दुर्दशा से समझा जा सकता है। पाकिस्तान भारत विरोधी अभियान को लेकर बांग्लादेश पहुंचा है। मान न मान, मैं तेरा मेहमान वाली स्थिति में अस्थिर बांग्लादेश में चीन एवं पाकिस्तान जैसी तमाम बाहरी ताकतें दखल देने की इच्छुक हैं। इससे दोनों देश बांग्लादेश की जमीन से भारत को घेरना चाहते हैं, बांग्लादेश भी इन षडयंत्रकारी देशों की गिरफ्त में आ गया है और वह भारत विरोध को तीक्ष्ण करने में जुट गया है। भारत अपनी सीमाओं को अभेद्य बना रहा है तो बांग्लादेश समझौते के बावजूद बाधाएं डाल रहा है। सीमाओं के खुले रहने से बांग्लादेश से लगातार अवैध घुसपैठ, हथियारों की तस्करी, ड्रग स्मगलिंग, नकली नोटों का कारोबार और आतंकवादी गतिविधियां लगातार हो रही हैं। विशेषतः पाकिस्तान अब अपनी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिये बांग्लादेश का उपयोग कर रहा है। दरअसल, बांग्लादेश की युनूस सरकार पाकिस्तान के इशारों पर पुराने मुद्दे उछाल कर विवाद को हवा दे रही है। निश्चित ही पाक से उसकी बढ़ती नजदीकियां के चलते ही बांग्लादेश में पाक सेना के अधिकारियों की सक्रियता देखी गई है। यूनुस सरकार ने भारत विरोधी तत्वों को न केवल हवा दी है बल्कि उनको उग्र कर दिया है। भारत की उदारता को बांग्लादेश हमारी कमजोरी न मान ले, इसलिए उसे बताना जरूरी है कि भारत से टकराव की कीमत उसे भविष्य में चुकानी पड़ सकती है। यह भी कि संबंधों में यह कसैलापन, दौगलापन एवं टकराव लंबे समय तक नहीं चल सकता। उसकी यह कटुता उसके लिये ही कालांतर में घातक एवं विनाशकारी साबित हो सकती है। वैसे इसके संकेत मिलने शुरु हो गये हैं। यह विडंबना ही है कि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस से क्षेत्र में शांति व सद्भाव की जो उम्मीदें थी, उसमें उन्होंने मुस्लिम कट्टरपंथ को आगे करके निराश ही किया है। उनकी सरकार लगातार विघटनकारी, अड़ियल व बदमिजाजी का रुख अपनाए हुए है, लेकिन अब राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका भी भारत के साथ बांग्लादेश में सकारात्मक भूमिका निभाने का संकेत दे चुका है। यह दक्षिण एशिया की शांति व समृद्धि के लिए बहुत जरूरी है।

# विकास के बहाने विनाश का गरल पीते उत्तराखंड के पर्वत शिखर

(मनोज कुमार अग्रवाल-विभूति फीचर्स)

उत्तराखंड के माणा में एक दुखद आपदा में प्राकृतिक हिमस्खलन से निर्माण कार्य में लगे मजदूर बर्फ में धंस गए। हालांकि 46 जिंदगी बचा ली गई लेकिन दुःखदायी यह रहा कि आठ जिंदगियों को बचाया नहीं जा सकता है। निसंदेह देश के जवानों ने इन जिंदगियों को बचाने में अपनी जान लगा दी। राहत एवं बचाव कार्य में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सेना सहित 200 से अधिक लोग जुटे रहे।यह अभियान तीन दिन तक चला।

माणा गांव में मजदूर निर्माण कार्य में लगे थे, तभी अचानक ऊपर से बर्फ का पहाड़ आ गिरा और कई मजदूर उसमें दब गए। इस घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन ने बिना देरी बचाव कार्य शुरू कर दिया । शुरू में प्रतिकूल मौसम में रास्ते बंद होने के कारण राहत कार्य में मुश्किल आई, लेकिन बचाव अभियान में जुटे जवानों ने अपनी जान की परवाह नहीं करते हुए कई जिंदगियों को बचा लिया। हिमस्खलन स्थल पर करीब 7 फीट तक बर्फ जमा है, जिससे बचाव अभियान में कई दिक्कतें आयी। लेकिन जहां तक भी पहुंचना संभव है, वहां राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया।

उत्तराखंड और हिमाचल में प्राकृतिक आपदाओं का आना कोई नई बात नहीं है। अपने नैसर्गिक सौंदर्य, अध्यात्म, और धार्मिक महत्व के लिए यह राज्य प्रसिद्ध है, लेकिन यह राज्य अपनी भौगोलिक संरचना के लिए भी बेहद संवेदनशील है। पूरी दुनिया में कुदरत की सौंदर्यता के लिए जाना जाने वाला राज्य होने के साथ ही उत्तराखंड प्राकृतिक और मानवजनित आपदाओं के लिए भी जाना जाने लगा है, इसे इस राज्य का दुर्भाग्य ही कह सकते हैं। हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड जैसे हिमालयी राज्यों को हाल के वर्षों में कई प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ा है। बीते कुछ महीनों में घटित ऐसी सभी घटनाओं के कारण अब तक 300 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई है और हजारों लोग घायल हुए हैं। लापता होने वाले लोगों की संख्या भी कम नहीं है। बड़े पैमाने पर आर्थिक नुकसान के साथ-साथ सड़कों पर आवाजाही भी बड़े पैमाने पर बाधित हुई। पहाड़ों के दरकने या भूस्खलन जैसी घटनाओं के लिए इन पहाड़ी राज्यों में होने वाली निरंकुश मानवीय गतिविधियों को मुख्य रूप से जिम्मेदार माना जाता है। आर्थिक क्रियाकलाप, पर्यटन और आधुनिक विकास के नाम पर होने वाले निर्माण इसके लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। सरकार आपदा की स्थिति में राहत कार्य पहुंचाती है। पर, आज जरूरत है कि समस्या के जड़ को समझकर उसके प्रभावी समाधान के लिए सही रणनीतियों के विकास और उन पर अमल करने की। ऐसा करके ही पहाड़ों में हो रहे विनाश पर लगाम लगायी जा सकती है और टिकाऊ विकास को सुनिश्चित किया जा सकता है। 2013 में केदारनाथ आपदा उत्तराखंड के इतिहास की सबसे भयावह घटना थी। जल प्रलय ने हजारों लोगों की जान ले ली थी और किसी को संभलने तक का मौका नहीं मिला था। जो जहां था, वही दफन हो गया। कई महीने तक लोगों की खोज में अभियान चलाए गए। 16 से 17 जून, 2013 में लगातार अतिवृष्टि व बादल फटने के परिणामस्वरूप भूस्खलन व नदियों में तीव्र उफान के कारण रुद्रप्रयाग, चमोली, उत्तरकाशी, पौड़ी, टिहरी व पिथौरागढ़ जिलों में व्यापक जन-धन की हानि हुई। राज्य के ज्ञात इतिहास में यह सबसे बड़ी आपदा थी। इसमें हजारों लोग व मवेशी मलवे में दबकर व जल प्रवाह में बहकर काल के गाल में समा गए। सैकड़ों होटल व धर्मशालाएं व हजारों मोटर गाड़ियां नष्ट हुई। इस आपदा में एक आंकड़े के मुताबिक 3886 लोग या तो मारे गए अथवा लापता हुए, इसमें से मात्र 644 शव मिले हैं। 3242 लोगों का कोई पता नहीं चल पाया। राज्य सरकार द्वारा जारी आकड़ों के अनुसार इस आपदा में लगभग 13000 करोड़ के नुकसान का आंकलन किया गया। इसके बाद भी इस राज्य में लगातार भूस्खलन और हिमस्खलन को घटनाएं सामने आती ही रहती है। कुछ ऐसा ही फरवरी 2021 में तब हुआ था, जब चमोली जिले में ऋषि गंगा कैचमेंट से जल प्रलय निकली थी। तब सात फरवरी की सुबह हैंगिंग ग्लेशियर टूट गया था। उस समय इस तरह के खतरों से पहले से ही सचेत रहने के लिए तमाम कसरत की गई थी। यहां तक कि ग्लेशियर क्षेत्रों की सैटेलाइट से निरंतर निगरानी की बात भी सामने आई थी। ताकि समय रहते ग्लेशियर और ग्लेशियर झीलों में आ रहे असामान्य बदलावों की पहचान की जा सके, लेकिन फिर भी हादसा हुआ । इसी तरह बदरीनाथ के माणा क्षेत्र में ग्रेफ के श्रमिक एवलांच जोन में निरंतर बर्फबारी के बीच भी श्रमिक काम करते पाए गए, उससे निगरानी तंत्र को लेकर सवाल भी खड़े होते हैं। इसका कारण है कि हिमनदों का पिघलना, टूट कर नदियों में गिरना, बादल फटने जैसी घटनाएं हिमालय क्षेत्र में सामान्य बात हैं। उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदाओं के संकेत करीब चार दशक पहले से ही मिलने लगे थे। भूविज्ञानी पहले ही चेतावनी दे चुके थे कि ऋषिगंगा क्षेत्र में आठ हिमनदों के पिघलने की दर सामान्य से अधिक है। जाहिर है कि जब-जब ये टूटेंगे तो ऋषिगंगा में ही गिरेंगे और कहर बरपाएंगे। ऋषिगंगा नदी पर हिमनदों के टूटने से जो दबाव बनता है, उससे आसपास की नदियों-धौलीगंगा, विष्णुगंगा, अलकनंदा और भागीरथी में जल प्रवाह उग्र रूप धारण कर लेता है। बढ़ते तापमान और हिमालय के भीतर हो रहे परिवर्तन भी हिमनदों की प्रकृति को तेजी से बदल रहे हैं, जिससे इनके टूटने की घटनाएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। यह ऐसा प्राकृतिक संकट है जिससे कोई बचा नहीं सकता। इन खतरों को देखते हुए ही नदियों पर बांध बनाने को लेकर चेताया जाता रहा है। चमोली की आपदा में ऋषि गंगा पर बनी तेरह मेगावाट की बिजली परियोजना और धौलीगंगा पर पांच सौ बीस मेगावाट की बिजली परियोजना पूरी तरह से बह गई और इन पर काम कर रहे लोग भी इस आपदा का शिकार हो गए। इसलिए यह सवाल क्यों नहीं उठना चाहिए कि वैज्ञानिकों की चेतावनियों के बावजूद ऐसी परियोजनाएं इन इलाकों में क्यों बनाई जाती हैं? पहाड़ी इलाकों में रहने वाले निवासियों का जीवन बेहद कठिन होता है। प्राकृतिक कारण इसे और जोखिमभरा बना देते हैं। ऐसे में प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि आपदाओं के लिहाज से जो इलाके संवेदनशील और बेहद खतरनाक हैं और जिन इलाकों में ऐसी आपदाओं के बारे में वैज्ञानिक सचेत करते रहे हैं, उन इलाकों में ऐसी सुविधाएं विकसित करने पर जोर दिया जाए जो बेहद गंभीर संकट में भी लोगों को बचा सकें। हालांकि केदारनाथ के हादसे से सबक लेकर आपदा प्रबंधन के स्तर पर काफी सुधार देखने को मिला है। यह हादसा एक बार फिर चेता रहा है कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाया जाए, न कि उस पर अतिक्रमण हो। हकीकत यह है कि पिछले कुछ समय से हिमस्खलन की घटनाओं में बढ़ोतरी की एक वजह प्राकृतिक है, तो दूसरी वजह असंतुलित विकास और पर्यावरण की उपेक्षा। उपभोक्तावादी संस्कृति को प्रोत्साहित कर जिस तरह वैश्विक तापमान को बढ़ाया गया है, उससे न केवल जल,जंगल और जमीन पर दुष्प्रभाव पड़ा है, बल्कि समुद्र तथा पहाड़ भी इससे अछूते नहीं रहे। प्रकृति की प्रतिक्रिया हम जलवायु परिवर्तन के रूप में देख सकते हैं। कहीं सूखा तो कहीं बाढ़ और कहीं जंगलों में आग से लेकर हिमस्खलन की बढ़ती घटनाएं इसी का संकेत दे रही हैं। जरूरत है कि ऐसी घटनाओं से सबक लिया जाए। हर तरह की प्राकृतिक आपदा के लिहाज से उत्तराखंड संवेदनशील है। इसके बाद भी अभी तक प्रदेश में समुचित आपदा निगरानी तंत्र विकसित नहीं हो पाया है। खासकर उच्च हिमालयी क्षेत्रों में एवलांच और ग्लेशियर झीलों से निकलने वाली तबाही को लेकर मशीनरी के हाथ बंधे हुए हैं। हिमस्खलन जैसी घटनाओं के प्रति सावधानी और जनजागरूकता से कुछ हद तक जानमाल के नुकसान को कम किया जा सकता है। मगर पहाड़ी इलाकों में जिस तरह मनुष्यों का बेतहाशा हस्तक्षेप बढ़ा है, उसमें सड़क से लेकर अन्य अनियोजित निर्माण कार्यों के गंभीर नतीजे अब सामने आ रहे हैं। एक तरफ दुनिया जलवायु परिवर्तन से जूझ रही है, तो दूसरी ओर संवेदनशील क्षेत्रों में प्रकृति से छेड़छाड़ किए जाने के कारण पर्यावरणीय विध्वंस बढ़ रहा है। यह बदलाव मानव को आपदाओं के प्रति अधिक संवेदनशील बना रहा है। हाल के वर्षों में, विभिन्न प्रकार की परियोजनाएं जैसे- सड़कों का निर्माण, पर्यटन एवं पिकनिक स्पॉट्स आदि में अनियंत्रित वृद्धि हुई है। इसने पहाड़ों को अधिक नाजुक एवं असुरक्षित बना दिया है। मूल रूप से वर्तमान समय में यह धारणा बन चुकी है कि विकास जरूरी है, जिससे लोगों को रोजगार मिलेगा, क्षेत्र की तरक्की होगी, लोगों में खुशहाली आएगी लेकिन तब भी जरूरत है कि ऐसे हादसों से सबक लिया जाए और पहाड़ पर अनियंत्रित विकास को विराम देते हुए पहाड़ के संवेदनशील स्वरूप के अनुरूप मानव व्यवहार व योजनाओं को मूर्त रूप दिया जाए। विकास के नाम पर पहाड़ का विनाश आखिर पहाड़ कब तक सहन कर सकता है? आखिर कब तक हमारे पहाड़ विकास के नाम पर विनाश का गरल पीते रहेगें? (विभूति फीचर्स)

# पच्चास साल बाद होने वाली परिसीमन को लेकर चिंताएँ

डॉ सत्यवान सौरभ

राजकोषीय संघवाद और संस्थागत ढांचे को मज़बूत करके, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राजनीतिक निष्पक्षता जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के साथ मिलीजुली हो, जिससे एक सुसंगत और एकजुट भारत को बढ़ावा मिले। लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने से नागरिकों को बेहतर प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिससे निर्वाचन क्षेत्रों का आकार छोटा होगा और शासन में सुधार होगा। संसदीय सीटों को 543 से बढ़ाकर 800 से अधिक करने से संसद सदस्य मतदाताओं की ज़रूरतों को अधिक प्रभावी ढंग से पूरा कर सकेंगे। निश्चित सीट आवंटन के कारण उत्तरी राज्यों को कम प्रतिनिधित्व का सामना करना पड़ा है और परिसीमन इन ऐतिहासिक असंतुलनों को सुधारने का एक मौका प्रदान करता है। उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक सीटें जोड़ते हुए वर्तमान सीट अनुपात को बनाए रखना महत्त्वपूर्ण है। राज्यसभा के समान एक मॉडल प्रगतिशील राज्यों को नुक़सान पहुँचाए बिना एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है। सीटों का पुनर्वितरण करते समय, हमें आर्थिक योगदान, विकास मीट्रिक और शासन प्रभावशीलता को ध्यान में रखना चाहिए। सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने वाले राज्यों को विशेष राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है, जो अच्छे शासन को पुरस्कृत करता है। क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने और तेजी से बढ़ते राज्यों के प्रभुत्व को रोकने के लिए कानूनी उपाय किए जाने चाहिए। संसद के भीतर एक क्षेत्रीय परिषद की स्थापना से कम प्रतिनिधित्व वाले राज्यों के हितों की वकालत करने में मदद मिल सकती है। 2031 की जनगणना के बाद एक क्रमिक दृष्टिकोण हितधारकों के साथ चर्चा और एक सहज संक्रमण की अनुमति देगा। किसी भी परिसीमन से पहले, एक राष्ट्रीय आयोग को संभावित प्रभावों का आकलन करना चाहिए और आवश्यक सुरक्षा उपाय सुझाने चाहिए। राज्य सरकारों के लिए स्थापित चैनलों के माध्यम से परिसीमन वार्ता में सक्रिय रूप से भाग लेना महत्त्वपूर्ण है। सहकारी संघवाद को प्रोत्साहित करने के लिए किसी भी सीट पुनर्वितरण को अंतिम रूप देने से पहले अंतर-राज्य परिषद के साथ अनिवार्य परामर्श होना चाहिए। एक सुनियोजित परिसीमन प्रक्रिया जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं को संघवाद की अखंडता से जोड़ सकती है। क्षेत्रीय असमानताओं से बचने के लिए, हमें दोहरे प्रतिनिधित्व मॉडल, भारित मतदान या राज्यसभा की शक्तियों को बढ़ाने जैसी नवीन रणनीतियों पर विचार करना चाहिए। राजकोषीय संघवाद और संस्थागत ढांचे को मज़बूत करके, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राजनीतिक निष्पक्षता जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के साथ संरेखित हो, जिससे एक सुसंगत और एकजुट भारत को बढ़ावा मिले। लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने से नागरिकों को बेहतर प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिससे निर्वाचन क्षेत्रों का आकार छोटा होगा और शासन में सुधार होगा। संसदीय सीटों को 543 से बढ़ाकर 800 से अधिक करने से संसद सदस्य मतदाताओं की ज़रूरतों को अधिक प्रभावी ढंग से सम्बोधित कर सकेंगे। निश्चित सीट आवंटन के कारण उत्तरी राज्यों को कम प्रतिनिधित्व का सामना करना पड़ा है और परिसीमन इन ऐतिहासिक असंतुलनों को सुधारने का एक मौका प्रदान करता है। बिहार का प्रतिनिधित्व अभी भी 1971 के आँकड़ों पर आधारित है, बावजूद इसके कि इसकी जनसंख्या में काफ़ी वृद्धि हुई है। नवीनतम जनगणना आँकड़ों के अनुसार निर्वाचन क्षेत्रों को संशोधित करने से लोकतांत्रिक समानता को बढ़ावा मिलेगा और चुनावी प्रतिनिधित्व में जनसंख्या असमानताओं को रोका जा सकेगा। झारखंड, जिसे 2000 में बिहार से अलग कर दिया गया था, अभी भी पुरानी निर्वाचन संरचना का पालन कर रहा है, जो राजनीतिक स्पष्टता को कम करता है। अधिक आबादी वाले राज्यों से सांसदों की संख्या में वृद्धि विकास सम्बंधी असमानताओं की ओर ध्यान आकर्षित करेगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि नीतिगत हस्तक्षेप अविकसित क्षेत्रों की ओर लक्षित हों। मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों के लिए अधिक संख्या में सांसदों से बेहतर बुनियादी ढाँचा नियोजन और निवेश का बेहतर आवंटन हो सकता है। प्रगतिशील राज्यों की घटती भूमिका संघवाद और निष्पक्ष राजनीतिक प्रतिनिधित्व को नुक़सान पहुँचाती है। प्रभावी शासन वाले दक्षिणी राज्यों का प्रभाव कम हो सकता है, जिससे ठोस नीति प्रबंधन के लिए प्रेरणा कम हो सकती है। केरल की उच्च साक्षरता दर से प्रेरित विकास पर्याप्त सीट आवंटन में तब्दील नहीं हो सकता है, जिससे अन्य राज्य समान रणनीति अपनाने से हतोत्साहित हो सकते हैं। अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक प्रतिनिधित्व केंद्रीकृत नीति निर्माण की ओर रुझान को जन्म दे सकता है, जो क्षेत्रीय शासन स्वायत्तता को प्रतिबंधित कर सकता है। कृषि राज्यों के पक्ष में विधायी समायोजन औद्योगिक क्षेत्रों की ज़रूरतों की उपेक्षा कर सकते हैं, जिससे आर्थिक संतुलन बाधित हो सकता है। यह राजनीतिक पुनर्संरेखण वित्त आयोग द्वारा करों के आवंटन को प्रभावित कर सकता है, जो संभावित रूप से बड़ी आबादी वाले राज्यों के पक्ष में हो सकता है। अपने महत्त्वपूर्ण आर्थिक इनपुट के बावजूद, तमिलनाडु और महाराष्ट्र कम प्रतिनिधित्व के कारण अपने राजकोषीय हितों की रक्षा करने के लिए संघर्ष कर सकते हैं। केवल जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व में वृद्धि उत्तर और दक्षिण के बीच विभाजन को बढ़ा सकती है, जिससे क्षेत्रीय तनाव पैदा हो सकता है। तमिलनाडु में राजनीतिक दल परिसीमन के खिलाफ हैं, उन्हें डर है कि अधिक हिन्दी भाषी आबादी वाले राज्यों को सत्ता का नुक़सान होगा, जिससे राजनीतिक परिदृश्य और अधिक विखंडित हो सकता है। निष्पक्ष प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक सीटें जोड़ते हुए वर्तमान सीट अनुपात को बनाए रखना महत्त्वपूर्ण है।

**मेष राशिः** आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आपके व्यापार में लाभ के योग हैं। साथ में साइड बिजनेस कर सकते हैं, जिससे लाभ होने की संभावना बनेगी। नौकरी पेशा लोगों को नए अवसर मिलेंगे। जिन लोगों को पॉलिटिक्स में में रुचि है, उन्हें बड़ा पद प्राप्त हो सकता हैं। आज समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आपका पारिवारिक वातावरण शांतिपूर्ण रहेगा।

**वृष राशिः** आज आपका दिन भाग्यशाली रहेगा। कार्यक्षेत्र में आने वाली समस्याओं का समाधान मिलेगा। नौकरी में मनपसंद जगह ट्रांसफर हो सकता है। आज आपके व्यापार में ग्रोथ की संभावना है। आपकी सभी योजनाएं कामयाब रहेंगी। आप इस दौरान बड़ा निर्णय सोच समझकर लें, अच्छा रहेगा परिवार वालों की भी राय ले लें। आपका दांपत्य जीवन बढ़िया रहेगा। आज आप किसी यात्रा पर जाएंगे।

**मिथुन राशिः** आज आपका दिन सुखद रहने वाला है। आपके लिए जमीन या मकान खरीदने के संयोग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में आप मनचाहा लाभ प्राप्त करेंगे। आज आपका वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। आपको माता पिता और परिवार के अन्य सदस्यों का पूरा साथ मिलेगा। आज आपको किसी निवेश से बड़ा आर्थिक लाभ होगा। आप किसी धार्मिक स्थान की यात्रा करेंगे। इस दौरान आप अपनी सेहत का ध्यान रखें।

**कर्क राशिः** आज का दिन आपको सफलता दिलाने वाला होगा। नई नौकरी मिलने की संभावना है। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों को मनचाहे परिणाम मिलने की उम्मीद है। वैवाहिक जीवन में खुशियां आएंगी, कहीं डिनर पर जाएंगे। इस दौरान किसी प्रकार के तर्क से बचें। आप परिवार के साथ समय बिताने की कोशिश करेंगे। उनकी खुशियों का ध्यान रखेंगे व्यस्तता होने के बावजूद आप उनके साथ कहीं घूमने जाएंगे।

**सिंह राशिः** आज आपका दिन बेहतर रहेगा। सरकारी जॉब कर रहे लोगों को प्रमोशन के चांसेस हैं। अच्छे पद पर कहीं ट्रांसफर के योग बने हुए हैं। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्र किसी प्रोजेक्ट पर काम करेंगे, कुछ नया सीखने को मिलेगा। आप संपत्ति खरीदने का मन बना सकते है। आपको अधिक धन लाभ के योग हैं। वैवाहिक रिश्ते में नयी-नयी खुशियां आने से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

**कन्या राशिः** आपके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। आज कार्यक्षेत्र में आपके अनुकूल माहौल बना रहेगा। उच्च शिक्षा के लिए बाहर जाने की प्रतीक्षा कर रहे छात्रों को उचित अवसर मिलेंगे। आप अपनी टीम के अच्छे लीडर के रूप में उभर कर सामने आएंगे। आपके किसी स्टार्टअप की योजना सफल रहेगी। आप अपने परिवार के साथ समय बिताएंगे। आप कहीं बाहर घूमने जाने का प्लान बना सकते हैं।

**तुला राशिः** आज आपका दिन लाभदाई रहेगा। आज कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। आज आपको किसी पैतृक संपत्ति का लाभ मिलेगा। आज आपके नए-नए लोगों से संपर्क जुड़ेंगे, जिससे आपके करियर में लाभ होगा। आज आप जीवनसाथी के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। परिवार में किसी बड़े से आप सलाह लेंगे, जो आपके लिए कारगर साबित होगा।

**वृश्चिक राशिः** आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। आपकी आय के साधनों में वृद्धि होगी। आपके रुके हुए कार्यों की गति बढ़ेगी। सोची हुई योजनाओं में सफलता मिलने के संकेत है। आप अपने भाई बहनों के साथ किसी दर्शनीय स्थल पर जा सकते हैं। अचानक किसी अति प्रिय रिश्तेदार या मित्र से मुलाकात होगी। समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

**धनु राशिः** आपके लिए बदलाव लाने वाला दिन है। आपके कार्यों की कार्यस्थल पर सराहना होगी। आज आप किसी से भी उलझने बचे। आप अपने माता-पिता के साथ किसी आध्यात्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। आपका रुझान दार्शनिक व्यक्तियों की ओर बढ़ेगा। आप स्वास्थ्य को लेकर सावधानी बरतें। नियमित हेल्थ की जांच कराते रहें।

**मकर राशिः** आज आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में आपका व्यक्तित्व लोगों को प्रभावित करेगा। सिनेमा जगत से जुड़े लोगों को अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि मिलने के योग बने हुए है। कार्यस्थल पर आपका उत्साह बढ़ेगा। आज आप वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों को किसी कार्य के लिए सम्मानित किया जा सकता है। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा।

**कुंभ राशिः** आपके लिए आज का दिन शुभ फलदाई साबित होगा। बिजनेस में नये काम के अवसर प्राप्त होंगे। यात्राओं से लाभ मिलने के संकेत है। आज आपको नौकरी बदलने का प्रस्ताव मिल सकता है। शोध करने वाले जो जातक विदेश जाकर काम करना चाहते हैं, उनको उचित अवसर मिलेंगे। आपका वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। आप अपने जीवनसाथी के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करेंगे।

**मीन राशिः** आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। सरकारी कार्यों में आपको बड़े लाभ की संभावना है। आज आप अपनी संतान के साथ पिकनिक के लिए जा सकते हैं। उनके साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। घर के अन्य सदस्यों के साथ आपकी अच्छी बॉन्डिंग बनेगी। व्यापारियों के लिए लाभ के योग हैं। कार्यस्थल पर सहकर्मी आज आपसे सीखना चाहेंगे।

# सनातन धर्म संस्कृति में महिला सशक्तीकरण

सत्येन्द्र कुमार पाठक अतिथि संपादक, वर्ल्ड वाइज न्यूज

सनातन धर्म संस्कृति में महिला सशक्तीकरण का उल्लेख मिलता-जुलता है। पुत्रियों का महत्व हमारे समाज में बहुत अधिक है। वे हमारे परिवार और समाज की एक महत्वपूर्ण इकाई हैं। पुत्रियों के बिना हमारा जीवन अधूरा होगा। वे हमें खुशी, प्यार और समर्थन देती हैं। वेदों में नारी की स्थिति बहुत ही सम्मानजनक है। वेदों में नारी को देवी के रूप में पूजा जाता है। वेदों में नारी की शक्ति और महत्व का वर्णन किया गया है। वेदों में नारी को पुरुष के बराबर का दर्जा दिया गया है। वेदों में नारी के अधिकारों का वर्णन किया गया है। वेदों में नारी को शिक्षा, विवाह, संपत्ति और अन्य अधिकारों का वर्णन किया गया है। वेदों में नारी को पुरुष के बराबर का दर्जा दिया गया है। वेदों में नारी की शक्ति का वर्णन किया गया है। वेदों में नारी को देवी के रूप में पूजा जाता है। वेदों में नारी की शक्ति और महत्व का वर्णन किया गया है। वेदों में नारी को पुरुष के बराबर का दर्जा दिया गया है। वेदों में नारी की भूमिका का वर्णन किया गया है। वेदों में नारी को पत्नी, माता, बहन और बेटी के रूप में वर्णित किया गया है। वेदों में नारी की भूमिका को बहुत ही महत्वपूर्ण माना गयाहै। महिला सशक्तिकरण और समाज के बीच एक गहरा संबंध है। नारी सशक्तिकरण का अर्थ है महिलाओं को उनके अधिकारों और स्वतंत्रता की प्राप्ति करने के लिए सशक्त बनाना। यह समाज में महिलाओं की स्थिति को सुधारने और उन्हें पुरुषों के बराबर का दर्जा दिलाने के लिए किया जाता है। नारी सशक्तिकरण के लाभ में 1. महिलाओं की स्वतंत्रताः नारी सशक्तिकरण महिलाओं को उनके जीवन के निर्णय लेने की स्वतंत्रता प्रदान करता है। 2. महिलाओं के अधिकारों की रक्षाः नारी सशक्तिकरण महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करता है और उन्हें पुरुषों के बराबर का दर्जा दिलाता है। 3. महिलाओं की शिक्षाः नारी सशक्तिकरण महिलाओं को शिक्षा प्राप्त करने के अवसर प्रदान करता है। 4. महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रताः नारी सशक्तिकरण महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान करता है और उन्हें अपने परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार करने के अवसर प्रदान करता है ।1. महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण में परिवर्तनः नारी सशक्तिकरण समाज में महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण में परिवर्तन लाता है।2. महिलाओं के अधिकारों की रक्षाः नारी सशक्तिकरण समाज में महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करता है।3. महिलाओं की शिक्षा और आर्थिक स्वतंत्रताः नारी सशक्तिकरण समाज में महिलाओं को शिक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान करता है।4. समाज में महिलाओं की भूमिका में परिवर्तनः नारी सशक्तिकरण समाज में महिलाओं की भूमिका में परिवर्तन लाता है। वेदों में कई नारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वालियों में ऋग्वेद में नारियों की भूमिका . सावित्रीः सावित्री ऋग्वेद में वर्णित एक महत्वपूर्ण नारी है, जिसने अपने पति सत्यवान को मृत्यु से बचाया था। लोपामुद्राः लोपामुद्रा ऋग्वेद में वर्णित एक ऋषिका है, जिसने कई सूक्तों की रचना की थी। . घोषाः घोषा ऋग्वेद में वर्णित एक ऋषिका है, जिसने कई सूक्तों की रचना की थी। विश्ववरा*: विश्ववरा ऋग्वेद में वर्णित एक ऋषिका है, जिसने कई सूक्तों की रचना की थी। यजुर्वेद में नारियों की भूमिका में 1. अदितिः अदिति यजुर्वेद में वर्णित एक महत्वपूर्ण नारी है, जो देवताओं की माता है। दितिः दिति यजुर्वेद में वर्णित एक महत्वपूर्ण नारी है, जो असुरों की माता है। 3. दनुः दनु यजुर्वेद में वर्णित एक महत्वपूर्ण नारी है, जो असुरों की माता है।सामवेद के नारियों की भूमिका में 1. शचीः शची सामवेद में वर्णित एक महत्वपूर्ण नारी है, जो इंद्र की पत्नी है।2. प्रिथ्वीः प्रिथ्वी सामवेद में वर्णित एक महत्वपूर्ण नारी है, जो पृथ्वी की देवी है।अथर्ववेद के नारियों की भूमिका में 1. अरुंधतीः अरुंधती अथर्ववेद में वर्णित एक महत्वपूर्ण नारी है, जो वशिष्ठ की पत्नी है। 2. अनुसूयाः अनुसूया अथर्ववेद में वर्णित एक महत्वपूर्ण नारी है, जो अत्रि की पत्नी है। पुरातन और आधुनिक काल में कई विदुषी नारियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिनमें से कुछ प्रमुख नाम निम्नलिखित हैंः पुरातन काल की विदुषी नारियाँ में 1. गार्गीः गार्गी एक प्राचीन भारतीय दार्शनिक और विदुषी थीं, जिन्होंने यज्ञवल्क्य के साथ वेदों पर चर्चा की थी। मैत्रेयीः मैत्रेयी एक प्राचीन भारतीय दार्शनिक और विदुषी थीं, जिन्होंने यज्ञवल्क्य के साथ वेदों पर चर्चा की थी। अपाला*: अपाला एक प्राचीन भारतीय विदुषी थीं, जिन्होंने ऋग्वेद में कई सूक्तों की रचना की थी। घोषाः घोषा एक प्राचीन भारतीय विदुषी थीं, जिन्होंने ऋग्वेद में कई सूक्तों की रचना की थी। आधुनिक काल की विदुषी नारियाँ में सरोजिनी नायडू*: सरोजिनी नायडू एक भारतीय कवयित्री और स्वतंत्रता सेनानी थीं, जिन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। कमला सुरय्याः कमला सुरय्या एक भारतीय कवयित्री और लेखिका थीं, जिन्होंने भारतीय साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। महाश्वेता देवीः महाश्वेता देवी एक भारतीय लेखिका और सामाजिक कार्यकर्ता थीं, जिन्होंने भारतीय साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। 4. अरुंधती रॉयः अरुंधती रॉय एक भारतीय लेखिका और सामाजिक कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने भारतीय साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रकृति और नारी दोनों ही जीवन के महत्वपूर्ण पहलू हैं। यहाँ दोनों के बारे में कुछ विचार हैंः प्रकृति हमारे आसपास की दुनिया है, जिसमें जीव, वनस्पति, जल, वायु और भूमि शामिल हैं। प्रकृति हमारे जीवन को संचालित करने वाली शक्ति है, जो हमें जीवन देती है, हमें पोषण देती है और हमें संरक्षण प्रदान करती है। प्रकृति की सुंदरता और शक्ति हमें आकर्षित करती है और हमें जीवन के मूल्यों को समझने में मदद करती है। नारी जीवन की एक महत्वपूर्ण इकाई है, जो परिवार, समाज और राष्ट्र को संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। नारी की शक्ति और सुंदरता जीवन को समृद्ध बनाती है और हमें प्रेम, करुणा और सहानुभूति की शिक्षा देती है। नारी की भूमिका जीवन के विभिन्न पहलुओं में महत्वपूर्ण है, चाहे वह परिवार हो, शिक्षा हो, राजनीति हो या आर्थिक क्षेत्र सक्रिय हैं। प्रकृति और नारी के बीच एक गहरा संबंध है। दोनों ही जीवन को संचालित करने वाली शक्तियाँ हैं और दोनों ही जीवन को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्रकृति और नारी दोनों ही जीवन की सुंदरता और शक्ति को प्रदर्शित करती हैं और हमें जीवन के मूल्यों को समझने में मदद करती हैं।

सत्येन्द्र कुमार पाठक एक प्रसिद्ध साहित्यकार हैं, जिन्होंने नारी की भूमिका पर विस्तार से लिखा है। उनके विचारों में नारी की भूमिका समाज में बहुत महत्वपूर्ण हैः सत्येन्द्र कुमार पाठक के अनुसार, नारी की शक्ति समाज की सबसे बड़ी शक्ति है। वे समाज को संचालित करने वाली एक महत्वपूर्ण इकाई हैं। उनके अनुसार, नारी की भूमिका समाज में बहुत व्यापक है। वे परिवार, समाज और राष्ट्र को संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वे माता, पत्नी, बहन और बेटी के रूप में समाज में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।नारी की स्वतंत्रता समाज के विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। वे नारी को अपने जीवन के निर्णय लेने की स्वतंत्रता देने के पक्ष में हैं।उनके अनुसार, नारी की शिक्षा समाज के विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। वे नारी को शिक्षा प्राप्त करने के अवसर देने के पक्ष में हैं। नारी की सामाजिक भूमिका समाज में बहुत महत्वपूर्ण है। वे समाज में सामाजिक न्याय, समानता और मानवाधिकारों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। नारी की भूमिका समाज में बहुत व्यापक है। वह मां, बहन, पुत्री, पत्नी और सृष्टि दायिका के रूप में समाज में महत्वपूर्ण योगदान देती है। नारी की भूमिकाएँ में 1. मांः नारी की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका मां की है। वह अपने बच्चों को जन्म देती है, उन्हें पालती है और उनकी देखभाल करती है।2. बहनः नारी बहन के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वह अपने भाइयों के साथ मिलकर परिवार को संचालित करती है।3. पुत्रीः नारी पुत्री के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वह अपने माता-पिता की देखभाल करती है और उनकी सेवा करती है। 4. पत्नीः नारी पत्नी के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वह अपने पति के साथ मिलकर परिवार को संचालित करती है। 5. सृष्टि दायिकाः नारी सृष्टि दायिका के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वह अपने बच्चों को जन्म देती है और उनकी देखभाल करती है, जिससे सृष्टि की निरंतरता बनी रहती है। नारी की भूमिका समाज में बहुत व्यापक है। वह मां, बहन, पुत्री, पत्नी और सृष्टि दायिका के रूप में समाज में महत्वपूर्ण योगदान देती है। 1. मां की भूमिकाः नारी की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका मां की है। वह अपने बच्चों को जन्म देती है, उन्हें पालती है और उनकी देखभाल करती है। मां की भूमिका समाज में बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह अपने बच्चों को जीवन के मूल्यों को सिखाती है और उन्हें समाज में एक अच्छा नागरिक बनने में मदद करती है। 2. बहन की भूमिकाः नारी बहन के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वह अपने भाइयों के साथ मिलकर परिवार को संचालित करती है। बहन की भूमिका समाज में बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह अपने भाइयों को जीवन के मूल्यों को सिखाती है और उन्हें समाज में एक अच्छा नागरिक बनने में मदद करती है। पुत्री की भूमिकाः नारी पुत्री के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वह अपने माता-पिता की देखभाल करती है और उनकी सेवा करती है। पुत्री की भूमिका समाज में बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह अपने माता-पिता को जीवन के मूल्यों को सिखाती है और उन्हें समाज में एक अच्छा नागरिक बनने में मदद करती है।पत्नी की भूमिकाः नारी पत्नी के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वह अपने पति के साथ मिलकर परिवार को संचालित करती है। पत्नी की भूमिका समाज में बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह अपने पति को जीवन के मूल्यों को सिखाती है और उन्हें समाज में एक अच्छा नागरिक बनने में मदद करती है।सृष्टि दायिका की भूमिकाः नारी सृष्टि दायिका के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वह अपने बच्चों को जन्म देती है और उनकी देखभाल करती है, जिससे सृष्टि की निरंतरता बनी रहती है। सृष्टि दायिका की भूमिका समाज में बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह सृष्टि को आगे बढ़ाने में मदद करती है। नारी की भूमिका का समाज पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है। वह समाज में एक अच्छा नागरिक बनने में मदद करती है, सृष्टि को आगे बढ़ाने में मदद करती है और समाज में जीवन के मूल्यों को सिखाती है। समाज में एक अच्छा नागरिक बनने में मददः नारी समाज में एक अच्छा नागरिक बनने में मदद करती है। वह अपने बच्चों को जीवन के मूल्यों को सिखाती है । समाज में एक अच्छा नागरिक बनने में मदद*: नारी समाज में एक अच्छा नागरिक बनने में मदद करती है। वह अपने बच्चों को जीवन के मूल्यों को सिखाती है और उन्हें समाज में एक अच्छा नागरिक बनने में मदद करती है।सृष्टि को आगे बढ़ाने में मदद*: नारी सृष्टि में बेटियां पढ़ाओ से समाज को कई फायदे में बेटियों को शिक्षा देने से वे शिक्षित और आत्मनिर्भर बनती हैं। इससे वे अपने जीवन के निर्णय लेने में सक्षम होती हैं और अपने परिवार और समाज के लिए भी योगदान कर सकती हैं।बेटियों को शिक्षा देने से समाज में सकारात्मक परिवर्तन आ सकते हैं। इससे समाज में महिलाओं की स्थिति में सुधार हो सकता है और वे अपने अधिकारों के लिए लड़ सकती हैं। बेटियों को शिक्षा देने से आर्थिक विकास भी हो सकता है। इससे वे अपने परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार कर सकती हैं और समाज के लिए भी योगदान कर सकती है। बेटियों को शिक्षा देने से सामाजिक न्याय भी हो सकता है। इससे समाज में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव में कमी आ सकती है और वे अपने अधिकारों के लिए लड़ सकती हैं। बेटियों को शिक्षा देने से राष्ट्रीय विकास भी हो सकता है। इससे वे अपने देश के लिए योगदान कर सकती हैं और राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। [4/3, 2:00 PM] Meta AI: नारी की भूमिका समाज में बहुत महत्वपूर्ण है। वह मां, बहन, पुत्री, पत्नी और सृष्टि दायिका के रूप में समाज में महत्वपूर्ण योगदान देती है। नारी की शक्ति और सुंदरता जीवन को समृद्ध बनाती है और हमें प्रेम, करुणा और सहानुभूति की शिक्षा देती है। नारी की भूमिका समाज में बहुत व्यापक है, और वह समाज में एक अच्छा नागरिक बनने में मदद करती है, सृष्टि को आगे बढ़ाने में मदद करती है और समाज में जीवन के मूल्यों को सिख बिहार की महिलाएं विदुषी की सूची में कई प्रमुख नाम शामिल हैंः अपालाः अपाला एक प्राचीन भारतीय विदुषी थीं, जिन्होंने ऋग्वेद में कई सूक्तों की रचना की थी।घोषाः घोषा एक प्राचीन भारतीय विदुषी थीं, जिन्होंने ऋग्वेद में कई सूक्तों की रचना की थी। मध्यकाल की विदुषी महिलाएं में . विद्यापति की पत्नीः विद्यापति की पत्नी एक मध्यकालीन विदुषी थीं, जिन्होंने अपने पति के साथ मिलकर कई साहित्यिक कृतियों की रचना की थी।. रानी केमावरः रानी केमावर एक मध्यकालीन विदुषी थीं, जिन्होंने अपने पति के साथ मिलकर कई साहित्यिक कृतियों की रचना की थी। गौतमी , गुणवती विदुषी थी । आधुनिक काल की विदुषी महिलाएं में सरस्वती चौधरीः सरस्वती चौधरी एक आधुनिक काल की विदुषी थीं, जिन्होंने हिंदी साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया था।कुसुम कुमारीः कुसुम कुमारी एक आधुनिक काल की विदुषी थीं, जिन्होंने हिंदी साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। निर्मला पुतुलः निर्मला पुतुल एक आधुनिक काल की विदुषी हैं, जिन्होंने हिंदी साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भारती एवं सरस्वती वैदिक विदुषी एवं आधुनिक काल की संस्कृत साहित्य के विद्वान मंडन मिश्र की पत्नी भारती विदुषी थी । मीना कुमारीः मीना कुमारी एक आधुनिक काल की विदुषी हैं, जिन्होंने हिंदी साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वैदिक काल में बिहार की कई विदुषी महिलाएं थीं, जिन्होंने वेदों और उपनिषदों में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। यहाँ कुछ प्रमुख नाम हैंः ऋग्वेद की विदुषी महिलाएं 1. अपालाः अपाला एक प्राचीन भारतीय विदुषी थीं, जिन्होंने ऋग्वेद में कई सूक्तों की रचना की थी। 2. घोषाः घोषा एक प्राचीन भारतीय विदुषी थीं, जिन्होंने ऋग्वेद में कई सूक्तों की रचना की थी। 3. विश्ववराः विश्ववरा एक प्राचीन भारतीय विदुषी थीं, जिन्होंने ऋग्वेद में कई सूक्तों की रचना की थी। 4. शश्वतीः शश्वती एक प्राचीन भारतीय विदुषी थीं, जिन्होंने ऋग्वेद में कई सूक्तों की रचना की थी। यजुर्वेद की विदुषी महिलाएं 1. अदितिः अदिति एक प्राचीन भारतीय विदुषी ने यजुर्वेद में कई सूक्तों की रचना की थी। 2. दितिः दिति एक प्राचीन भारतीय विदुषी ने यजुर्वेद में कई सूक्तों की रचना की थी। 3. दनुः दनु एक प्राचीन भारतीय विदुषी ने यजुर्वेद में कई सूक्तों की रचना की थी। उपनिषदों की विदुषी महिलाएं1. गार्गीः गार्गी एक प्राचीन भारतीय विदुषी थीं, जिन्होंने उपनिषदों में कई महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे थे। 2. मैत्रेयीः मैत्रेयी एक प्राचीन भारतीय विदुषी थीं, जिन्होंने उपनिषदों में कई महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे थे। वैदिक काल की प्रमुख महिला विद्वानों में बिहार की मैत्रेयी, गार्गी, लोपामुद्रा, विश्वम्भरा, अपाला, घोषा, सकटा, और निवावरी शामिल हैं । मैत्रेयी एक ब्रह्मवादिनी और विद्वान महिला ने समय की सबसे विद्वान महिलाओं में से एक माना जाता था. मैत्री ऋषि की पुत्री मैत्रेयी थीं । ऋषि मैत्री मिथिला में विदेह साम्राज्य में रहते थे । ऋषि वाचकन्वी की पुत्री गार्गी वैदिक समय की महान विद्वान थीं. लोपामुद्रा, अगस्त्य ऋषि की पत्नी लोपमुद्रा ने ऋग्वेद के दो छंदों की रचना की थी. अत्रि ऋषि की पुत्री अपाला थीं ।ब्रह्मवादिनी - वह महिला जो कभी विवाह नहीं करती और अपना जीवन वेदों के अध्ययन में बिताती थी । गार्गी, मैत्रेयी और लोपामुद्रा वैदिक युग की प्रमुख महिला दार्शनिक थीं। गार्गी, ऋषि वाचकन्वी की बेटी थी और वह वैदिक समय की एक महान विद्वान थी। अगस्त्य ऋषि की पत्नी लोपामुद्रा ने ऋ... वेदों में, गार्गी, मैत्रेयी, विश्वम्भरा, और अपाला, घोषा, लोपामुद्रा, सकता, और निवावरी जैसी कुछ महिला विद्वानों का उल्लेख किया गया है। मैत्रेयी एक दार्शनिक और विद्वान थीं, जो वैदिक काल में रहीं। उन्हें अपने समय की सबसे विद्वान महिलाओं में से एक माना जाता था। उत्तरः मैत्रेयी और गार्गी दो विद्वान महिलाएँ थीं जो प्रारंभिक वैदिक काल के दौरान रहती थीं। वैदिक काल के दौरान, शैक्षणिक महिलाओं के दो मुख्य वर्ग क्या थे? ब्रह्मवादिनी वह महिला है जिसने कभी विवाह नहीं किया । अपाला अत्रि ऋषि की कन्या थीं । और लोपामुद्रा अगस्त्य ऋषि की पत्नी थी । वैदिक काल की विदुषी घोषा, लोपामुद्रा, विश्वहारा, इंद्राणी का पूरी दुनिया में डंका था । वैदिक काल की विदुषी घोषा, लोपामुद्रा, विश्वहारा, इंद्राणी, शची, अपाला व अन्य का पूरी दुनिया में डंका बजता था। प्राचीन काल में शिक्षिकाओं की चार श्रेणियां थी। वे शिक्षा के आधार पर आचार्या, उपाध्याया, श्रोत्रिया और अध्यापिका थी ।अध्ययनों के अनुसार प्रारंभिक वैदिक काल में महिलाओं को बराबरी का दर्जा और अधिकार मिलता था। ... कुछ समुदायों में सती, जौहर और देवदासी जैसी परंपराओं पर प्रतिबंध लगा दिया गया था और आधुनिक भारत में ये काफ़ी हद तक समाप्त हो चुकी हैं। वैदिक काल में कन्या. अपनी इच्छा से विवाह कर सकती थी । नारियों में बाल विवाह पर्दा प्रथा नहीं थी । वे घर से बाहर स्वच्छन्दतापूर्वक. आ-जा सकती थीं । विधवाएँ पुनर्विवाह कर सकती थीं । अथर्ववेद में .विदुषी सुलभा महाराज जनक के राज्य की परम विदुषी थी। इन्होंने शास्त्रार्थ में राजा जनक को हराया एवं स्त्री शिक्षा के लिए शिक्षणालय की स्थापना की। विदुषी लोपामुद्राःथी । विश्व की महिलाएं विदुषी , समाज , राजनीत , शिक्षा , आर्थिक आदि लोकप्रिय कार्य में सक्रिय रही है । यूरोपीय और ब्रिटिश की ओलिम्पे डी गौजेस : फ्रांसीसी क्रांति में, घोषित किया गया कि महिलाएं पुरुषों के बराबर थीं मैरी वोलस्टोनक्राफ्ट : ब्रिटिश लेखिका और दार्शनिक, आधुनिक नारीवाद की जननी , हेरिएट मार्टिनो : राजनीति, अर्थशास्त्र, धर्म, दर्शन पर एमेलिन पंकहर्स्ट : प्रमुख ब्रिटिश महिला मताधिकार क्रांतिकारी; संस्थापक, महिला सामाजिक और राजनीतिक संघ, 1903 सिमोन डी बोवुआर : 20वीं सदी की नारीवादी सिद्धांतकार ,अमेरिकियों में जूडिथ सार्जेंट मरे : अमेरिकी लेखिका जिन्होंने प्रारंभिक नारीवादी निबंध लिखा ,मार्गरेट फुलर : ट्रान्सेंडैंटलिस्ट लेखिका ,एलिजाबेथ कैडी स्टैंटन : महिला अधिकार और महिला मताधिकार सिद्धांतकार और कार्यकर्ता सुसान बी. एंथोनी : महिला अधिकार और महिला मताधिकार की प्रवक्ता और नेता ,लूसी स्टोन : उन्मूलनवादी, महिला अधिकार अधिवक्ता , एलिस पॉल : महिलाओं के मताधिकार के अंतिम विजयी वर्षों की प्रमुख आयोजक , कैरी चैपमैन कैट : महिला मताधिकार के लिए लंबे समय से आयोजक, अंतर्राष्ट्रीय मताधिकार नेताओं को संगठित किया ,बेट्टी फ्राइडन : नारीवादी जिनकी पुस्तक ने तथाकथित “दूसरी लहर” को शुरू करने में मदद की ,ग्लोरिया स्टीनम : सिद्धांतकार और लेखिका जिनकी सुश्री पत्रिका ने “दूसरी लहर” को आकार देने में मदद की ,हत्शेपसुत : मिस्र का फिरौन जिसने पुरुष शक्तियों को अपने लिए ले लिया , मिस्र की क्लियोपेट्रा : मिस्र की अंतिम फ़राओ, रोमन राजनीति में सक्रिय ,गैला प्लासिडिया : रोमन महारानी और रीजेंट ,बौडीका (या बोआडिसिया) : सेल्ट्स की योद्धा रानी थियोडोरा , बाइज़ैन्टियम की महारानी, जस्टिनियन से विवाहित , कैस्टिले और आरागॉन की इसाबेला प्रथम , स्पेन की शासक, जिन्होंने अपने पति के साथ एक साझेदार शासक के रूप में, मूरों को ग्रेनेडा से खदेड़ दिया, अपरिवर्तित यहूदियों को स्पेन से बाहर निकाल दिया, क्रिस्टोफर कोलंबस की नई दुनिया की यात्रा को प्रायोजित किया, इनक्विजिशन की स्थापना की , इंग्लैंड की महारानी एलिजाबेथ प्रथम , जिनके लंबे शासन को सम्मान देते हुए उस समय को एलिजाबेथ युग कहा गया। आधुनिक काल में रूस की कैथरीन द ग्रेट : रूस की सीमाओं का विस्तार किया और पश्चिमीकरण और आधुनिकीकरण को बढ़ावा दिया ,स्वीडन की क्रिस्टीना : कला और दर्शन की संरक्षक, रोमन कैथोलिक धर्म में धर्मांतरण के बाद धर्म त्याग दिया ,महारानी विक्टोरिया : एक और प्रभावशाली रानी जिसके नाम पर एक पूरा युग अंकित है ,सिक्सी (त्जु-हसी या ह्सियाओ-चिन) , चीन की अंतिम विधवा महारानी, जिन्होंने विदेशी प्रभाव का विरोध करते हुए अपार शक्ति का प्रयोग किया और आंतरिक रूप से मजबूती से शासन किया , इंदिरा गांधी : भारत की प्रधानमंत्री , गोल्डा मेयर : योम किप्पुर युद्ध के दौरान इजरायल की प्रधानमंत्री ,मार्गरेट थैचर : ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने सामाजिक सेवाओं को खत्म कर दिया , कोराजोन एक्विनो : फिलीपींस के राष्ट्रपति, सुधारवादी राजनीतिक उम्मीदवा , सरोजिनी नायडू : कवियित्री और राजनीतिक कार्यकर्ता, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली भारतीय महिला अध्यक्ष ,यूरोपीय और ब्रिटिश का जोन ऑफ आर्क : महान संत और शहीद ,मैडम डी स्टेलः बुद्धिजीवी और सैलूनिस्ट ,अमेरिकी की बारबरा जॉर्डन : कांग्रेस के लिए निर्वाचित पहली दक्षिणी अफ्रीकी अमेरिकी महिला ,मार्गरेट चेस स्मिथ : मेन से रिपब्लिकन सीनेटर, सदन और सीनेट दोनों के लिए चुनी गई पहली महिला, रिपब्लिकन पार्टी के सम्मेलन में नामांकन में अपना नाम रखने वाली पहली महिला ,एलेनोर रूजवेल्ट : फ्रेंकलिन डेलानो रूजवेल्ट की पत्नी और विधवा, पोलियो से पीड़ित राष्ट्रपति के रूप में उनकी “आंखें और कान”, और स्वयं एक मानवाधिकार कार्यकर्ता बिंजेन की हिल्डेगार्ड : मठाधीश, रहस्यवादी और दूरदर्शी, संगीत की रचयिता और अनेक धर्मनिरपेक्ष और धार्मिक विषयों पर पुस्तकों की लेखिका ,कीव की राजकुमारी ओल्गा : उनके विवाह के कारण कीव (जो बाद में रूस बन गया) ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गया, उन्हें रूसी रूढ़िवादी चर्च का पहला संत माना जाता है ,जीन डी'अल्ब्रेट (नवरे की जीन): फ्रांस में ह्यूगनॉट प्रोटेस्टेंट नेता, नवरे की शासक, हेनरी चतुर्थ की मां ,अमेरिकी मैरी बेकर एडी : क्रिश्चियन साइंस की संस्थापक, उस धर्म के प्रमुख धर्मग्रंथों की लेखिका, द क्रिश्चियन साइंस मॉनिटर की संस्थापक , आविष्कारक और वैज्ञानिक हाइपेटिया : दार्शनिक, गणितज्ञ, और ईसाई चर्च द्वारा शहीद ,सोफी जर्मेन : गणितज्ञ जिनके काम का उपयोग आज भी गगनचुंबी इमारतों के निर्माण में किया जाता है । एडा लवलेस : गणित में अग्रणी, ऑपरेटिंग सिस्टम या सॉफ्टवेयर की अवधारणा बनाई ,मैरी क्यूरी : आधुनिक भौतिकी की जननी, दो बार नोबेल पुरस्कार विजेता ,मैडम सीजे वाकर : आविष्कारक, उद्यमी, करोड़पति, परोपकारी ,मार्गरेट मीड : मानवविज्ञानी ,जेन गुडॉल : प्राइमेटोलॉजिस्ट और शोधकर्ता, अफ्रीका में चिम्पांजी के साथ काम किया , चिकित्सा एवं नर्सिंग ,ट्रोटा या ट्रोटुला : एक मध्यकालीन चिकित्सा लेखक (संभवतः) ,फ्लोरेंस नाइटिंगेल : नर्स, सुधारक, नर्सिंग के लिए मानक स्थापित करने में मदद की ,डोरोथिया डिक्स : मानसिक रूप से बीमार लोगों की वकील, अमेरिकी गृहयुद्ध में नर्सों की पर्यवेक्षक ,क्लारा बार्टन : रेड क्रॉस की संस्थापक, अमेरिकी गृहयुद्ध में नर्सिंग सेवाओं का आयोजन किया ,एलिजाबेथ ब्लैकवेल : मेडिकल स्कूल से स्नातक (एमडी) करने वाली पहली महिला और चिकित्सा में महिलाओं को शिक्षित करने में अग्रणी ,एलिजाबेथ गैरेट एंडरसन : ग्रेट ब्रिटेन में चिकित्सा योग्यता परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने वाली प्रथम महिला; ग्रेट ब्रिटेन में प्रथम महिला चिकित्सक; महिलाओं के मताधिकार और उच्च शिक्षा में महिलाओं के अवसरों की समर्थक; इंग्लैंड में मेयर के रूप में निर्वाचित होने वाली प्रथम महिला ,सामाजिक सुधार अमेरिकियों में जेन एडम्स : हल-हाउस और सामाजिक कार्य पेशे की संस्थापक ,फ्रांसिस विलार्ड : संयम कार्यकर्ता, वक्ता, शिक्षक , हेरिएट टबमैन : स्वतंत्रता साधक; भूमिगत रेल कंडक्टर; उन्मूलनवादी; जासूस, सैनिक, और गृहयुद्ध में नर्स; महिला मताधिकार कार्यकर्ता ,सोजर्नर ट्रुथ : अश्वेत उन्मूलनवादी जिन्होंने महिला मताधिकार की भी वकालत की और व्हाइट हाउस में अब्राहम लिंकन से मुलाकात की , मैरी चर्च टेरेल : नागरिक अधिकार नेता, नेशनल एसोसिएशन ऑफ कलर्ड वीमेन की संस्थापक, चार्टर सदस्य ,इडा वेल्स-बार्नेट : लिंचिंग विरोधी योद्धा, रिपोर्टर, नस्लीय न्याय के लिए एक प्रारंभिक कार्यकर्ता ,रोजा पार्क्स : नागरिक अधिकार कार्यकर्ता, विशेष रूप से मोंटगोमरी, अलबामा में बसों में भेदभाव समाप्त करने के लिए जानी जाती हैं ।अधिक ,एलिजाबेथ फ्राई : जेल सुधार, मानसिक शरण सुधार, अपराधी जहाजों का सुधार , वांगारी मथाई : पर्यावरणविद्, शिक्षक ,लेखक सप्पो : प्राचीन ग्रीस की कवियित्री , अफ्रा बेहनः लेखन के माध्यम से आजीविका चलाने वाली पहली महिला; नाटककार, उपन्यासकार, अनुवादक और कवि , लेडी मुरासाकी : उन्होंने दुनिया का पहला उपन्यास, द टेल ऑफ़ जेनजी लिखा था। ,हेरिएट मार्टिनोः अर्थशास्त्र, राजनीति, दर्शन, धर्म के बारे में लिखा ,जेन ऑस्टेन : रोमांटिक काल के लोकप्रिय उपन्यास लिखे ,चार्लोट ब्रोंटे : अपनी बहन एमिली के साथ, 19वीं सदी के आरंभिक महिलाओं द्वारा लिखे गए प्रमुख उपन्यासों की लेखिका ,एमिली डिकिंसन : आविष्कारशील कवि और एकान्तवासी , सेल्मा लेजरलोफ : साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार जीतने वाली पहली महिला ,टोनी मॉरिसन : साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाली पहली अफ्रीकी अमेरिकी महिला (1993), एलिस वाकर : द कलर पर्पल की उच्च लेखिका; पुलित्जर पुरस्कार; ज़ोरा नील हर्सटन की पुनःस्थापित कृति; महिला खतने के विरुद्ध किया था। रणादायक माई जेमिसन ,शिमोन सोलोमन द्वारा लिखित माइटेलीन गार्डन में सप्पो और एरिना ,प्राचीन विश्व की महिला लेखिकाएँ ,लूसी स्टोन, लगभग 1865 ,लुसी स्टोन की जीवनी, उन्मूलनवादी और महिला अधिकार सुधारक, “बोडिसिया और उसकी सेना” 1850 उत्कीर्णन ,प्राचीन एवं शास्त्रीय विश्व की महिला शासक , मार्था वॉशिंगटन लगभग 1790 ,मार्था वाशिंगटन - अमेरिका की प्रथम प्रथम महिला थी।

# रमजान पवित्र महीना

मो. हकीम अतिथि संपादक, वर्ल्ड वाइज न्यूज

मन की पवित्रता, धर्म को मूर्त करता है। रमजान का महीना चल रहा है। दुनिया के इस्लाम धर्मावलंबी इस समय धार्मिक पवित्रता के लिए उपवास रख रहे हैं। इसकी पहचान धार्मिक उन्माद में नहीं है। संस्कृत मे कहा गया है, धारते तिति धर्मः अर्थात मन वचन और कर्म से धर्म की पहचान होती है। मात्र उपवास रखने से ईश्वर प्रसन्न नहीं होते, बल्कि उपवास काल में आपसी सद्भाव और प्रेम प्रदर्शित करने से रमजान की प्रतिष्ठा बढ़ती है और मनुष्य अपने आचरण व्यवहार से रमजान की प्रतिष्ठा बढ़ाते हैं। मात्र दिखावा करना धर्म का प्रदर्शन है, धर्म नहीं है। मैं अपील करता हूं कि सभी रमजान महीने में रोजा रखने वाले मन, वचन और कर्म से धार्मिक बनें। इससे समाज में

इस्लाम की प्रतिष्ठा बढ़ेगी और आपस में धार्मिक सद्भभाव बना रहेगा।

**निवेदक**
**मोहम्मद हकीम**
**महासचिव**
**खतियानी परिवार**

# समय और घटना किसी के बस में नहीं

हरिशंकर व्यास

इंदिरा गांधी ने असली कांग्रेस को पार्टी तोड़ कर खत्म किया था। वही नरेंद्र मोदी ने बिना कुछ किए ही भाजपा और संघ परिवार को अपने रंग में डाला है। सौ टका सत्ता आश्रित बना दिया है।सोचें, दिल्ली में मुख्यमंत्री के नए चेहरे के हवाले भाजपा के कुल नए अर्थ पर। भाजपा अब क्या है? दो, सिर्फ दो नेताओं के करिश्मे पर आश्रित पार्टी। एक, 74 वर्षीय नरेंद्र मोदी और दूसरे 52 वर्षीय योगी आदित्यनाथ। दोनों की उम्र में 22 वर्ष का फर्क। ऐसे में नरेंद्र मोदी यदि 2034 तक प्रधानमंत्री रहते है (कोई अनहोनी नहीं, मोरारजी देसाई 81 वर्ष की उम्र में प्रधानमंत्री बने थे और 28 महीने पद पर रह कर 84 वर्ष की उम्र में रिटायर हुए थे) तब वे 84 साल के होंगे और योगी आदित्यनाथ 64 वर्ष के। तब उनका विकल्प योगी को उत्तराधिकार सुपुर्द करने का होगा। यदि मोदी को इतने लंबे समय तक राज करना है तो मेरा मानना है कि वे उत्तर प्रदेश और हिंदी भाषी भक्तों के लिए योगी को लगातार मुख्यमंत्री बनाए रखेंगे। यह भारतीय राजनीति का नया कीर्तिमान होगा। साथ ही भारत के भविष्य का अकल्पनीय सिनेरियो भी। क्योंकि मोदी के हिंदुत्व और योगी के हिंदुत्व के तीस-चालीस साल में भारत अंदरूनी तौर पर जो बनेगा, वह छुपा नहीं रहना है। संभवतया यह सिनेरियो नामुमकिन लग रहा हो। तब जरा नई भाजपा पर गौर करें? सन् 2019 के बाद से आरएसएस को दरकिनार कर प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा का चेहरा, चरित्र ही बदल डाला है। भारत की पार्टियों और आजाद भारत का इतिहास है कि केंद्र सरकार की सत्ता तभी संभव है जब राष्ट्रीय चेहरों की धुरी पर पार्टी का विकास हो। साथ ही क्षत्रपों की स्वयंभू ताकत पर पार्टी संगठित हो। जनसंघ-भाजपा के इतिहास में श्यामा प्रसाद, बलराज मधोक, वाजपेयी यदि धुरी थे तो उसकी पहली दिल्ली की सत्ता में लोकल नेताओं (पंजाबी तिकड़ी- मल्होत्रा, साहनी, खुराना) का योगदान था। अटल बिहारी वाजपेयी से हिंदी प्रदेशों में गूंज थी तो साथ में भैरो सिंह शेखावत, शांता कुमार, मंगल सेन, माधवकांत त्रिपाठी, कैलाशपति मिश्र, कैलाश जोशी, केशुभाई, जगन्नाथ राव जोशी, येदियुरप्पा, मनोहर पार्रिकर, कल्याण सिंह, प्रमोद महाजन की जातीय-लोकल क्षत्रप राजनीति से भी जनसंघ-भाजपा की सत्ता सीढियां बनी थी। संगठन के चेहरों में दीनदयाल उपाध्याय, नानाजी देशमुख, सुंदर सिंह भंडारी, कुशाभाऊ ठाकरे, लालकृष्ण आडवाणी आदि से संगठन को गति थी लेकिन जनभावना का ग्राफ तो चेहरों से ही बना था। वह सब क्या भाजपा में अब है? भाजपा में जनता से सरोकार के चेहरे कितने हैं? जरा गौर करें इन चेहरों पर- भूपेंद्र भाई पटेल (गुजरात, उम्र 62 वर्ष), मोहन यादव (मध्य प्रदेश, उम्र 59), देवेंद्र फडनवीस (महाराष्ट्र, उम्र 54), मोहनचरण मांझी (ओडिसा, उम्र 53), भजनलाल शर्मा (राजस्थान, उम्र 58), पुष्कर सिंह धामी (उत्तराखंड, उम्र 49), नायब सिंह सैनी (हरियाणा, उम्र 55), प्रमोद सावंत (गोवा, उम्र 51), विष्णुदेव साय (छतीसगढ़, उम्र 60), रेखा गुप्ता (दिल्ली, उम्र 50) भाजपा के अब सत्तावान चेहरे हैं। बाकी में पेमा खांडू (अरूणाचल, उम्र 45), हिमंत बिस्वा सरमा (असम, उम्र 56) और त्रिपुरा के मानिक शाह कांग्रेस से आयातित हैं। आखिर में उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ (उम्र 52 वर्ष) हैं, जिसके एक हिंदू आईकॉन के चेहरे के आगे सभी जीरो हैं! तो पहली बात नरेंद्र मोदी और प्रदेश मुख्यमंत्रियों की आयु व कद में इतना गैप है कि कोई दिल्ली में प्रधानमंत्री पद की कुर्सी की महत्वाकांक्षा पाल ही नहीं सकता। सभी नरेंद्र मोदी के द्वारा बनाए गए हैं। इन्हे प्रदेशो के स्थापित, पुराने चेहरों को हाशिए में डाल कर बनाया गया है तो जाहिर है सभी राज्यों में भाजपा का पूरा ढांचा दिल्ली की खड़ाऊ है। मोदी के इंजन के पीछे, निराकार ड्राइवरों के घसीटते इंजन हैं। सभी नरेंद्र मोदी पर आश्रित। उन्हीं द्वारा, उन्हीं के लिए, उन्हीं को समर्पित चेहरे हैं। किसी का अपना कोई स्वतंत्र वजूद नहीं। ऐसे ही लगभग केंद्रीय कैबिनेट में स्थिति है। ऐसा भारत की राजनीति में पहले कभी नहीं हुआ। नेहरू, इंदिरा, वाजपेयी किसी के भी राज में नहीं। इसलिए यदि नरेंद्र मोदी अपना राज 2034 तक चलाए रखें तो कोई बाधा नहीं है। यह गलतफहमी नहीं रखें कि यह नई राजनीति आरएसएस अनुसार है। जैसा मैंने ऊपर लिखा है, सन् 2019 से मुख्यमंत्रियों, सत्ता के केंद्रों का फैसला सिर्फ और सिर्फ नरेंद्र मोदी की रणनीति से है। इसलिए जो नया (नई पीढ़ी, नया ढांचा) होता लग रहा है वह संघ-भाजपा के दीर्घकालीन उद्देश्यों, या किसी उत्तराधिकारी योजना में नहीं है, बल्कि एक ही ऊंगली पर गोवर्धन पर्वत की स्थायी व्यवस्था की खातिर है।

## सुंदरता बढ़ाने और सेहतमंद बनने के लिए इस्तेमाल करें तेजपत्ता

तेजपत्ते का इस्तेमाल केवल खाने में डालने तक ही सीमित नही हैं। कई लोगों को ये जानकर हैरानी हो सकती है कि तेजपत्ते के इस्तेमाल से आप अपनी त्वचा व बालों को भी फायदा पहुंचा सकते हैं। आइए, जानते हैं कि किस तरह से आप तेजपत्ते को अपनी सुंदरता बढ़ाने और सेहतमंद बनने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

- चेहरे पर दाग, धब्बे या मुहांसे होने पर तेजपत्ता काफी लाभदायक होता है। तेजपत्ते का लेप या फिर तेजपत्ता डालकर उबाले गए पानी से चेहरा धोना, चेहरे को साफ और बेदाग बनाए रखने में मदद करता है।
- तेजपत्ते का पानी सूर्य की किरणों से प्रभावित त्वचा को भी ठीक करने में मदद करता है, और त्वचा की रंगत को समान बनाए रखने में मदद करता है।
- बालों को नर्म, मुलायम और चमकदार बनाए रखने के लिए तेजपत्ते का उपयोग बेहद असरकारक होता है। आप चाहें तो इसे तेल में डालकर उस तेल को बालों की जड़ों में लगा सकते हैं, या फिर इसके पानी से बालों को धो सकते हैं।
- तेजपत्ते का लेप बनाकर बालों में लगाने से रूसी की समस्या से निजात मिल सकती है। इसे लेप को दही में मिलाकर भी लगाया जा सकता है, ताकि सिर की त्वचा में नमी बनी रहे और पोषण भी मिले।
- तेजपत्ते को सुखाकर उसके पाउडर को मंजन की तरह इस्तेमाल करना, दांतों की सफेदी और चमक बरकरार रखने में कारगर है। आप चाहें तो इसे सप्ताह में एक दिन आजमा सकते हैं।
- अगर किसी को काफी समय से कमर दर्द हो, तो इस काढ़े को पीने से जल्दी आराम मिलता है। आप चाहें तो कमर पर तेजपत्ते के तेल से मालीश भी कर सकते है।
- शीत लहर से होने वाले शारीरिक दर्द को भी ये काढ़ा दूर करने में मदद करता है। इसके लिए आप 10 ग्राम तेजपत्ता, 10 ग्राम अजवायन और 5 ग्राम सौंफ को एक साथ पीसकर मिश्रण तैयार कर लें। अब इस मिश्रण को 1 लीटर पानी में डालकर अच्छी तरह से उबाल लें। जब पानी उबलने के बाद 100-150 मिलीलीटर बच जाए तो गैस बंद कर दें। कुछ देर बाद जब ये मिश्रण ठंडा जाएगा तो आपका काढ़ा पीने के लिए तैयार है।
- अगर कही पर मोच आ गई हो, तो सूजन और दर्द से राहत देने में तेजपत्ते का काढ़ा सहायक होता है। आप चाहें तो तेजपत्ता को पीसकर उसका लेप भी दर्द वाली जगह पर लगा सकते हैं इससे भी राहत मिलती है।
- अगर नसों में सूजन हो या नसों में खिंचाव, तो भी तेजपत्ते का काढ़ा आराम पहुंचाता है।

## गठिया का दर्द सोख लेती हैं ये चीजें, जड़ से खत्म होगी दर्दनाक तकलीफ

**आर्थराइटिस पेन को गठिया का दर्द भी कहा जाता है। जिसे कम करने के लिए कुछ चीजों का सेवन करना चाहिए। शोधों में इन फूड्स को दर्द और इंफ्लामेशन से छुटकारा दिलाने वाला पाया गया है।**

बुढ़ापे के साथ जोड़ों का दर्द  भी आना आम बात है। इस रोग को गठिया या आर्थराइटिस भी कहा जाता है। उम्र के साथ घुटनों, कोहनी आदि हड्डी के जोड़ों की मूवमेंट कम होने लगती है और इंफ्लामेशन बढ़ने लगती है। जिसकी वजह से सूजन, दर्द, अकड़न जैसे लक्षण दिखने लगते हैं। इस बीमारी में कुछ एंटी-इंफ्लामेटरी फूड्स रामबाण साबित हो सकते हैं। इन खाद्य पदार्थों में दर्द को कम करने वाली शक्ति होती है। इसलिए घर के बड़े-बुजुर्गों को इन चीजों का सेवन जरूर करवाएं।

### सेब है गठिया का इलाज

सेब खाकर गठिया के दर्द से राहत पाई जा सकती है। क्योंकि, इसे मोटापे से आई सूजन व इंफ्लामेशन को कम करने में मददगार देखा गया है। जिससे मोटापे के शिकार लोगों में जोड़ों के दर्द में भी कमी देखी गई।

### खाने में अच्छी तरह डालें अदरक और हल्दी

अदरक और हल्दी को आयुर्वेद में कई रोगों की दवा माना जाता है। क्योंकि यह एंटी-इंफ्लामेटरी गुणों का भंडार हैं। इन्हें औषधि या भोजन के रूप में लेने पर दर्द, सूजन आदि लक्षणों से राहत पाई जा सकती है।

### स्ट्रॉबेरी, क्रैनबेरी, ब्लैकबेरी

सभी बेरीज में विटामिन सी और अन्य एटीऑक्सीडेंट्स की भरमार होती है। आर्थराइटिस फाउंडेशन के मुताबिक, इनमें गठिया से लड़ने वाले गुण होते हैं।

### मशरूम है लाभदायक

मशरूम के अंदर फेनोलिक, इंडोलिक, मायकोस्टेरोइड्स, फैटी एसिड, कैरोटेनोइड्स, विटामिन और बायोमेटल जैसे कई सारे एंटी-इंफ्लामेटरी कंपाउंड होते हैं। यह सभी तत्व आर्थराइटिस के इलाज में मदद करते हैं।

### अनार खाने के फायदे

अनार के अंदर टैनिन काफी मात्रा में होते हैं। इनमें एंटी-इंफ्लामेटरी गुण पाए जाते हैं। जो घुटनों के दर्द से राहत दिलाने में मदद करते हैं। इसलिए गठिया के मरीजों के लिए इसका सेवन फायदेमंद माना जाता है

## पके कटहल को करें डाईट में शामिल

कटहल हर कोई खाना पसंद करता है। इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही आवश्यक है। पके कटहल में प्रोटीन भी बहुत ही अधिक मात्रा में पाया जता है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम हृदय संबंधी समस्याओं को दूर रखने में मदद करता है। कटहल आपके लिवर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता है। तो चलिए आपको बताते हैं कि पका कटहल खाने से आपकी सेहत को और कौन-कौन से फायदे हो सकते हैं.

### कटहल के पत्ते भी हैं फायदेमंद

कटहल ही नहीं बल्कि उसके पत्ते भी आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। जिनके मुंह में छाले की समस्या होती है उन्हे कटहल के पत्ते को चबाना चाहिए। इससे उनकी मुंह के छालों में काफी आराम मिलेगा।

### पाचन मजबूत

गर्मियों में यदि आपको खाना नहीं पच पाता तो आप पके हुए कटहल को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करके आपका वजन सुधारने में भी मदद करता है।

### इम्यूनिटी होगी स्ट्रांग

पके कटहल में विटामिन सी भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन-सी आपके शरीर में एक एंटीऑक्सीडेंट के रुप में कार्य करता है। इसका सेवन करने से आपकी इम्यूनिटी स्ट्रांग होती है। साथ ही यह आपके शरीर के लिए इम्यूनिटी बूस्टर की तरह काम करता है।

### लिवर रहता है स्वस्थ

पके कटहल का सेवन करने से आपका लिवर भी स्वस्थ रहता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व आपके लिवर को मजबूत बनाते हैं। इसमें राइबोफ्लेविन, जिंक, कॉपर और नाइसिन जैसे तत्व पाए जाते हैं जो लिवर को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

### दिल रहेगा स्वस्थ

पका हुआ कटहल आपके हृदय के लिए भी बहुत ही लाभकारी माना जाता है। इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

### वजन होगा कम

पके हुए कटहल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं जो आपके शरीर में बढ़ते हुए मोटापे को रोकने में मदद करते हैं। इसका अलावा इसे रेसवेरास्ट्रॉल नाम के एंटीऑक्सीडेंट का भी बहुत ही अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह आपके रक्त के संचार को कंट्रोल करन में भी मदद करता है।

## दिल की बीमारी के खतरे को कम करता है किचन में रखा ये तेल

**सरसों को तेल हमारे किचन में बहुत आसानी से उपलब्ध होता है और यह हमारे स्वास्थ्य के लिए अच्छा भी होता है। लेकिन क्या आपको यह पता है कि यह हमारे हार्ट हेल्थ के लिए कितना अच्छा है। सरसों के तेल की खासियत बहुत कम लोगों को पता है। सरसों का तेल विटामिन, मिनरल्स, कैल्शियम और आयरन जैसे तत्वों से भरपूर होता है, जो आपको सेहतमंद रखने में मदद करते हैं। यह आपके हार्ट के लिए कैसे अच्छा और इसके फायदे क्या है।**

### अल्फा-लिनोलेनिक एसिड

सरसों के तेल में अल्फा-लिनोलेनिक एसिड पाया जाता है, जो एक प्रकार का ओमेगा-3 फैटी एसिड है और यह शरीर के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। आमतौर पर यह हृदय रोगों को नियंत्रित करने में मदद करता है।

### कोलेस्ट्रोल को कंट्रोल करता है

सरसों के तेल के प्रत्येक 100 ग्राम में करीब 60 से 70 प्रतिशत मोनोअनसैचुरेटेड फैट होता है, जो कि गुड फैट है और कोलेस्ट्रोल के स्तर को कम करने में मदद करता है । यह हर्ा डिजीज के रिस्क को भी कम करता है।

### हार्ट हेल्थ के लिए अच्छा है

रिसर्च गेट में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, सरसों के तेल में विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो हृदय की सेहत को सुरक्षित रखने मदद कर सकते हैं। इन तत्वों के नियमित सेवन से हृदय रोग का खतरा कम हो जाता है।

### इन्फ्लेमेशन को कम करना

सरसों के तेल में एंटी-इन्फ्लेमेटरी प्रॉपर्टी के गुण भी होते हैं, जो शरीर में होने वाले किसी भी प्रकार के इन्फ्लेमेशन को कम कर सकते हैं। यह हृदय संबंधी समस्याओं के रिस्क को कम करने में मदद करता है।

### इम्युनिटी स्ट्रांग होती है

सरसों के तेल में मौजूद विटामिन और खनिज तत्व शरीर को मजबूत बनाते हैं। जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और हार्ट सहित कई बीमारियों के होने का खतरा और भी कम होता है।

## दिल रहेगा एकदम स्वस्थ रुटीन में ये ट्राई करें

**कोई भी बीमारी सेहत के लिए अच्छी नहीं होती। इन दिनों खराब लाइफस्टाइल और गलत खान-पान के कारण हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। हृदय को स्वस्थ रखने के लिए अच्छी डाइट और व्यायाम करना बहुत ही जरुरी है। एक्सरसाइज करने से आपका शरीर एकदम फूर्तीला रहता है और आप बीमारियों से भी दूर रहेंगे। आज आपको कुछ ऐसी एक्सरसाइज बताएंगे जो आपके हार्ट के साथ-साथ आपके स्वस्थ शरीर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होगी। तो चलिए जानते हैं उनके बारे में.**

### कार्डियो एक्सरसाइज करें

हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आप कार्डियो एक्सरसाइज को अपनी डेली रुटीन में शामिल कर सकते हैं। इसमें जॉगिंग, साइकिलिंग और वॉक भी शामिल हैं। इससे आपके हृदय की गति तेज होगी और साथ में हृदय की मांसपेशियों की भी एक्सरसाइज होगी।

### स्ट्रेचिंग और वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज

आप अच्छे स्वास्थ्य और दिल को स्वस्थ रखने के लिए वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज और स्ट्रेचिंग भी कर सकते हैं। स्ट्रेचिंग करने से आपके शरीर में लचीलापन आता है। साथ ही वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज करने से आपका वजन कंट्रोल में रहता है और शरीर में ताकत भी आती है। वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज में आप पुशअप्स, स्क्वैट्स, पुलअप्स जैसी एक्सरसाइज को अपनी रुटीन का हिस्सा बना सकते हैं।

### जंपिंग जैक एक्सरसाइज करें

जंपिंग जैक एक्सरसाइज आपके हेल्दी हार्ट के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है। इससे आपका हृदय स्वस्थ रहता है। इससे हृदय की गति भी बहुत अच्छे से होती है।

### कैसे करें जंपिंग जैक एक्सरसाइज

.सबसे पहले आप सीधे खड़े हो जाएं।
.इसके बाद ऊपर की ओर उछलें और अपने हाथों को भी ऊपर उठा लें। .हाथ उठाने के बाद पैरों को भी फैला लें। ऐसे ही 10-15 मिनट तक करें और फिर नीचे नार्मल पॉजिशन में आ जाएं।

### हर्डल जंप करें

आप हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आप हर्डल जंप एक्सरसाइज भी कर सकते हैं। इसमें आप किसी हर्डल को लेकर उसके ऊपर से जंप करें। आप डंबल, बॉक्य या फिर किसी स्टेपर का हर्डल के रुप में इस्तेमाल कर सकते हैं। इन चीजों को आप उछल कर पार करें। इस एक्सरसाइज से आपकी हार्ट बीट तेज होगी। हार्ट बीट तेज होने से आपका दिल मजबूत बनेगा।

### बर्पी एक्सरसाइज करें

बर्पी एक्सरसाइज आपकी बाजुओं , टांगों और छाती के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है। इस एक्सरसाइज में स्क्वाट, पुशअप, जंपिंग तीनों चीजें एकसाथ की जाती है। यह तीनों एक्सरसाइज आपको एक सैट में ही करनी पड़ती हैं। इस एक्सरसाइज से आपकी हृदय गति तेज होगी और दिल की धड़कन एकदम नॉर्मल हो जाएगी।

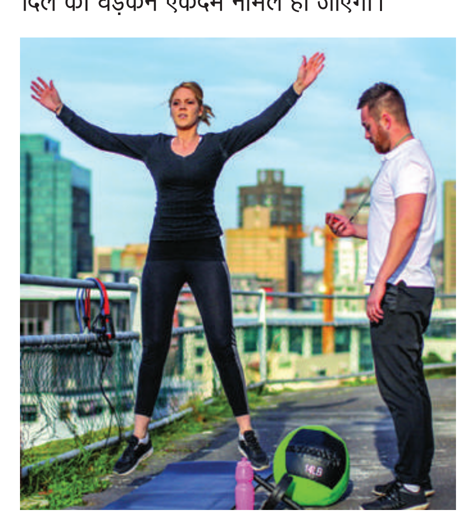

वर्ल्ड वाइज न्यूज

# चैंपियंस ट्रॉफी 2025 : रोहित शर्मा के नाम जुड़ा अनचाहा रिकॉर्ड, लगातार 11वां टॉस हारे

**नई दिल्ली।** भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने एक अनचाहा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दुबई में खेले गए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले से पहले रोहित शर्मा लगातार 11वां वनडे टॉस हार गए। इस हार के साथ उन्होंने वनडे क्रिकेट में किसी भी भारतीय कप्तान द्वारा सबसे ज्यादा लगातार टॉस हारने का रिकॉर्ड और आगे बढ़ा दिया। इस मामले में रोहित शर्मा अब नीदरलैंड के पूर्व कप्तान पीटर बोरेन के बराबर आ गए हैं, जिन्होंने 2011 से 2013 के बीच लगातार 11 बार टॉस गंवाए थे। अब रोहित वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा लगातार टॉस हारने के ऑल-टाइम रिकॉर्ड से सिर्फ एक कदम दूर हैं। यह रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के दिग्गज ब्रायन लारा के नाम दर्ज है, जिन्होंने 1998 से 1999 के बीच लगातार 12 टॉस गंवाए थे।

**वनडे में लगातार सबसे ज्यादा टॉस हारने वाले कप्तान**

- 12 - ब्रायन लारा (वेस्टइंडीज) – अक्टूबर 1998 से मई 1999
- 11 - पीटर बोरेन (नीदरलैंड) – मार्च 2011 से अगस्त 2013
- 11 - रोहित शर्मा (भारत) – नवंबर 2023 से मार्च 2025
- 9 -जोस बटलर (इंग्लैंड) – जनवरी 2023 से सितंबर 2023
- 9 - मोनांक पटेल (यूएसए) – मई 2022 से अगस्त 2022
- 9 - इयोन मोर्गन (इंग्लैंड) – जनवरी 2017 से मई 2017
- 9 - नासिर हुसैन (इंग्लैंड) – अक्टूबर 2000 से जनवरी 2002

**भारत ने बनाया सबसे ज्यादा लगातार टॉस हारने का रिकॉर्ड-** भारत ने इस मुकाबले में टॉस हारकर वनडे क्रिकेट में किसी भी टीम ने सबसे ज्यादा लगातार टॉस हारने का रिकॉर्ड भी बना दिया है। यह भारत का लगातार 14वां टॉस हार था। इससे पहले यह रिकॉर्ड नीदरलैंड के नाम था, जिसने 2011 से 2013 के बीच लगातार 11 टॉस गंवाए थे।

- 14 - भारत (19 नवंबर 2023 से 4 मार्च 2025)
- 11 - नीदरलैंड (18 मार्च 2011 से 27 अगस्त 2013)
- 9 - इंग्लैंड (27 जनवरी 2023 से 13 सितंबर 2023)
- 9 - यूएसए (29 मई 2022 से 13 अगस्त 2022)
- 9 - इंग्लैंड (22 जनवरी 2017 से 29 मई 2017)
- 9 - वेस्टइंडीज (13 अक्टूबर 2011 से 16 मार्च 2012)
- 9 - ऑस्ट्रेलिया (6 नवंबर 1998 से 24 जनवरी 1999)

भारत की टॉस हारने की यह बदकिस्मती वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल से शुरू हुई थी, जब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहम मुकाबले में भी भारत ने टॉस गंवा दिया था। इसके बाद साउथ अफ्रीका दौरे के दौरान केएल राहुल की कप्तानी में भी टीम ने लगातार टॉस गंवाए। 2024 में श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में रोहित ने तीनों टॉस हारे थे। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में भी भारतीय कप्तान तीनों टॉस हार गए। अब चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ टॉस हारने का सिलसिला जारी रहा।

**भारत के लिए टॉस हार कोई बाधा नहीं-**हालांकि, लगातार टॉस हारने के बावजूद भारतीय टीम शानदार प्रदर्शन कर रही है। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी रोहित शर्मा बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ टॉस हारने के बावजूद अपनी टीम को जीत दिलाने में सफल रहे। अब सेमीफाइनल मुकाबले में भी ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। दुबई के धीमे विकेट पर शुरुआती झटकों के बाद समाचार लिखे जाने तक ऑस्ट्रेलिया ने 30.2 ओवरों में 4 विकेट पर 159 रन का स्कोर बना लिया था।

## ऋषभ को मिलेगा लॉरियस 'वर्ल्ड कमबैक ऑफ द ईयर अवार्ड

**मुम्बई।** भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को भीषण कार हादसे के बाद भी खेल में जबरदस्त वापसी के लिए प्रतिष्ठित लॉरियस 'कमबैक ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए नामांकित किया गया है। ऋषभ को ये अवार्ड 21 अप्रैल को मैड्रिड में एक समारोह में दिया जाएगा। ऋषभ 30 दिसंबर 2022 को दिल्ली से अपने गृहनगर रुड़की जाते समय कार दुर्घटना में गंभीर रुप से घायल हो गये थे। उसके बाद वह तकरीबन सवा साल तक खेल से दूर रहे। देहरादून के एक अस्पताल में प्रारंभिक उपचार के बाद मुम्बई में बीसीसीआई के विशेषज्ञ सलाहकार की देखरेख में उनका इलाज हुआ। दाएं घुटने के तीनों लिगामेंट की सर्जरी के बाद भी इस क्रिकेटर ने हिम्मत नहीं हारी और बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अपना रिहैबिलिटेशन पूरा किया। इसके बाद वह आईपीएल में अपनी टीम दिल्ली कैपिटल्स के लिए उतरे। इसमें लय हासिल करने के बाद वह भारतीय टीम के लिए मैदान में उतरे। इस क्रिकेट ने वापसी के बाद अपने पहले मैच में भी बांग्लादेश के खिलाफ शतक बनाया था।

## आईपीएल 25 में नई जर्सी में नजर आयेंगे केकेआर के खिलाड़ी

**मुम्बई।** कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) आईपीएल 2025 में नई जर्सी में नजर आयेगी। गत विजेत केकेआर ने चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए अपनी नई जर्सी जारी कर दी है। सोशल मीडिया पर जो नई जर्सी पेश की गयी है उसमें तीन स्टार बने हुए हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स ने नई जर्सी का वीडियो भी जारी किया है। इस वीडियो में टीम की जर्सी पर तीन स्टार्स को कोरबो-लड़बो-जीतबो का सिंबल बताया गया है। गौरतलब है कि केकेआर ने अभी तक तीन बार आईपीएल खिताब जीता है। इस तरह से यह तीन स्टार उसके तीन आईपीएल खिताब के बारे में भी बताते हैं। इसके अलावा जर्सी पर गोल्डन बैज भी लगा है। केकेआर ने नई जर्सी का वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में 'कुछ कुछ होता है' फिल्म में स्टार्स काउंट करने वाला छोटा बच्चा, यहां पर भी स्टार्स काउंट कर रहा है। वह स्टार काउंट करते हुए बोलता है, कोरबो, लड़बो, जीतबो। इसके अलावा केकेआर के कई स्टार खिलाड़ी भी वीडियो में दिखाई दे रहे हैं। इन खिलाड़ियों में वेंकटेश अय्यर, रिंकू सिंह समेत कई अन्य क्रिकेटर्स शामिल हैं। गौरतलब है कि आईपीएल 2024 में केकेआर ने श्रेयस अय्यर की कप्तानी में ऐतिहासिक सफलता हासिल की थी। इस सत्र के लिए हालांकि अभी तक टीम के कप्तान को नाम सामने नहीं आया है। वहीं हाल ही में ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर ने कहा था कि अगर उन्हें अवसर दिया गया तो वह कप्तानी करने के लिए तैयार हैं। वेंकटेश को हालांकि प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में किसी भी स्तर पर कप्तानी का कोई अनुभव नहीं है। आईपीएल के 2025 सत्र की शुरुआत 22 मार्च को ईडन गार्डन्स में केकेआर और आरसीबी के बीच मुकाबले के साथ होगी। इसका समापन भी 25 मई को इसी जगह होगा।

## लियोनेल मेसी अर्जेंटीना की प्रारंभिक टीम में शामिल, मार्कोस अकुना बाहर

**ब्यूनस आयर्स।** इंटर मियामी के स्टार फॉरवर्ड लियोनेल मेसी को इस महीने उरुग्वे और ब्राजील के खिलाफ होने वाले वर्ल्ड कप क्वालीफायर मुकाबलों के लिए अर्जेंटीना की 33 सदस्यीय प्रारंभिक टीम में शामिल किया गया है। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी सूची में मैनचेस्टर सिटी के युवा मिडफील्डर क्लाउडियो एकेवेरी और बोलोग्ना के स्ट्राइकर सैंटियागो कास्त्रो को भी पहली बार जगह मिली है। हालांकि, रिवर प्लेट के डिफेंडर मार्कोस अकुना को खराब प्रदर्शन के कारण टीम में शामिल नहीं किया गया है। अर्जेंटीना की टीम 21 मार्च को मोंटेवीडियो में उरुग्वे और 25 मार्च को ब्यूनस आयर्स में ब्राजील का सामना करेगी। वर्तमान में, अर्जेंटीना 12 मैचों में 25 अंकों के साथ दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष पर है, जबकि उरुग्वे 20 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

## भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होगा चैंपियंस ट्रॉफी का खिताबी मुकाबला : डिविलियर्स

**जोहांसबर्ग ।** दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने कहा है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। लीग मुकाबलों के बाद चार टीमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंची हैं। भारतीय टीम सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम न्यूजीलैंड का मुकाबला करेगी। डिविलियर्स ने भविष्यवाणी की है कि भारत और साउथ अफ्रीका के बीच ही फाइनल खेला जाएगा। डिविलियर्स ने कहा, "चैंपियंस ट्रॉफी के दो फाइनलिस्ट बताना संभव नहीं है पर मेरी अंतरात्मा कहती है कि भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीम टी20 विश्व कप फाइनल की तरह ही यहां भी मुकाबला करेंगी। इंग्लैंड के खिलाफ जीत से दक्षिण अफ्रीका का मनोबल बढ़ा है। डिविलियर्स ने कहा, "मुझे अफ्रीकी टीम का लुक पसंद है। मार्को जेनसन शानदार फॉर्म में हैं, क्लासेन जैसे खिलाड़ी फॉर्म में हैं। रासी वैन डेर डुसेन, केशव महाराज सभी। मुझे लगता है कि भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच फाइनल बेहद रोमांचक होगा हालंकि आप निश्चित रूप से न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया की उपेक्षा नहीं कर सकते। ये दो भी उतनी ही मजबूत टीमें हैं। विशेषकर जब आईसीसी ट्रॉफी की बात आती है। तो भारतीय टीम इंडिया ने पिछले साल बारबाडोस के केंसिंग्टन में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को हराकर दूसरा टी20 विश्व कप खिताब जीता था।

# कॉरपोरेट वर्ल्ड

## शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

**नई दिल्ली ।** कमजोर वैश्विक संकेतों के कारण घरेलू शेयर बाजार में भी आज शुरुआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत बड़ी गिरावट के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में सुधार होता हुआ नजर आया, लेकिन सुबह 10 बजे के बाद एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण दोनों सूचकांकों की कमजोरी बढ़ती चली गई। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.33 प्रतिशत और निफ्टी 0.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, टाटा मोटर्स और इंडसइंड बैंक के शेयर 3.01 प्रतिशत से लेकर 1.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर बजाज ऑटो, नेस्ले, इंफोसिस, टाइटन कंपनी और एचसीएल टेक्नोलॉजी के शेयर 2.73 प्रतिशत से लेकर 1.60 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,487 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,825 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 662 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 12 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 18 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 19 शेयर हरे निशान में और 31 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 268.60 अंक की कमजोरी के साथ 72,817.34 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव के कारण कुछ ही देर में ये सूचकांक लुढ़क कर 72,633.54 अंक तक गिर गया, लेकिन इसके बाद खरीदारी शुरू हो जाने से इस सूचकांक के चाल में सुधार होने लगा। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से सुबह 10 बजे तक ये सूचकांक उछल कर 73,008.41 अंक तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद एक बार फिर बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 241.20 अंक टूट कर 72,844.74 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 144.85 अंक की कमजोरी के साथ 21,974.45 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से इस सूचकांक ने रिकवरी शुरू कर दी। खरीदारी के सपोर्ट से सुबह 10 बजे के करीब ये सूचकांक उछल कर 22,091.05 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 68.10 अंक की गिरावट के साथ 22,051.20 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को सेंसेक्स 112.16 अंक यानी 0.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 73,085.94 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 5.40 अंक यानी 0.02 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 22,119.30 अंक के स्तर पर सोमवार के कारोबार का अंत किया था।

## तीन महीने के निचले स्तर पर पहुंचा कच्चा तेल

**नई दिल्ली ।** ओपेक और इसके सहयोगी देश द्वारा क्रूड ऑयल (कच्चा तेल) के उत्पादन में बढ़ोतरी करने का संकेत दिए जाने के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमत पर दबाव बना हुआ है। इसकी वजह से आज क्रूड ऑयल 3 महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। ब्रेंट क्रूड फिलहाल 71 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से भी नीचे गिर कर 70.91 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 68 डॉलर के स्तर से नीचे फिसल कर 67.81 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है। बताया जा रहा है कि ओपेक और इसके सहयोगी देशों के बीच क्रूड ऑयल का उत्पादन बढ़ाने की बात को लेकर सहमति बन गई है। इन देशों द्वारा अप्रैल महीने से क्रूड ऑयल के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। अभी तक मिली जानकारी के अनुसार रूस और सऊदी अरब क्रूड ऑयल के उत्पादन में प्रतिदिन 1.38 लाख बैरल की बढ़ोतरी कर सकते हैं। इसी तरह ओपेक के दूसरे सदस्य देशों द्वारा भी कच्चे तेल के उत्पादन में बढ़ोतरी किए जाने का अनुमान है। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि ओपेक और इसके सहयोगी देशों द्वारा उत्पादन में बढ़ोतरी करने पर कच्चे तेल के दाम में और भी गिरावट आ सकती है। माना जा रहा है कि सऊदी अरब और रूस समेत दूसरे सभी तेल उत्पादक देशों द्वारा कुल मिलाकर अगर प्रतिदिन 2.25 लाख बैरल क्रूड ऑयल का भी अतिरिक्त उत्पादन किया जाता है, तो इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमत 55 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक भी जा सकती है। ऐसा होने पर अपनी जरूरत के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर रहने वाले भारत जैसे देशों को काफी राहत मिलेगी।

## सर्राफा बाजार में आज सपाट स्तर पर कारोबार, सोना और चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

**नई दिल्ली।** घरेलू सर्राफा बाजार में आज सपाट स्तर पर कारोबार हो रहा है। सोना और चांदी दोनों चमकीली धातु आज सोमवार के भाव पर ही कारोबार कर रही हैं। भाव में बदलाव नहीं होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज भी 86,610 रुपये से लेकर 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 79,390 रुपये से लेकर 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी में भी सपाट कारोबार होने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 96,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 86,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 86,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कोई बदलाव नहीं आया है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज भी 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना भी 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर ही बिक रहा है।

## रिकांत पिट्टी 2025-26 के लिए सीआईआई-दिल्ली के चेयरमैन नियुक्त

**नई दिल्ली।** ईजमाईट्रिप के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और सह-संस्थापक रिकांत पिट्टी को 2025-26 के लिए भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) दिल्ली राज्य का चेयरमैन बनाया गया है। देश के सबसे बड़े ऑनलाइन ट्रैवल टेक प्लेटफॉर्म में से एक ईजमाईट्रिप ने बताया कि सीआईआई के इतिहास में पहली बार किसी यूनिकॉर्न कंपनी के सह-संस्थापक को सीआईआई दिल्ली राज्य का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सीआईआई दिल्ली के चेयरमैन के तौर पर रिकांत कारोबार विकास, डिजिटल बदलाव और उद्योग-सरकार सहयोग को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। रिकांत पिट्टी ने कहा, ''मेरा लक्ष्य राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को वैश्विक व्यापार और पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करना है। इसमें प्रौद्योगिकी, स्थिरता और उद्योग सहयोग का लाभ उठाकर नए अवसरों को खोलना है। मैं नीति-निर्माताओं और व्यापार जगत के लोगों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं, ताकि एक ऐसा भविष्य बनाया जा सके जो गतिशील, समावेशी और विकास और परिवर्तन से प्रेरित हो।''

## रॉयल एनफील्ड ने बेची 80,799 मोटरसाइकिलें

**नई दिल्ली ।** दो पहिया वाहन निर्माता स्वदेशी कंपनी रॉयल एनफील्ड ने फरवरी 2025 में घरेलू बाजार में 80,799 मोटरसाइकिलों की बिक्री की, जो पिछले साल के मुकाबले 18.96 प्रतिशत अधिक है। भारतीय बाजार में रॉयल एनफील्ड की मोटरसाइकिलों की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। फरवरी 2024 में यह आंकड़ा 67,922 यूनिट था। इस बिक्री के साथ रॉयल एनफील्ड ने एक बार फिर साबित कर दिया कि भारतीय ग्राहकों के बीच इसकी मजबूत पकड़ बनी हुई है। रॉयल एनफील्ड की 350सीसी सेगमेंट की बाइक्स की डिमांड सबसे ज्यादा रही। कंपनी ने इस सेगमेंट में कुल 77,775 यूनिट्स की बिक्री की, जो सालाना आधार पर 17.43 प्रतिशत अधिक रही। इसके अलावा, 350सीसी से ज्यादा की बाइक्स की बिक्री में भी शानदार बढ़ोतरी देखने को मिली। इस सेगमेंट में फरवरी 2025 में 12,895 मोटरसाइकिलों की बिक्री हुई, जो पिछले साल की तुलना में 32.86 प्रतिशत की बढ़त को दर्शाती है। घरेलू बाजार के साथ-साथ रॉयल एनफील्ड के एक्सपोर्ट में भी तेजी आई है। कंपनी ने फरवरी 2025 में कुल 9,871 यूनिट्स मोटरसाइकिलों का निर्यात किया, जो फरवरी 2024 के 8,013 यूनिट्स के मुकाबले 23.19 प्रतिशत अधिक है। यह दिखाता है कि भारतीय बाजार के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी रॉयल एनफील्ड की डिमांड बढ़ रही है। घरेलू और निर्यात दोनों बाजारों को मिलाकर रॉयल एनफील्ड ने फरवरी 2025 में कुल 90,670 मोटरसाइकिलें बेचीं। यह आंकड़ा सालाना आधार पर 19.40 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

## संक्षिप्त समाचार

### 6 लाख रुपए लूट मामले में एक गिरफ्तार

**हाजीपुर**। डालडा व्यवसायी पर गोली बारी कर 6 लाख रूपये लूट मामलें में एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी सहदेई थाना के दुबहा गांव निवासी दिनेश राय के पुत्र मोनू कुमार है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस एवं 100 रूपये नगद बरामद किया है। मामलें को लेकर सदर एसडीपीओ ओमप्रकाश ने अपने कार्यालय कक्ष में प्रेस-वार्ता करते हुए बताया कि एक किराना स्टोर चलाने वाले दुकानदार से 6 लाख लूट की गई थी। इस मामलें में नगर थाना कांड सं. 212/25 दर्ज किया गया था एवं 11 फरवरी 2025 को सहदेई थाना में कांड सं. 56/25 जो कि राहगीर से सोने की चेन, मोबाइल एवं कुछ रूपये की लूट पाट की गई थी। मामलें की घटित घटना को संज्ञान में लेते हुए अनु.पु.पदा. सदर-1 एवं नगर थाना द्वारा मामलें की जांच की गई थी।

### पिकअप ने महिला को कुचला, मौत, राशन लेकर लौट रही थी

**हाजीपुर**। हाजीपुर-मुजफ्फरपुर एनएच 22 पर सराय थाना क्षेत्र के सुभाइ चौक के पास एक तेज रफ्तार पिकअप वैन ने सड़क पार कर रही एक महिला को कुचल दिया। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान सराय थाना क्षेत्र के सोनबरसा गांव निवासी अब्दुल कादीर की 60 वर्षीय पत्नी आसमा परवीन के रूप में हुई है। बताया गया कि वह सुभाइ चौक से राशन का सामान लेकर लौट रही थीं। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पिकअप वैन और चालक को पकड़ लिया और सराय थाने की पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद थानाध्यक्ष मणि भूषण कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पिकअप वैन को जब्त कर लिया है और चालक को हिरासत में ले लिया है। मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेजा गया है। थानाध्यक्ष मणि भूषण कुमार ने बताया कि आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना की सूचना मृतका के परिजनों को दे दी गई है। मामले की जांच की जा रही है।

### तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मौत, दो घायल, जांच में जुटी पुलिस

**हाजीपुर**। हाजीपुर के जंदाहा थाना क्षेत्र में गुरु चौक के पास एक अज्ञात वाहन की टक्कर से एक बाइक सवार की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। मृतक की पहचान राजापाकर थाना क्षेत्र के बसौली निवासी बैजू पासवान (30) के रूप में हुई है। वहीं घायलों में अंकित शर्मा (18) और भोला पासवान (26) शामिल हैं। घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि तीनों युवक बटेश्वर नाथ में आयोजित मेले में मिठाई की दुकान पर काम करते थे। महाशिवरात्रि के अवसर पर लगे इस मेले से काम खत्म कर तीनों एक ही बाइक पर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान गुरु चौक के पास एक अनियंत्रित वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची जंदाहा थाना पुलिस ने तीनों को सदर अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने बैजू पासवान को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य दो घायलों का इलाज जारी है। बताया गया कि मृतक मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। जंदाहा थानाध्यक्ष अरविंद पासवान ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

### मुजफ्फरपुर में मकानों से घिरे ग्राउंड में लगी आग, झाड़ियों के कारण तेजी से फैली लपटें

**मुजफ्फरपुर**। मुजफ्फरपुर में सोमवार की देर शाम अहियापुर थाना क्षेत्र के झिटकहिय मोहल्ले के बंद पड़े एक ग्राउंड में आग लग गई। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। लोगों ने घटना की सूचना अहियापुर थाना की पुलिस को दी। पुलिस और अग्निशमन की टीम मौके पर पहुंची। आग पर काबू पाने में एक घंटा समय लगा। दमकल की 2 छोटी और एक बड़ी गाड़ी आई थी। अहियापुर थाना की पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय पप्पू कुमार ने बताया कि घटना की सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद दमकल की गाड़ी मौके पहुंची। ग्राउंड बंद था। ग्राउंड में जंगल झाड़ी और चारों तरफ मकान है। अहियापुर थाना के दरोगा मोहमद सिराज अंसारी ने बताया कि स्थानीय लोगों ने आग लगने की सूचना दी थी। जिसके बाद अग्निशमन की टीम मौके पर पहुंची। आग काबू पा लिया गया। आग लगने का कारण अभी अज्ञात है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

### नाबालिग से दुष्कर्म मामले आरोपी को सजा, कोर्ट ने सुनाई 10 साल की सजा और 25 हजार रुपए जुर्माना

**मुजफ्फरपुर**। मुजफ्फरपुर की पॉक्सो कोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म के एक मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने आरोपी जेयाउद्दीन अंसारी को 10 साल की सजा सुनाई है। साथ ही 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।एडीजे-7 के न्यायाधीश प्रशांत कुमार झा ने 5 गवाहों के बयान के आधार पर यह फैसला दिया। कोर्ट ने पीड़िता को विधिक सेवा प्राधिकार से 2 लाख रुपए का मुआवजा देने का भी आदेश दिया है। मामला सरैया थाना क्षेत्र का है। आरोपी ने 15 साल की नाबालिग से शादी का झांसा देकर 2017 से 2019 तक लगातार दुष्कर्म किया। पीड़िता ने 2019 में कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई थी। स्पेशल लोक अभियोजक अजय कुमार के अनुसार, शुरुआत में मामला सेशन कोर्ट में था। पीड़िता की उम्र की जांच के बाद केस को पॉक्सो कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया गया। अधिवक्ता कृष्णा मोहन झा ने बताया कि उनकी संस्था ने पीड़िता को कानूनी मदद प्रदान की। छह साल की कानूनी लड़ाई के बाद कोर्ट ने यह फैसला सुनाया है। बता दें कि सरैया थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग युवती के साथ आरोपी ने शादी का झांसा देकर 2 साल तक यौन शोषण किया था। वर्ष 2017 से लेकर 2019 तक लगातार यौन शोषण किया गया। जिस वक्त युवती के साथ दुष्कर्म किया गया उस वक्त उसकी उम्र 15 वर्ष 11 मार्च 4 दिन थी। 2019 में कोर्ट में आरोपी के खिलाफ कंप्लेंट दर्द कराया गया था। 6 वर्ष के बाद कोर्ट ने आरोपी को दोषी माना और 10 वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है।

# 29 मार्च को होगा पीयू में छात्र संघ का चुनाव

## 10 मार्च से मिलने लगेंगे नामांकन पत्र, 20 को जारी होगी प्रत्याशियों की लिस्ट

**एजेंसी, पटना**

पटना यूनिवर्सिटी में छात्रसंघ चुनाव की डेट फाइनल हो गई है। सभी पदों के लिए 29 मार्च की सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक वोटिंग होनी है। फिर शाम चार बजे से वोटों की गिनती शुरू होगी और देर शाम तक रिजल्ट भी आ जाएगा। मंगलवार को विश्वविद्यालय के कुलपति ने इसकी जानकारी दी है। यूनिवर्सिटी में दोपहर 11 बजे पीसी हुई। इसमें वीसी ने बताया कि फाइनल इलेक्टोरल रोल अपलोड करने की आखिरी डेट 6 मार्च है। 10-18 मार्च तक (अवकाश छोड़कर) सुबह 10 से शाम 3 बजे तक नॉमिनेशन फॉर्म खरीद सकते हैं। ये नॉमिनेशन फॉर्म 50/- के टोकन प्राइज पर स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर में मिलेंगे। इन्हीं तारीखों के दौरान 'नो एकेडमिक एरर' का सर्टिफिकेट भी जारी किया जाएगा। इसे कंट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशन देगा।

**20 मार्च को प्रत्याशियों की लिस्ट जारी**: होली के बाद 17-19 मार्च तक नॉमिनेशन फाइल किया जाएगा। सभी नॉमिनेशन जेपी अनुशब्द भवन (व्हीलर सीनेट हाउस, पटना यूनिवर्सिटी) में किए जाएंगे। इसके बाद 20 मार्च की देर शाम तक सभी प्रत्याशियों की लिस्ट जारी की जाएगी। 21 मार्च दोपहर एक बजे तक आपत्तियां ली जाएंगी। 21 मार्च को ही दोपहर 3 बजे से जीआरसी ( ग्रीवेंस रिड्रेसल सेल) बैठेगी और इन आपत्तियों पर सुनवाई करेगी। कुलपति ने बताया कि 21 मार्च की शाम 5 बजे, जीआरसी के डिस्कशन के बाद मामले की गंभीरता देखते हुए वीसी से डिस्कस किया जाएगा।

**24 मार्च को नामांकन वापसी की तारीख**: 24 मार्च दोपहर 12 बजे तक वीसी सभी आपत्तियों को एड्रेस करेंगे। शाम चार बजे तक नामांकन वापसी का दौर रहेगा। वीसी का कहना है कि कैंडिडेट्स की पर्चा वापसी के बाद शाम 6 बजे तक प्रत्याशियों की फाइनल लिस्ट जारी की जाएगी। उसपर चुनाव होंगे। 29 मार्च सुबह 8 बजे से चुनाव होंगे। उसी दिन देर शाम तक रिजल्ट जारी हो जाएगा।

**28 फरवरी से डॉक्यूमेंट अपलोड करें**: डीन ऑफ स्टूडेंट वेलफेयर, पटना यूनिवर्सिटी की तरफ से जारी किए गए शेड्यूल में ऑनलाइन एप्लिकेशन दर्ज कराने की डेट 28 फरवरी है। वहीं, फाइनल इलेक्टोरल रोल का विवरण 6 मार्च 2025 तक जमा किया जा सकता है। हालांकि चुनाव या इसके नियमों से संबंधित किसी भी तरह की आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम डेट चार मार्च ही है। यानी चुनाव की सूचना सार्वजनिक करने के दिन, शाम तीन बजे तक आपत्तियां दर्ज कराई जाएंगी।

**9 प्रोफेसरों की बनाई गई कमेटी**: वाइस चांसलर ने चुनाव कराने के लिए नौ प्रोफेसरों की कमेटी बनाई है। इनमें बायोकेमेस्ट्री डिपार्टमेंट के हेड प्रो. रजनीश कुमार को चीफ इलेक्शन ऑफिसर बनाया गया है। इसके अलावा प्रो. खगेंद्र कुमार, डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन को एडवाइजर और प्रो. बीरेंद्र प्रसाद ( हेड, बॉटनी विभाग), प्रो. सुहेली मेहता( हेड, होम साइंस विभाग) को ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया है। वहीं पॉलिटिकल साइंस डिपार्टमेंट की प्रो. पुष्पलता कुमारी, प्रो. राकेश रजंन समेत बीएन कॉलेज के डॉ. अभय प्रकाश, पटना कॉलेज की किरन कुमारी, पटना लॉ कॉलेज के सलीम जावेद, जूलॉजी डिपार्टमेंट के डॉ. जीबी चांद, पटना वीमेंस कॉलेज के डॉ. अवधेश कुमार और स्टेटिस्टिक्स डिपार्टमेंट के डॉ. कुमार सतेंद्र को मेंबर बनाया गया है।

# VIP की बैठक में बदलाव CM का कार्यक्रम बनी वजह

**एजेंसी, पटना**

बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी सभी पार्टियों ने शुरू कर दी है। विकासशील इंसान पार्टी ने वाल्मीकि नगर के वाल्मीकि सभागार में 8 और 9 मार्च को कार्यकारिणी की बैठक बुलाई थी। बैठक की तारीख में बदलाव किया गया है। पार्टी का आरोप है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उसी दिन उस स्थल पर जानबूझकर अपने कार्यक्रम की घोषणा की है, जिसकी वजह से हमें अपनी तारीख बदलनी पड़ी है। अब यह बैठक 10 और 11 मार्च को आयोजित की जाएगी। वीआईपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता देव ज्योति ने मंगलवार को बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सहनी ने पार्टी के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को इसकी सूचना भेज दी है। सरकार में बैठे कुछ लोगों को हमारी बैठक नागवार गुजरी। उन्होंने जानबूझकर उसी डेट और जगह पर मुख्यमंत्री नीतीश का कार्यक्रम घोषित कर दिया। हालांकि बेतिया के डीएम ने हमारी बैठक की डेट को संशोधित करने की स्वीकृति दे दी है।

- 8 और 9 मार्च को वाल्मीकि नगर में थी बैठक, पार्टी बोली- जानबूझकर टेली कराई गई डेट्स

**बैठक के साथ शुरू होगी चुनाव की तैयारी**: यह बैठक दोनों ही दिन वाल्मीकि सभागार, वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान, वाल्मीकि नगर के साथ पश्चिमी चंपारण के अलग-अलग जगह पर आयोजित की गई है। इस परिवर्तन से कुछ असुविधा हो सकती है, लेकिन हमें पूरा विश्वास है कि पार्टी के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता इस बैठक को सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। लोगों के समर्थन और एकता से हमारी पार्टी आने वाले समय में और शक्तिशाली और सुदृढ़ होगी।

# खट्टर बोले- नीतीश के नेतृत्व में NDA सरकार बनाएंगे नारा दिया- बिहार है तैयार, फिर से एनडीए सरकार

**एजेंसी, पटना**

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने मंगलवार को भाजपा के कार्यक्रम में ऐलान किया कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में 2025 विधानसभा चुनाव में NDA की सरकार बिहार में बनाएंगे। पटना के बापू सभागार में आयोजित प्रदेश परिषद की बैठक में उन्होंने नारा दिया- बिहार है तैयार फिर से NDA सरकार। बैठक में BJP के प्रदेश अध्यक्ष पद पर दिलीप जायसवाल के नाम की घोषणा की गई। मनोहर लाल खट्टर ने कहा नीतीश कुमार के नेतृत्व में एक बार फिर से NDA की सरकार बनवाएं। जातिवाद से ऊपर उठ कर काम करना है। मोदी जी ने जाति से ऊपर उठकर कर्पूरी ठाकुर जी को भारत रत्न दिया है। शहरी विकास और पावर डिपार्टमेंट मेरे पास है, बिहार की जो जरूरत है बताइए, हम मदद करेंगे। मंत्री जीवेश मिश्रा को भी बोल दिया हूं।'

**BJP में न कोई पहला, न कोई आखिरी**: डिप्टी CM सम्राट चौधरी ने कहा, 'अगले 6 महीने में सभी कार्यकर्ता लगकर सभी सीट को भाजपा की सीट समझकर जिताने का काम करें। 2025 में हम 200 प्लस सीटों के साथ NDA सरकार बनाएंगे।' वहीं, विजय सिन्हा ने कहा, 'BJP दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी केवल संख्या से नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं की ऊर्जा से है। BJP में न कोई पहला होता है और न आखिरी। यहां पद नहीं, दायित्व मिलता है। पार्टी परिवारवाद से नहीं, कार्यकर्ताओं से आगे बढ़ती है। BJP के कार्यकर्ता तुलसी के पत्ते की तरह हैं।' कार्यक्रम में प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े, सह प्रभारी दीपक प्रकाश, डिप्टी CM सम्राट चौधरी, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, नित्यानंद राय, सांसद राधा मोहन सिंह, रविशंकर प्रसाद, संजय जायसवाल मौजूद हैं। इनके अलावा प्रदेश से लेकर मंडल स्तर तक के 15 हजार कार्यकर्ता शामिल हैं।

**दिलीप जायसवाल बिहार भाजपा अध्यक्ष बने**

**अध्यक्ष के लिए मंत्री पद से दिया है इस्तीफा**: पार्टी की ओर से जुलाई 2024 से ही दिलीप जायसवाल को अध्यक्ष नियुक्त कर दिया गया है। लोकसभा चुनाव के बाद सम्राट चौधरी की जगह दिलीप जायसवाल को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। इसके बाद औपचारिक संगठन चुनाव से पहले 27 फरवरी को दिलीप जायसवाल ने बिहार सरकार में राजस्व व भूमि सुधार विभाग के मंत्री पद से अपना इस्तीफा दिया था।

**डिप्टी CM बने प्रदेश अध्यक्ष के प्रस्तावक**: दिलीप जायसवाल के प्रदेश अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया सोमवार से ही शुरू हो गई थी। उन्होंने पार्टी के चुनाव पदाधिकारी सह प्रदेश महामंत्री राजेश वर्मा के सामने प्रदेश अध्यक्ष के लिए अपना पर्चा दाखिल किया। डिप्टी CM सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा के साथ मंत्री मंगल पांडेय और MLC संजय मयूख उनके प्रस्तावक बने। नियम के मुताबिक दिलीप जायसवाल 2025-27 तक अध्यक्ष रहेंगे।

# बाढ़ में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल, सैलरी बढ़ाने की मांग, कहा- मजबूरन आंदोलन कर रहे हैं

**एजेंसी, पटना**

बाढ़ नगर परिषद के 250 सफाई कर्मचारी वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर हड़ताल पर हैं। सोमवार से ही शहर में साफ-सफाई का काम ठप पड़ा है। सड़कों पर कचरा फैला हुआ है। गंदगी से लोगों की परेशानी बढ़ गई है।

**कोई सुनने वाला नहीं है- सफाई कर्मचारी**: कर्मचारियों का कहना है कि पहले सफाई का बजट 19 लाख रुपए था। तब भी उनका वेतन कम था। अब बजट बढ़कर 45 लाख रुपए हो गया है। इसके बाद भी वेतन में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। कोई सुनने वाला नहीं है। मजबूरन आंदोलन करना पड़ रहा है। पूर्व मुख्य पार्षद राजीव कुमार चुन्ना ने नगर परिषद प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। डस्टबिन और अन्य सामानों की खरीद में बड़ी मात्रा में कमीशन लिया जा रहा है। नाली सफाई, सामान्य सफाई और डोर-टू-डोर सफाई के नाम पर तीन अलग-अलग चरणों में लाखों रुपए निकाले जाते हैं।

**कोई सुनने वाला नहीं**

**सरकार के मानकों के अनुसार दिया जा रहा वेतन**: सफाई एजेंसी के रंजन कुमार ने बताया कि 250 सफाई कर्मचारियों को बिहार सरकार के मानकों के अनुसार वेतन दिया जाता है। 40 लाख रुपए प्रति माह के खर्च में वेतन के अलावा वाहनों का मेंटेनेंस, पेट्रोल और अन्य खर्च भी शामिल है।

**तचीत से निकलेगा समाधान**: वहीं, कार्यपालक पदाधिकारी संतोष कुमार रजक ने कर्मचारियों को समस्या के समाधान का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की मांगों को लिखित रूप में लेंगे। एजेंसी से बातचीत करके समाधान निकालेंगे।

# बाढ़ में ज्वेलरी शॉप पर 4 राउंड फायरिंग

**एजेंसी, पटना**

बाढ़ के काजीचक मोहल्ले में ज्वेलरी शॉप पर फायरिंग हुई है। दहशत फैलाने के लिए अपराधियों ने 4 राउंड फायरिंग की है। घटनास्थल से एक खोखा मिला है। घटना सोमवार देर रात की है। गोलीबारी में कोई हताहत नहीं हुआ है। पीड़ित संतोष कुमार ने बताया कि रात 8 बजे दुकान बंद करके घर चले गए थे। आज सुबह दुकान पर पहुंचा को गोलीबारी की जानकारी मिली। शटर पर बुलेट के निशान थे। पिछले 14 साल से यहां दुकान चला रहा हूं। किसी से कोई दुश्मनी नहीं है। शटर पर बुलेट लगने से दुकान के अंदर रखे ज्वेलरी बॉक्स का शीशा टूट गया है।

**मामले की छानबीन की जा रही है**: मामले की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। सब इंस्पेक्टर संजीत महाराज ने बताया कि घटनास्थल से एक खोखा मिला है। दहशत फैलाने के लिए फायरिंग की गई है। आसपास के लोगों को रात में गोली चलने की आवाज नहीं सुनाई दी। छानबीन की जारी है।

**वैशाली में नाबालिग से दुष्कर्म का मामला**

# पुलिस ने सेक्स रैकेट चलाने वाली महिला समेत 3 आरोपियों को दबोचा

**एजेंसी, हाजीपुर**

वैशाली के महुआ थाना क्षेत्र में 14 साल की नाबालिग के साथ रेप का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना 27 फरवरी की है। एक महिला आरोपी पकिजा खातुन उर्फ फुल्लो ने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर दो युवकों के हवाले कर दिया। पीड़िता के पिता ने 1 मार्च को थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पॉक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया। महुआ एसडीपीओ सूरभ सुमन के अनुसार, सबसे पहले महिला आरोपी पकिजा खातुन को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर 3 मार्च की रात को मुख्य आरोपी पिक उर्फ पिंटू कुमार और छोटू कुमार को भी पकड़ लिया गया।

**वारदात के बाद लड़की को छोड़ कर फरार**: जांच में पता चला है कि आरोपी ट्रक चालक और उसका सहयोगी नाबालिग को 14 किलोमीटर तक घुमाते रहे। वारदात के बाद लड़की को महुआ थाना क्षेत्र में छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त ट्रक को भी जब्त कर लिया है। पकिजा खातुन मुजफ्फरपुर के बरियारपुर की रहने वाली है। वह पहले से सेक्स रैकेट चलाने के मामले में संलिप्त रही है। पिंटू कुमार वैशाली के गोरौल का और छोटू कुमार मुजफ्फरपुर के सकरा का निवासी है। पुलिस सभी आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है।

# '2 महीने में टीचर्स को मनचाही पोस्टिंग मिलेगी'

**एजेंसी, पटना**

विधानसभा में मंगलवार को शिक्षकों की ट्रांसफर पोस्टिंग को लेकर शिक्षा मंत्री ने सुनील सिंह ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने CPI विधायक सूर्यकान्त पासवान के सवाल के जवाब कहा- 'अगले 2 महीन के अंदर टीचर्स को मनचाही पोस्टिंग मिल जाएगी।' उन्होंने कहा कि 'मनचाही पोस्टिंग के लिए 10 चॉइस देने होंगे। इसके लिए सॉफ्टवेयर तैयार है। शिक्षकों की पोस्टिंग बीमारी, पति पत्नी, और चॉइस के आधार पर होगी,। पोस्टिंग वेकैंसी के आधार पर ही होगी।' शिक्षा मंत्री ने आगे कहा कि 'अगर किसी शिक्षक को मनचाही पोस्टिंग नहीं मिलती है तो वह DM, कमिशनर या फिर विभागीय स्तर पर बनी कमिटी में अपील कर सकते हैं। 40 साल की उम्र से ऊपर गंभीर बीमारी से जूझ रहे शिक्षकों की मनचाही पोस्टिंग की जा चुकी है।'

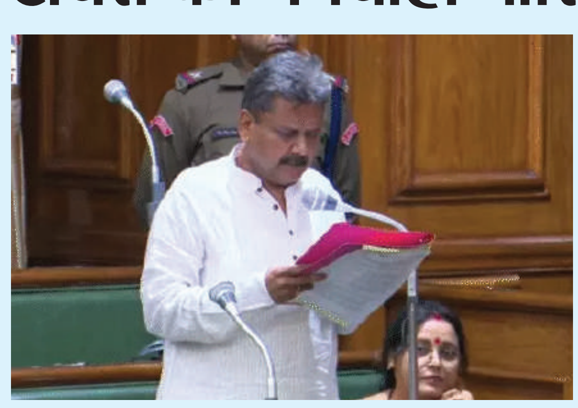

**15 दिसंबर तक लिए गए थे फॉर्म**: 1 से 15 दिसंबर तक शिक्षकों के फॉर्म लिए गए थे। जिसमें कुल 1 लाख 90 हजार 332 टीचर में से 85 फीसदी से अधिक शिक्षकों ने दूरी की वजह से ट्रांसफर की अर्जी लगाई है। 1 लाख 62 हजार 167 टीचर ने दूरी का हवाला देते हुए सरकार से घर के नजदीक पोस्ट करने का अर्जी दाखिल की है।

**कैंसर बीमारी से अधिक तलाक की वजह से अर्जी**: शिक्षा विभाग को मिली अर्जिया चौंकाने वाली हैं। बिहार में तलाक की वजह से टीचर ज्यादा परेशान हैं। आंकड़े बताते हैं कि कैंसर बीमारी की वजह से 760 टीचर ने ट्रांसफर की अर्जी दी है, जबकि तलाक को कारण बताते हुए कुल 1338 टीचर ने ट्रांसफर की मांग की है।

**कुल टीचर में से 35 फीसदी ने ट्रांसफर की अर्जी लगाई**: बिहार के पुराने पोस्टिंग से टीचर खुश नहीं दिख रहे हैं। बिहार के 35 फीसदी शिक्षकों ने तबादला की अर्जी डाल दी है। कुल 5 लाख 45 हजार 270 शिक्षकों में से 1 लाख 90 हजार 332 शिक्षकों ने ट्रांसफर की मांग की है।

**विधानसभा में शिक्षा मंत्री का ऐलान, बोले- 10 चॉइस देने होंगे**

**इस तबादले में सबसे पहले किनको मिलेगी प्राथमिकता**: इस तबादले में सबसे पहली प्राथमिकता कैंसर मरीजों को मिलना है। इन शिक्षकों के चॉइस पोस्टिंग के आवेदन पर सबसे पहले ध्यान दिया जाएगा। इसके बाद क्रिटिकल इनलनेस वाले को प्राथमिकता दी जाएगी। फिर इसके बाद दिव्यांग, ऑटिज्म, विडो, पति-पत्नी के आधार पर पोस्टिंग की जाएगी। महिलाओं को भी तवज्जो मिलेगी। तबादला पॉलिसी इसी तरह से बनाई गई है।

## संक्षिप्त समाचार

### द. कोरिया में बढ़ती अमेरिकी सैन्य गतिविधि पर भड़कीं किम की बहन, कहा- हमें अपनी रक्षा करना आता है

**सियोल, एजेंसी।** उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने मंगलवार को अमेरिका की तरफ से दक्षिण कोरिया में एक अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर की तैनाती और अन्य अमेरिकी सैन्य गतिविधियों के जवाब में बड़े पैमाने पर उकसावे की धमकी दी है। किम यो जोंग ने इसे अमेरिका और उसके दासों की संघर्ष की मानसिकता करार दिया और चेतावनी दी कि उत्तर कोरिया अपनी सुरक्षा को खतरे में डालने वाली कार्रवाईयों को बढ़ा सकता है। किम यो जोंग ने कहा कि अमेरिका ने यूएसएस कार्ल विंसन और अन्य अमेरिकी सैन्य संपत्तियों को तैनात कर के स्पष्ट रूप से उत्तर कोरिया के खिलाफ अपनी सबसे शत्रुतापूर्ण और संघर्षात्मक मंशा दिखाई है। उनका यह बयान इस बात को संकेत देता है कि उत्तर कोरिया अपनी मिसाइल परीक्षण गतिविधियों को बढ़ा सकता है, जिनमें इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलें शामिल हो सकती हैं, जो अमेरिका के मुख्य भूमि या क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को लक्ष्य बना सकती हैं। इससे पहले, रविवार को यूएसएस कार्ल विंसन और उसका स्ट्राइक समूह दक्षिण कोरिया पहुंचे थे। यह तैनाती उत्तर कोरिया की तरफ से किए गए मिसाइल परीक्षणों के जवाब में अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सैन्य साझेदारी को मजबूत करने के उद्देश्य से की गई थी। वहीं दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने किम यो जोंग के बयान को तर्कहीन बताया और कहा कि यह उत्तर कोरिया के परमाणु विकास और भविष्य के उकसावों को सही ठहराने की कोशिश है। उत्तर कोरिया अमेरिकी सैन्य तैनाती को अपनी सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा मानता है और अक्सर इसका जवाब मिसाइल परीक्षणों से देता है। जबकि, विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन फिलहाल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फिर से कूटनीति शुरू करने के लिए तैयार नहीं हैं, क्योंकि वह वर्तमान में रूस के युद्ध में समर्थन दे रहे हैं।

### जापान की आईस्पेस 6 जून को चंद्रमा पर उतरने का दूसरा प्रयास करेगी

**टोक्यो, एजेंसी।** जापानी चंद्रमा अन्वेषण कंपनी आईस्पेस ने कहा कि उसका रेजिलिएंस लैंडर 6 जून को स्थानीय समयानुसार सुबह 4:24 बजे चंद्रमा पर उतरने का प्रयास करेगा, जो अप्रैल 2023 में पहला प्रयास विफल होने के बाद उसका दूसरा प्रयास होगा। यह रविवार को अमेरिकी कंपनी फायरफ्लाई एयरोस्पेस के ब्लू घोस्ट अंतरिक्ष यान की सफल चंद्रमा लैंडिंग के बाद होगा, जिसने जनवरी में आईस्पेस के रेजिलिएंस के साथ एक ही स्पेसएक्स रॉकेट साझा किया था। वहीं एक अन्य अमेरिकी फर्म, इंट्यूटिव मशीन्स ने भी पिछले सप्ताह अपना दूसरा चंद्र लैंडर एथेना लॉन्च किया और आने वाले दिनों में चांद पर उतारने का लक्ष्य रखा है।

### एम23 विद्रोहियों ने 130 मरीजों का किया अपहरण

**किंसाशा, एजेंसी।** लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो में चल रही हिंसा के बीच एम23 विद्रोही लगातार कब्जा कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि एम23 विद्रोहियों ने पूर्वी कांगो के एक प्रमुख शहर के दो अस्पतालों से कम से कम 130 बीमार और घायल लोगों का अपहरण कर लिया। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की प्रवक्ता रवीना शमदासानी ने बताया कि 28 फरवरी को एम23 विद्रोहियों ने गोमा स्थित सीबीसीए एनडोशो अस्पताल और हील अफ्रीका अस्पताल पर हमला किया। विद्रोहियों ने सीबीसीए से 116 रोगियों और हील अफ्रीका से 15 अन्य लोगों को अगवा कर लिया। विद्रोहियों को शक था कि अस्पताल में भर्ती मरीज कांगो सेना के सैनिक या सरकार समर्थक वाजालेंडो मिलिशिया के सदस्य थे। शमदासानी ने उनकी तत्काल रिहाई की मांग की। उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि एम23 ने अस्पताल के बिस्तरों से मरीजों को अगवा किया।

# डोनाल्ड ट्रंप का जेलेंस्की को बड़ा झटका!

## यूक्रेन को सैन्य सहायता पर लगाई रोक

### अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- जेलेंस्की शांति नहीं चाहते

**वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की को एक और झटका दिया है। दरअसल, ट्रंप ने यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य सहायता रोक दी है। यह भी आदेश दिया गया है कि यह प्रतिबंध तब तक जारी रहेगा जब तक यह सुनिश्चित नहीं हो जाता कि यूक्रेन और देश के नेता शांति वार्ता के लिए प्रतिबद्ध हैं।

व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को यूक्रेन को सैन्य सहायता निलंबित करने का आदेश जारी किया, जिससे कीव पर रूस के साथ शांति वार्ता करने का दबाव बढ़ गया है। यह कदम यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की और डोनाल्ड ट्रंप के बीच दुनिया के सामने कैमरे पर हो रहे टकराव, बहस और तकरार के बीच उठाया गया है, क्योंकि ट्रंप जल्द से जल्द युद्ध को खत्म करना चाहते हैं, लेकिन जेलेंस्की बिना सुरक्षा गारंटी के किसी भी मुद्दे पर बात नहीं करना चाहते हैं।

### इन राज्यों में बारिश और बर्फबारी का अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार समुद्र तल से 5.8 किलोमीटर ऊपर एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। एक नया पश्चिमी विक्षोभ 9 मार्च से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है। इसके प्रभाव से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश में गरज के साथ बारिश और बर्फबारी होगी। हरियाणा, चंडीगढ़ में भी गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी हो सकती है।

पंजाब में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं और ओलावृष्टि की भी संभावना है। उत्तराखंड में भी छिटपुट से लेकर हल्की-मध्यम बारिश/बर्फबारी की संभावना है। पूर्वोत्तर असम और उसके आसपास निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है। इसके प्रभाव से अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में गरज के साथ बारिश हो सकती है।

### जेलेंस्की पर नाराज हुए ट्रम्प, कहा- वे शांति नहीं चाहते

ब्लूमबर्ग ने रक्षा विभाग के एक अधिकारी के हवाले से बताया है कि राष्ट्रपति ट्रम्प इस बात की समीक्षा कर रहे हैं कि क्या जेलेंस्की रूस के साथ शांति कायम करने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रम्प प्रशासन के एक अधिकारी ने

फॉक्स न्यूज से कहा कि यह मदद स्थायी तौर पर नहीं रोकी गई है। जेलेंस्की की सैन्य मदद रोकने से कुछ घंटे पहले ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा- जेलेंस्की नहीं चाहते कि जब तक उन्हें अमेरिका का समर्थन हासिल है, तब तक शांति हो। यह जेलेंस्की की तरफ से दिया गया सबसे खराब बयान है। अमेरिका इसे बर्दाश्त नहीं करेगा।

### यूक्रेन की 8.7 हजार करोड़ रुपए की मदद रुकी

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इससे एक अरब डॉलर (8.7 हजार करोड़ रुपए) के हथियार और गोला-बारूद संबंधी मदद पर असर पड़ सकता है। इन्हें जल्द ही यूक्रेन को डिलीवर किया जाना था। ट्रम्प के आदेश के बाद उस मदद को भी रोक दिया गया है जिसका इस्तेमाल यूक्रेन सिर्फ अमेरिकी डिफेंस कंपनियों से सीधे नए सैन्य हार्डवेयर खरीदने के लिए कर सकता है। अमेरिकी सहायता रोके जाने पर राष्ट्रपति जेलेंस्की की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने सीएनएन से कहा कि यह साफ है कि फैसला जेलेंस्की के बुरे बर्ताव की वजह से उठाया गया। उन्होंने कहा कि अगर जेलेंस्की जंग को खत्म करने के लिए बातचीत की कोशिश करते हैं, तब शायद ये रोक हटाई जा सकती है।

### यूक्रेन पर 2 से 4 महीने में दिखेगा मदद रूकने का असर

सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के मार्क कैन्सियन ने कहा कि अमेरिका के मदद रोकने के फैसले से यूक्रेन पर बहुत असर पड़ने वाला है। ट्रम्प के इस फैसले ने एक तरह से यूक्रेन को 'अपंग' कर दिया है। कैन्सियन ने कहा कि अमेरिकी मदद रुकने का मतलब है कि अब यूक्रेन की ताकत आधी हो गई है। इसका असर दो से चार महीने में दिखने लगेगा। फिलहाल यूरोपीय देशों से मिलने वाली सहायता से यूक्रेन कुछ समय तक लड़ाई में बना रहेगा। उन्होंने कहा कि इस फैसले का मतलब ये है कि यूक्रेन को अब किसी भी हाल में पीस डील को स्वीकार करना पड़ेगा। कैन्सियन ने चेतावनी दी कि ट्रम्प प्रशासन यूक्रेन को कमजोर करने के लिए और भी कई तरीके आजमा सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका, यूक्रेन को दी जाने वाली खुफिया जानकारी बंद कर और यूक्रेनी सेना को मिल रही ट्रेनिंग रोककर जेलेंस्की को घुटनों पर ला सकते हैं।

### यूक्रेन की सैन्य मदद रोकने के फैसले से क्या असर पड़ेगा

अमेरिका यूक्रेन का एक प्रमुख समर्थक रहा है। पिछले 3 साल में अमेरिका ने यूक्रेन को रूस के खिलाफ संघर्ष में हथियार, गोला-बारूद और वित्तीय सहायता दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मदद के बंद होने से यूक्रेन की रक्षा क्षमता पर असर पड़ेगा। यूक्रेन को अपने इलाके पर पकड़ बनाए रखने में मुश्किलें आ सकती हैं। यूक्रेन की सेना अमेरिका से मिले हथियारों खासकर तोप, ड्रोन और मिसाइल सिस्टम पर बहुत निर्भर रहा है। इसके बंद होने के बाद यूक्रेन का रूसी हमलों का जवाब देना मुश्किल हो जाएगा। इससे रूस, यूक्रेन के कुछ और इलाकों पर कब्जा कर सकता है।

### अमेरिका के साथ बातचीत को तैयार हुए थे जेलेंस्की

इससे पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने 3 मार्च को कहा था कि वे अमेरिका-यूक्रेन मिनरल्स डील पर दस्तखत करने के लिए तैयार हैं। जेलेंस्की ने लंदन में एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा कि वे पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ बहस के बाद भी अमेरिका के साथ बातचीत करने को इच्छुक हैं। जेलेंस्की ने कहा कि व्हाइट हाउस में हुई उस घटना का अमेरिका या यूक्रेन को नहीं, बल्कि सिर्फ रूसी राष्ट्रपति पुतिन को फायदा पहुंचा है। उन्होंने कहा, अगर मुझे मिनरल डील के लिए बुलाया जाता है तो मैं व्हाइट हाउस वापस जाऊंगा। जेलेंस्की ने शांति के लिए सुरक्षा गारंटी की शर्त फिर से रखी जेलेंस्की ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी की मांग सुनी जाएगी। दोनों पक्ष इस पर सहमत होते हैं तो डील पर दस्तखत किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वे बस इतना चाहते हैं कि यूक्रेन का पक्ष भी सुना जाए। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे साझेदार याद रखें कि इस जंग में हमलावर कौन है। जेलेंस्की ने सोमवार सुबह सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी पोस्ट किया। इसमें उन्होंने कहा कि हम अमेरिका की अहमियत को समझते हैं। ऐसा कोई भी दिन नहीं गुजरा जब हमने अमेरिका का एहसान न माना हो। जेलेंस्की ने फिर कहा कि हम सभी इस बात पर सहमत हैं कि शांति के लिए सुरक्षा गारंटी जरूरी है। यह पूरे यूरोप की स्थिति है।

## दीपिका की कॉपी पाकिस्तानी एक्ट्रेस का भारत में धमाल

### यूट्यूब पर शो ने पार किया 100 करोड़ का आंकड़ा, धड़ाधड़ बढ़ रहे फैंस

**इस्लामाबाद एजेंसी।** पाकिस्तानी ड्रामा शो आजकल दुनियाभर में छाए हुए हैं और भारत में भी लोग इसे देखना काफी ज्यादा पसंद कर रहे हैं। यूट्यूब के माध्यम से आसानी से कोई भी शो कहीं से भी देखा जा सकता है, यही कारण है कि पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर के शो ने यूट्यूब में पर रिकोर्ड तोड़ दिया है।

हानिया आमिर का शो मुझे प्यार हुआ था, जो अब प्रतिष्ठित 1 बिलियन क्लब में शामिल हो गया है। वहाज अली और हनिया आमिर अभिनीत मुझे प्यार हुआ था शो को अपने समापन के एक साल से भी अधिक समय के बाद यूट्यूब पर 1 बिलियन से अधिक बार देखा गया है।

इस पाकिस्तानी ड्रामा में हानिया आमिर और वहाज अली ने अहम किरदार निभाया है। इसके गाने ने पाकिस्तान ही नहीं भारत के

लोगों को भी अपना दीवाना बना लिया था। इस धारावाहिक को 2022 में रिलीज किया गया था। हाल ही में हानिया ने अपने इंस्टाग्राम से एक वीडियो पोस्ट किया था। इस वीडियो में हानिया बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण की फिल्म ओम शांति ओम के एक फेमस सीन को रीक्रिएट किया है। इस वीडियो में हानिया बेहद ग्लैमरस और ब्यूटीफुल लग रही हैं।

## कई देशों में मॉडलिंग कर रही एलन मस्क की मां

**वाशिंगटन , एजेंसी।** डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद से विदेशी नेता अमेरिकी प्रशासन को प्रभावित करने की कोशिशों में जुटे हैं। इस बीच दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की मां माये मस्क ने पिछले छह महीने में चीन, कजाखस्तान और संयुक्त अरब अमीरात) की यात्राएं की हैं। 76 वर्षीय माये मस्क कई सालों से मॉडलिंग, लेक्चर देने और अपनी किताब के प्रमोशन के लिए विश्व यात्रा करती रही हैं, लेकिन हाल के समय में उनकी मांग विदेशों में बढ़ी है।

**माये मस्क की विदेश यात्राओं का बढ़ता पैटर्न:** माये मस्क एलन मस्क के परिवार से हैं और इलॉन मस्क को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का करीबी माना जाता है। ट्रम्प के प्रशासन में फौजी खर्च और विदेशी सहायता तय करने में मस्क की अहम भूमिका रही है। माये मस्क ने 2024 के अंत में चार बार चीन यात्रा की, जहां उन्होंने मॉडलिंग या प्रोडक्ट प्रमोशन के लिए काम किया। इस दौरान उन्होंने मेकअप प्रोडक्ट, जैकेट और मसाज डिवाइस जैसे सात ब्रांड्स का प्रचार किया। इन यात्राओं का सरकारी मीडिया में

अच्छा कवरेज भी हुआ है।

**कजाखस्तान और दुबई की यात्राएं:** अक्टूबर में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से तीन हफ्ते पहले माये मस्क ने कजाखस्तान में महिलाओं के एक फोरम में हिस्सा लिया। इसके बाद जनवरी में डोनाल्ड ट्रम्प के शपथ ग्रहण से एक सप्ताह पहले माये मस्क दुबई में थीं। वहां उन्होंने इंफ्लूएंसर्स की एक सरकारी कॉन्फ्रेंस में भाषण दिया। ट्रम्प के चुनाव अभियान का समर्थन करने के बाद माये मस्क की ये विदेश यात्राएं हुई हैं। माये मस्क की कई देशों की यात्राओं पर मीडिया ने चिंता जताई गई है। यह चिंता इसलिए बढ़ी है क्योंकि माये मस्क के विदेशी यात्राओं और उनके बेटे एलन मस्क के ट्रम्प के साथ रिश्तों को लेकर कुछ सवाल उठ रहे हैं।

## डॉक्टरों ने अदियाला जेल पहुंचकर इमरान खान की स्वास्थ्य जांच की

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान में डॉक्टरों की टीम ने अदियाला जेल पहुंचकर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की स्वास्थ्य जांच की है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह कार्रवाई मीडिया में पूर्व पीएम के स्वास्थ्य जुड़ी जानकारी सामने आने के बाद की गई। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान अगस्त 2023 से इस्लामाबाद के अदियाला जेल में बंद हैं। इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) ने उनके स्वास्थ्य के बारे में चिंता व्यक्त की थी। पाकिस्तानी समाचार पत्र डॉन ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि पाकिस्तान इंस्टीच्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (पीआईएमएस) की एक टीम ने सोमवार को अदियाला जेल पहुंचकर इमरान की स्वास्थ्य जांच की। चार सदस्यीय डॉक्टरों की टीम का नेतृत्व ईएनटी विशेषज्ञ डॉ अल्ताफ हुसैन ने किया। टीम में अस्तपाल के डेंटल डिपार्टमेंट के डॉ उमर फारुक, जनरल मेडिसिन विभाग के डॉ मुहम्मद अली आरिफ और सर्जरी विभाग के डॉ तशफीन इम्तियाज शामिल थे।

## जर्मनी के मैनहेम में लोगों पर जानबूझकर कार चढ़ाई, 2 की मौत

### 3 महीने में कार से हमले की तीसरी घटना

**बर्लिन, एजेंसी।** जर्मनी के मैनहेम में कार्निवल के दौरान सोमवार को एक कार चालक ने जानबूझकर पैदल चल रहे लोगों को टक्कर मार दी। जर्मनी के बिल्ड न्यूज पेपर के मुताबिक इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमलावर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अभी तक यह साफ नहीं है कि ड्राइवर ने जानबूझकर ऐसा किया या ये हादसा गलती से हुआ। पुलिस ने इलाके में लॉकडाउन लगाया है। जर्मनी में तीन महीने के अंदर कार से लोगों पर हमले की यह तीसरी घटना है। जनवरी में म्यूनिख शहर में एक अफगानी शरणार्थी ने लोगों पर कार चढ़ा दी थी। इस हादसे में 2 लोग मारे गए थे, जबकि 28 से ज्यादा घायल हुए थे। वहीं, दिसंबर में मैगडेबर्ग शहर के क्रिसमस मार्केट में तेज रफ्तार कार ने सैकड़ों लोगों को रौंद दिया था। इस हमले में 5 लोग मारे गए थे, जबकि 200 घायल हुए थे। घायलों में 7 भारतीय भी थे। इस हमले को स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 12.15 बजे (भारतीय समय के

मुताबिक शाम 4:45 बजे) अंजाम दिया गया। जर्मन मीडिया ने बताया कि मैनहेम की मुख्य शॉपिंग स्ट्रीट प्लैंकन में एक काली स्कू ने तेज रफ्तार से कई पैदल यात्रियों को टक्कर मार दी। यह कार प्लैंकन में परेडप्लाट्ज स्क्वायर से शहर के फेमस वॉटर टावर की तरफ जा रही थी।

## एफबीआई के न्यूयॉर्क प्रमुख का इस्तीफा, बोले- मुझे मिला था आदेश

### ब्यूरो में बड़े पैमाने पर छंटनी की आशंका

**वाशिंगटन, एजेंसी।** फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन यानी एफबीआई के न्यूयॉर्क कार्यालय के प्रमुख ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसे लेकर उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा करने के लिए आदेश दिया गया था। जेम्स डेनही ने सोमवार को अपने सहयोगियों को एक संदेश में बताया कि शुक्रवार को उन्हें इस्तीफा देने के लिए कहा गया, लेकिन इसका कोई कारण नहीं बताया गया। यह घटना एफबीआई के लिए एक अशांत समय में हुई है, क्योंकि पिछले महीने काश पटेल नए एफबीआई निदेशक बने थे और डैन बॉन्गिनो, जो ट्रंप के समर्थक और कंज़र्वेटिव पॉडकास्ट होस्ट हैं, को उप निदेशक नियुक्त किया गया है।

### एफबीआई के अंदर हालात और भी जटिल

फिलहाल, एफबीआई के भीतर स्थिति और भी जटिल हो गई है, जब न्याय विभाग ने 6 जनवरी, 2021 को अमेरिकी कैपिटल में हुई हिंसा से संबंधित जांच में शामिल हुए एफबीआई एजेंट्स की सूची देने का आदेश दिया। इस आदेश को कुछ लोगों ने एफबीआई में बड़े पैमाने पर निकासी का संकेत माना। डेनही, जो एक सेवानिवृत्त मरीन हैं, इस आदेश

का विरोध करते हुए एक संदेश में कहा था कि वह इस मामले में डिगने के लिए तैयार नहीं थे।

### हम झुकेंगे नहीं, हम हारेंगे नहीं- जेम्स डेनही

वहीं जेम्स डेनही ने अपने इस्तीफे के बाद कहा, मैंने अपनी जिंदगी में कई बार सुना है, जब आप गड्ढे में हों, तो खुदाई बंद कर दो, लेकिन मुझे इस पर भरोसा नहीं है। मैं कभी भी इस संगठन की रक्षा करना बंद नहीं करूंगा, बस इसे बाहर से गर्व से करूंगा। डेनही ने यह भी कहा कि वह एफबीआई की स्वतंत्रता को याद करेंगे और कहा, हम झुकेंगे नहीं, हम हारेंगे नहीं, हम जो सही है उसे किसी के लिए भी बलि नहीं चढ़ने देंगे। वहीं जेम्स डेनही के इस पूरे बयान पर एफबीआई ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है और न्याय विभाग ने भी तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

## बांग्लादेश में जीका वायरस के पांच मामलों की हुई पहचान

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश के स्वास्थ्य अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि इंटरनेशनल सेंटर फॉर डायरिया डिजीज रिसर्च, बांग्लादेश (आईसीडीडीआर-बी) के वैज्ञानिकों ने देश में जीका वायरस से संक्रमित पांच मामलों की पहचान की है। संक्रमित मरीजों से सैंपल 2023 में एकत्र किए गए थे और यह बांग्लादेश में जीका वायरस से संक्रमित मरीजों के पहले समूह की पहचान है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, जीका वायरस के मामलों की पहचान ने बांग्लादेश में इस बीमारी के वास्तविक प्रभाव को जानने के लिए बड़े पैमाने पर देशव्यापी जांच की मांग की है। संक्रमित मरीज एक-दूसरे से एक किलोमीटर के दायरे में रहते थे और पिछले दो सालों में देश के बाहर यात्रा नहीं की थी। पांच जीका वायरस से संक्रमित मरीजों में से एक को डेंगू वायरस भी था। यह बांग्लादेश में पहली बार ऐसा हुआ है जब दो वायरस का एक साथ संक्रमण पाया गया है। ऐसा माना जा रहा है कि यह वायरस शायद उन बांग्लादेशी प्रवासियों से फैला होगा जो दक्षिण एशिया के जीका वायरस प्रभावित देशों में काम कर रहे थे। ये मजदूर शायद संक्रमित हो गए और अपने समुदायों के भीतर और बाहर बांग्लादेश में वायरस फैला दिया। आईसीडीडीआर ने सुझाव दिया कि अधिक निदान क्षमता विकसित की जानी चाहिए और राष्ट्रीय स्तर पर व्यवस्थित निगरानी से भविष्य में प्रकोप को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है।

# कितने चांस हैं स्टेडियम साइज के एस्टेरॉयड के धरती से टकराने के? राहत देने वाला आंकड़ा आया सामने

क्षुद्रग्रह 2024 YR काफी चर्चा में है। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा था कि यह 7 साल बाद पृथ्वी से टकरा सकता है। नासा समेत यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसियों ने इसके टकराने की संभावनाओं की गणना के बाद राहत भरी खबर दी है। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) ने मंगलवार को कहा कि फुटबॉल मैदान के आकार वाले इस क्षुद्रग्रह के 2032 में पृथ्वी से टकराने की संभावना घटकर 0.001 प्रतिशत रह गई है। आपको बता दें कि वैज्ञानिकों ने आशंका जताई थी कि अगर यह क्षुद्रग्रह पृथ्वी पर गिरा तो इससे 500 परमाणु बमों से भी ज्यादा शक्तिशाली ऊर्जा उत्पन्न हो सकती है। क्षुद्रग्रह 2024 YR4 की खोज पिछले वर्ष दिसंबर में की गई थी। जिसके बाद नासा और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) ने इसे अपनी निगरानी सूची में डाल दिया।

### पृथ्वी से टकराने का डर था।

इस क्षुद्रग्रह के बारे में दावा किया गया था कि इसके पृथ्वी से टकराने की संभावना सबसे अधिक है। हाल ही में नासा के एक वैज्ञानिक ने इस क्षुद्रग्रह के गुजरने वाले मार्ग का मानचित्र तैयार किया था। इस दौरान उन्होंने आशंका जताई थी कि भारत, पाकिस्तान और अफ्रीका के कई इलाके इस क्षुद्रग्रह के रास्ते में आ सकते हैं। नासा की चेतावनी से पूरी दुनिया में हलचल मच गई। विशेषकर भारत में इसको लेकर काफी चिंता है। वहीं, अब नासा ने इस क्षुद्रग्रह के बारे में एक ताजा जानकारी जारी की है, जिससे इसके पृथ्वी से टकराने की संभावना नगण्य हो गई है। नासा ने क्षुद्रग्रह के मार्ग के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के नए डेटा का विश्लेषण किया है। नासा की जेट प्रोपल्शन लैब (जेपीएल) ने क्षुद्रग्रह के सटीक पथ की गणना के आधार पर कहा है कि यह खतरा कम से कम अगली शताब्दी तक के लिए टल गया है।

### कितना बड़ा और कितना शक्तिशाली?

2024 YR4 नामक यह क्षुद्रग्रह 100 मीटर तक चौड़ा है। पृथ्वी की ओर इसकी गति 38 हजार मील यानि 61,200 किमी प्रति घंटा है। यह हर सेकंड 17 किमी की दूरी तय कर रहा है और 2032 तक यह पृथ्वी के काफी करीब आ सकता है। यदि यह पृथ्वी के वायुमंडल से टकराएगा या उसके किसी भाग पर गिरेगा तो भयंकर विस्फोट होगा। इससे लगभग 8 मिलियन टन टीएनटी ऊर्जा निकलेगी जो हिरोशिमा-नागासाकी पर गिराए गए परमाणु बमों से 500 गुना अधिक विनाश कर सकती है। यह विस्फोट 50 किमी के दायरे में सब नष्ट कर सकता है।

### सिमुलेशन वीडियो में दिखा अद्भुत नजारा

इस टक्कर का सिमुलेशन वीडियो मेटाबॉल स्टूडियोज के 3डी विशेषज्ञ अल्वारो ग्रासिया मोंटोया द्वारा बनाया गया है। वीडियो में पूरा शहर प्रभावित दिखाया गया है। हालांकि, अंतरिक्ष एजेंसियों ने बताया है कि क्षुद्रग्रह 2024 YR4 हमारी पृथ्वी के पास से सुरक्षित गुजर जाएगा।

### ईएसए ने दी यह जानकारी

एक सप्ताह पहले इस क्षुद्रग्रह ने पृथ्वी से टकराने की सर्वाधिक संभावना का नया रिकॉर्ड बनाया था। नासा के अनुसार, पृथ्वी से टकराने की संभावना 3.1 प्रतिशत थी, जबकि ईएसए के अनुसार, 2.8 प्रतिशत संभावना थी। हालाँकि, दुनिया भर के दूरबीनों से हाल ही में किए गए अवलोकनों ने अनिश्चितता को कम कर दिया है, जिससे इस क्षुद्रग्रह के पृथ्वी से सीधे टकराने की संभावना कम हो गई है। ईएसए ने कहा कि अब यह संभावना घटकर 0.001 प्रतिशत रह गयी है। यह भी कहा गया कि टोरिनो इम्पैक्ट हैज़र्ड स्केल पर खतरे का स्तर अब शून्य है। ईएसए ने कहा कि जोखिम में कमी के बावजूद, जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप आगामी महीनों में क्षुद्रग्रह का निरीक्षण करना जारी रखेगा।

# बेल्जियम में यूएफओ देखे जाने की घटनाओं में चौंकाने वाली वृद्धि

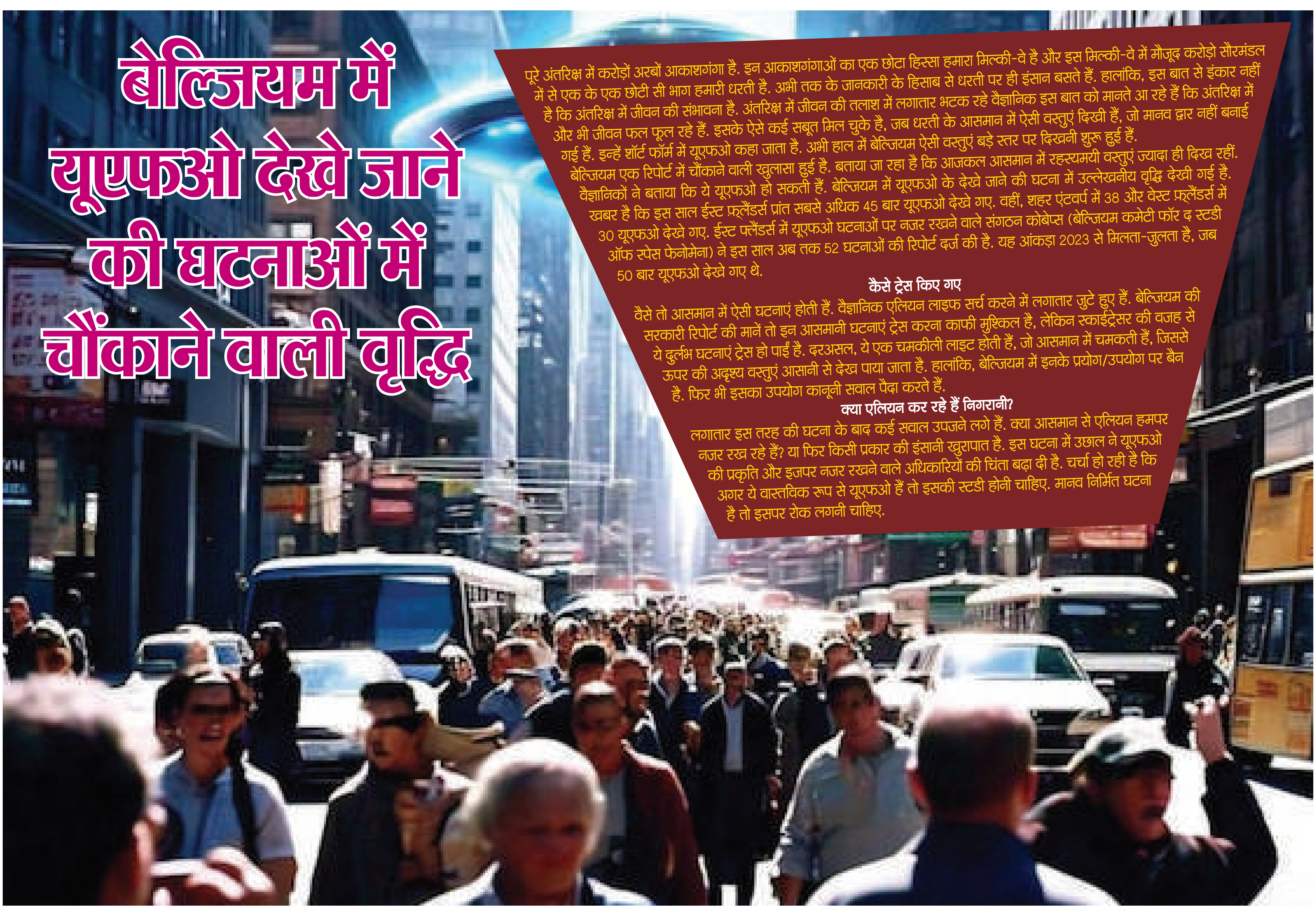

पूरे अंतरिक्ष में करोड़ों अरबों आकाशगंगा है. इन आकाशगंगाओं का एक छोटा हिस्सा हमारा मिल्की-वे है और इस मिल्की-वे में मौजूद करोड़ो सौरमंडल में से एक के एक छोटी सी भाग हमारी धरती है. अभी तक के जानकारी के हिसाब से धरती पर ही इंसान बसते हैं. हालांकि, इस बात से इंकार नहीं है कि अंतरिक्ष में जीवन की संभावना है. अंतरिक्ष में जीवन की तलाश में लगातार भटक रहे वैज्ञानिक इस बात को मानते आ रहे हैं कि अंतरिक्ष में और भी जीवन फल फूल रहे हैं. इसके ऐसे कई सबूत मिल चुके है, जब धरती के आसमान में ऐसी वस्तुएं दिखी हैं, जो मानव द्वार नहीं बनाई गई हैं. इन्हें शॉर्ट फॉर्म में यूएफओ कहा जाता है. अभी हाल में बेल्जियम ऐसी वस्तुएं बड़े स्तर पर दिखनी शुरू हुई हैं. बेल्जियम एक रिपोर्ट में चौंकाने वाली खुलासा हुई है. बताया जा रहा है कि आजकल आसमान में रहस्यमयी वस्तुएं ज्यादा ही दिख रहीं. वैज्ञानिकों ने बताया कि ये यूएफओ हो सकती हैं. बेल्जियम में यूएफओ के देखे जाने की घटना में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है. खबर है कि इस साल ईस्ट फ़्लैंडर्स प्रांत सबसे अधिक 45 बार यूएफओ देखे गए. वहीं, शहर एंटवर्प में 38 और वेस्ट फ़्लैंडर्स में 30 यूएफओ देखे गए. ईस्ट फ्लैंडर्स में यूएफओ घटनाओं पर नजर रखने वाले संगठन कोबेप्स (बेल्जियम कमेटी फॉर द स्टडी ऑफ स्पेस फेनोमेना) ने इस साल अब तक 52 घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज की है. यह आंकड़ा 2023 से मिलता-जुलता है, जब 50 बार यूएफओ देखे गए थे.

### कैसे ट्रेस किए गए

वैसे तो आसमान में ऐसी घटनाएं होती हैं. वैज्ञानिक एलियन लाइफ सर्च करने में लगातार जुटे हुए हैं. बेल्जियम की सरकारी रिपोर्ट की मानें तो इन आसमानी घटनाएं ट्रेस करना काफी मुश्किल है, लेकिन स्काईट्रेसर की वजह से ये दुर्लभ घटनाएं ट्रेस हो पाईं है. दरअसल, ये एक चमकीली लाइट होती हैं, जो आसमान में चमकती हैं, जिससे ऊपर की अदृश्य वस्तुएं आसानी से देख पाया जाता है. हालांकि, बेल्जियम में इनके प्रयोग/उपयोग पर बैन है. फिर भी इसका उपयोग कानूनी सवाल पैदा करते हैं.

### क्या एलियन कर रहे हैं निगरानी?

लगातार इस तरह की घटना के बाद कई सवाल उपजने लगे हैं. क्या आसमान से एलियन हमपर नजर रख रहे हैं? या फिर किसी प्रकार की इंसानी खुरापात है. इस घटना में उछाल ने यूएफओ की प्रकृति और इजपर नजर रखने वाले अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी है. चर्चा हो रही है कि अगर ये वास्तविक रूप से यूएफओ हैं तो इसकी स्टडी होनी चाहिए. मानव निर्मित घटना है तो इसपर रोक लगनी चाहिए.

# आर माधवन ने इंस्टाग्राम पर चैट करने की खबरों पर तोड़ी चुप्पी

आर माधवन फिल्मों में अपनी दमदार भूमिकाओं के लिए मशहूर हैं। अब उन्होंने हाल ही में सोशल मीडिया पर फैली गलतफहमियों को दूर किया, जिसमें कुछ लोगों का मानना था कि वह युवा लड़कियों के साथ छेड़खानी करते हैं। अभिनेता इन अफवाहों का खंडन करने और स्थिति को साफ करने के लिए आगे आए और इस मामले में अपनी बात सामने रखी। चेन्नई में एक एप के लॉन्च के दौरान आर माधवन ने सोशल मीडिया पर अपने साथ होने वाली बेवजह जांच के बारे में बात की। वह इस एप में निवेशक के तौर पर शामिल हुए हैं। उनके भाषण का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। सोशल मीडिया पर आने वाली चुनौतियों के बारे में बताते हुए माधवन ने एक उदाहरण साझा किया और कहा, एक युवा लड़की ने मुझे संदेश भेजा, मैंने यह फिल्म देखी। मुझे यह बहुत पसंद आई। मुझे लगा कि आप एक शानदार अभिनेता हैं, बहुत बढ़िया। आपने मुझे प्रेरित किया। इसके साथ ही उन्होंने दिल, किस और लव इमोजी भेजे।

## अभिनेता ने क्यों किया फैन को रिप्लाई?

आर माधवन ने आगे कहा कि अब, जब कोई प्रशंसक मुझसे इतने विस्तार और प्यार से बात करता है तो मैं जवाब देने के लिए मजबूर महसूस करता हूं। मैं आमतौर पर जवाब देता हूं और मैंने ऐसा ही किया। मैंने उन्हें जवाब दिया और लिखा, बहुत-बहुत धन्यवाद, आप बहुत दयालु हैं। भगवान आपका भला करे। हालांकि, लड़की ने तब मेरे रिप्लाई का स्क्रीनशॉट लिया और इसे इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दिया।

माधवन को करना पड़ा समस्या का सामना

अब लोग क्या देखते हैं? दिल, चुंबन और प्यार भरी बातें और मैडी ने इसका जवाब दिया है। मेरा इरादा उस पर जवाब देने का नहीं था। मेरा इरादा उसके संदेश का जवाब देने का था, लेकिन यह एक छोटी सी बात है, आप केवल उस प्रतीक को देखते हैं और कहते हैं ओह मैडी छोटी लड़कियों से बात कर रहा है। अगर मुझे यही डर है और मुझे हर बार सोशल मीडिया पर संदेश डालते समय इधर-उधर भागना पड़ता है तो क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि अगर मुझे मेरे अनुभव के साथ इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है तो किसी दूसरे व्यक्ति को कितनी समस्या होगी?

# इन अभिनेत्रियों के किरदार निभाना चाहती हैं अनन्या पांडे

अनन्या पांडे ने अपनी कई फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता। हाल ही में अनन्या ने खुलासा किया कि वह करीना कपूर खान के किरदार पू और गीत को निभाना पसंद करेंगी। उन्होंने कहा कि वह करीना द्वारा निभाए गए किरदारों में से कुछ भी नहीं कर पाएंगी। अनन्या ने ये जवानी है दीवानी में दीपिका पादुकोण की भूमिका का भी नाम लिया। हाल ही में वोग इंडिया को दिए गए इंटरव्यू में अनन्या की फिल्म कॉल मी बे के डायरेक्टर कॉलिन डीकुन्हा ने जब उनसे पूछा कि वह कौन से किरदार निभाना चाहेंगी। जवाब में अनन्या ने करीना कपूर खान की फिल्म कभी खुशी कभी गम की पू और जब वी मेट की गीत का नाम लिया, जो उनके दिल के सबसे करीब हैं।

अनन्या ने कहा, मैं शायद करीना द्वारा किए गए काम का 0.1 प्रतिशत भी नहीं दे पाऊंगी, लेकिन वे बहुत मजेदार होंगे। अनन्या ने आगे कहा की वह चमेली में करीना की भूमिका, लक बाय चांस में कोंकणा सेन शर्मा और ये जवानी है दीवानी में दीपिका पादुकोण के किरदार को निभाने की चाहत रखती हैं। इसी इंटरव्यू के दौरान अनन्या पांडे की फिल्म गहराइयां के निर्देशक शकुन बत्रा ने उनसे उनके ड्रीम रोल के बारे में पूछा। उन्होंने बताया कि वह बायोपिक करना पसंद करेंगी। उन्होंने बताया कि उन्हें द क्राउन और स्पेंसर में प्रिंसेस डायना के किरदार देखने में मजा आया। अनन्या ने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं कभी ऐसा कर पाऊंगी, लेकिन मुझे मधुबाला, मीना कुमारी और वहीदा रहमान जैसी 50 और 60 के दशक की मशहूर अभिनेत्रियों का किरदार निभाना की इच्छा है। काम की बात करें तो अनन्या पांडे कथित तौर पर केसरी चैप्टर 2- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग में नजर आ सकती हैं। इस फिल्म में अनन्या के अलावा अक्षय कुमार और आर माधवन भी नजर आएं।

आलिया भट्ट वाईआरएफ की स्पाईवर्स की पहली महिला प्रधान फिल्म अल्फा में नजर आएंगी। आलिया के साथ अभिनेत्री शरवरी वाघ भी नजर आएंगी। दोनों कलाकार अपनी भूमिकाओं में पूरी तरह से फिट होने के लिए अपने वर्कआउट सेशन में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। घोषणा के बाद से निर्माताओं ने फिल्म के बारे में बहुत कम अपडेट ही प्रशंसकों के साथ साझा किए हैं।

# आलिया भट्ट ने फिल्म अल्फा के बारे में साझा किया अपडेट

आलिया ने हाल ही में अपने प्रशंसकों के लिए एक मीट-एंड-ग्रीट सेशन आयोजित किया, जहां उन्होंने उन्हें अल्फा के बारे में बताया। एक इंटरैक्टिव सेशन के दौरान एक प्रशंसक ने आलिया से पूछा कि वह किस किरदार को एक दिन के लिए जीना पसंद करेंगी। बिना ज्यादा सोचे-समझे उन्होंने तुरंत जवाब दिया, सबसे अच्छा हमेशा अगला होता है। इस जवाब के साथ आलिया ने अपनी अगली फिल्म अल्फा में उनकी बहुप्रतीक्षित भूमिका की ओर इशारा किया। रिपोर्ट के अनुसार, आलिया ने अपने किरदार के लिए कड़ी ट्रेनिंग ली है। आलिया ने बीते साल 5 जुलाई को अल्फा की शूटिंग शुरू कर दी थी। फिल्म में उन्हें पहले कभी नहीं देखे गए अवतार में दिखाया जाएगा। सुपर एजेंट की भूमिका निभाने के लिए उन्होंने खुद को तैयार करने के लिए लगभग चार महीने तक ट्रेनिंग ली है। फिल्म में उनके पांच से छह एक्शन सीक्वेंस हैं और उन्हें सबसे फिट रहने की जरूरत है।

## अल्फा की घोषणा

आलिया और शरवरी ने एक पोस्ट के साथ 2024 में अल्फा की घोषणा की थी। बैकग्राउंड ऑडियो में आलिया कह रही थीं, ग्रीक वर्णमाला का सबसे पहला अक्षर और हमारे प्रोग्राम का आदर्श वाक्य.. सबसे पहले, सबसे तेज, सबसे वीर। ध्यान से देखो तो हर शहर में एक जंगल है और जंगल में हमेशा राज करेगा..अल्फा। फिल्म का निर्देशन शिव रवैल ने किया है। फिल्म की ज्यादातर शूटिंग कश्मीर में हुई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ऋतिक रोशन और बॉबी देओल फिल्म में अहम भूमिका निभाएंगे।

# सामंथा ने फिल्म इंडस्ट्री में पूरे किए 15 साल

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने फिल्मी दुनिया में15 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर एक खास कार्यक्रम में सामंथा रुथ प्रभ को सम्मानित किया गया। यह लम्हा प्यार, पुरानी यादों और प्रशंसकों के उत्साह से भरा हुआ था। जब उन्होंने अवॉर्ड हासिल किया तब वह उत्साहित लग रही थीं।

## सामंथा को अवॉर्ड

सामंथा के फिल्मी दुनिया में 15 साल पूरे होने पर उन्हें एमसीआर ग्रुप ऑफ कंपनीज की तरफ से सम्मानित किया गया। सामंथा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट की, इसमें उन्होंने लिखा कि 15 साल। महान। सौभाग्यपूर्ण। प्यारे। बहुत कुछ आना बाकी है। धन्यवाद चेन्नई। सम्मान के लिए शुक्रिया।

## वरुण धवन के साथ किया काम

सामंथा ने अवॉर्ड की जगह से साड़ी में अपनी कई फोचो शेयर की हैं। सामंथा ने अपने लुक को गोल्डन साड़ी और गहनों से पूरा किया था। सामंथा के काम की बात करें तो वह आखिरी बार सिटाडेल हनी बनी में नजर आई थीं। उनके साथ वरुण धवन ने काम किया है। सामंथा ने साल 2010 में तेलुगू फिल्म ये माया चेसावे से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। इस फिल्म में सर्वश्रेठ डेब्यू अभिनेत्री के लिए उन्हें फिल्म फेयर अवॉर्ड मिला।

## तमिल तेलुगू में मिल चुका है अवॉर्ड

उन्हें साल 2012 में नीथाने एन पोनवसंथम तमिल फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का अवॉर्ड मिला। इसके साथ इसी साल में उन्हें तेलुगू फिल्म ईगा में काम करने के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का अवॉर्ड दिया गया। इसके बाद उन्होंने इंडस्ट्री को कई बेहतरीन फिल्में दीं। उन्होंने अत्तरीनतिकी दरेदी (2013), कत्थी (2024), थेरी (2016), 24 (2016), मेरसल (2017) साल 2012 में सामंथा हिंदी फिल्म एक दीवाना था में नजर आईं।

# अंजलि आनंद ने फिल्म इंडस्ट्री के भेदभाव पर बात की, 'डब्बा कार्टेल' में शबाना आजमी संग की एक्टिंग

अंजलि आनंद ने टीवी सीरियल, फिल्म और वेब सीरीज जैसे सभी मीडियम में काम किया है। अलग-अलग किरदार और जॉनर के प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रही हैं। लेकिन उनकी एक्टिंग को सराहने की बजाय उनको बस एक प्लस साइज एक्ट्रेस के तौर पर ही पहचाना जा रहा है। ऐसे में अंजलि का कहना है कि ऐसा सिर्फ फीमेल एक्ट्रेस के साथ होता है, हीरो या मेल एक्टर्स के साथ ऐसी सिचुएशन क्रिएट नहीं होती है।

## एक्टर्स को कोई प्लस साइज नहीं बोलता

हाल ही में फीवर एफएम को दिए गए हालिया इंटरव्यू में अंजलि आनंद बताती हैं कि कभी किसी ने गोविंदा को, ऋषि कपूर जी को नहीं कहा कि वे प्लस साइज एक्टर हैं। लेकिन एक महिला कलाकार को आसानी से प्लस साइज एक्ट्रेस कहा जाता है। मुझे भी अंजलि आनंद प्लस साइज एक्ट्रेस के तौर पर भी जाना जाता है।' इस बात के जरिए अंजलि ने इंडस्ट्री के भेदभाव वाले व्यवहार से परदा उठाया है। अंजलि आनंद एक उम्दा एक्ट्रेस हैं, उन्हें वेब सीरीज 'डब्बा कार्टेल' में शबाना आजमी, ज्योतिका, शालिनी पांडे और निमिषा सजयन जैसी एक्ट्रेस के साथ काम करने का मौका मिला है।

## डब्बा कार्टेल में अंजलि का रोल

डब्बा कार्टेल की स्टोरी ऐसी महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है जो एक ड्रग माफिया चला रही होती हैं, लेकिन आम लोग उन्हें सिर्फ टिफिन सर्विस देने वाली महिलाएं समझते हैं। शो का हल्का-फुल्का अंदाज तो दिखाई देता है, लेकिन इसमें दिखाया गए अपराध और माफिया की दुनिया रोचक है। इस वेब सीरीज में अंजलि ने भी एक आम सी दिखने वाली महिला का रोल किया है, लेकिन वह भी ड्रग माफिया का हिस्सा हैं।

# इसलिए शाहिद को नहीं मिली थी एनिमल, निर्देशक संदीप ने की तारीफ

फिल्म निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने अपनी फिल्म एनिमल के बारे में बताया है कि उन्होंने इस फिल्म में शाहिद कपूर के बजाए रणबीर कपूर को क्यों लिया था। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा है कि शाहिद ने कबीर सिंह में बेहतरीन प्रदर्शन किया था लेकिन वह एनिमल के लिए रणबीर के साथ अलग काम करना चाहते थे।

## इसलिए संदीप ने शाहिद के बजाए रणबीर को चुना

गेम चेंजर्स के साथ बातचीत में संदीप रेड्डी वांगा ने बताया कि शाहिद का नाम उनके पास नहीं आया। क्योंकि एनिमल एक भावनात्म कहानी थी इसलिए उनके दिमाग में रणबीर कपूर का नाम आया। इसी इंटरव्यू में संदीप रेड्डी ने कबीर सिंह में बेहतरीन काम करने के लिए उनकी तारीफ की। उन्होंने बताया कि उनके साथ काम करने पर उन्हें तजुर्बा मिला। उन्होंने कहा कि शाहिद रीमेक में काम करने के लिए बहुत इच्छुक थे। चूंकि कबीर सिंह एक रीमेक फिल्म थी, इसलिए इस पर कम चर्चा हुई।

## मौलिक अभिनेता हैं शाहिद कपूर

संदीप ने शाहिद के बारे में बताया कि वह एक मौलिक अभिनेता हैं इसलिए उन्हें रीमेक फिल्मों में काम नहीं करना चाहिए। शाहिद के साथ काम करने को लेकर संदीप ने कहा, हमने एक सीन को 90 मिनट में पूरा कर लिया जो स्क्रिप्ट में नहीं था और हमने इसे शूट करने की योजना नहीं बनाई थी, लेकिन जब लाइट शिफ्ट हुई, तो शाहिद से मैंने पूछा कि इसमें कितना वक्त लगेगा। उन्होंने कहा कि एक घंटा, तो मैंने कहा, शाहिद, एक घंटा क्यों बर्बाद कर रहे हो? चलो इसे शूट करते हैं। इसके बाद शाहिद ने इसे बिना वक्त गंवाए शूट कर दिया। तभी मुझे एहसास हुआ कि शाहिद जैसे अभिनेता को रीमेक नहीं करना चाहिए- वह मौलिक अभिनेता हैं। मैंने उन्हें कई बार यह बात बताई।

कबीर सिंह विजय देवरकोंडा और शालिनी पांडे की तेलुगु ब्लॉकबस्टर अर्जुन रेड्डी की हिंदी रीमेक थी। 2019 की कबीर सिंह में शाहिद कपूर ने कियारा आडवाणी के साथ सह-अभिनय किया। संदीप रेड्डी वांगा ने फिल्म एनिमल का भी निर्देशन किया है।

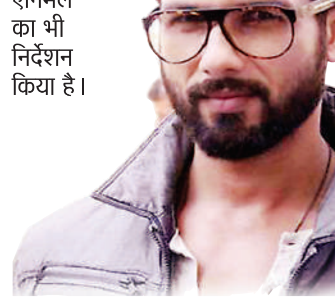

# दीपिका कक्कड़ ने बीच में छोड़ा 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ', सोशल मीडिया पर हो रही हैं ट्रोल?

एक लंबे गैप के बाद टीवी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने छोटे पर्दे पर वापसी की। वह कुकिंग रियालिटी शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' में नजर आईं, अपने कुकिंग का टैलेंट भी दर्शकों को दिखाया। लेकिन अचानक कुछ दिन पहले ही दीपिका कक्कड़ ने कुकिंग रियालिटी शो छोड़ दिया। शो छोड़ने का जो कारण दीपिका ने बताया है, उस पर कुछ सोशल मीडिया यूजर्स को भरोसा नहीं है। वह दीपिका को झूठ बोलकर शो छोड़ने के लिए ट्रोल कर रहे हैं। पिछले दिनों टीवी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने यह कहकर 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' शो बीच में छोड़ दिया कि उनके हाथों में काफी दर्द है और वह शो में आगे हिस्सा नहीं ले सकती हैं। शो से बाहर आने के बाद दीपिका अपने पति शोएब इब्राहिम के साथ वैकेशन पर भी निकल गईं। साथ ही वह अपने बच्चे की भी अच्छी केयर करती दिखीं। ये सभी वीडियो सोशल मीडिया पर भी पोस्ट हुए। ऐसे में सोशल मीडिया यूजर्स ने दीपिका को ट्रोल किया कि वह झूठ बोलकर शो से बाहर आई हैं। वह आसानी से हाथों में कैमरा उठा रही हैं और व्लॉगिंग कर रही हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक निहाल कुमार साह वर्ल्ड वाइज न्यूज़ (दैनिक), दैनिक भास्कर प्रिंटिंग प्रेस,प्लॉट नंबर 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन , रातू राँची (झारखंड ) से मुद्रित , , मोनिका भारती फ्लैट नंबर 305 सुशीला अपार्टमेंट, नियर काली मंदिर (जिला- हजारीबाग) राज्य- झारखंड , पिन नंबर 825301 से प्रकाशित (वरीय संपादकः अमरनाथ पाठक) , (प्रधान संपादकः पप्पु कुमार) , (सलाहकार संपादक : अखौरी ब्रजेश सहाय), (स्थानीय संपादक : विष्णु पांडेय) पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेवार , RNI.NO: JHAHIN/2023/85732
समस्त दिवानी विवादी, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परीवादो के लिए क्षेत्राधिकार हजारीबाग न्यायालय में रहेगा ।